THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 189 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.13 2082 रविवार, 5 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

जगदीश विश्वकर्मा बने गुजरात भाजपा के नए अध्यक्ष

अहमदाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा ने जगदीश विश्वकर्मा को गुजरात भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। जगदीश विश्वकर्मा ओबीसी वर्ग से आते हैं। ऐसे में उन्हें राज्य इकाई की कमान देने को भाजपा द्वारा ओबीसी वर्ग को लुभाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। गुजरात भाजपा अध्यक्ष चुनाव के लिए पार्टी के चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने गांधीनगर स्थित पार्टी मुख्यालय 'कमलम' में राज्य के वरिष्ठ नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक में विश्वकर्मा के नाम की आधिकारिक घोषणा की। गुजरात सरकार के मंत्री और ओबीसी नेता जगदीश विश्वकर्मा केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल की जगह लेंगे।

आज के भारत में कौशल को प्राथमिकता : मोदी

*** पीएम का विजन 2047 तक देश को विकसित बनाना**

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) के टॉपर्स को सम्मानित किया। पीएम ने कौशल दीक्षांत समारोह 2025 के दौरान 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का भी अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी जुड़े।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कहा, कुछ वर्ष पहले हमारी सरकार ने आईटीआई छात्रों के लिए व्यापक स्तर पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने की नई परंपरा शुरू की थी। आज इसी परंपरा की एक और कड़ी के साक्षी हम सभी बन रहे हैं। मैं भारत के कोने-कोने से हमारे साथ जुड़ने वाले सभी युवा आईटीआई छात्रों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। यह समारोह इस बात का प्रतीक है कि आज का भारत कौशल को कितनी प्राथमिकता देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इस कार्यक्रम के माध्यम से बिहार के हजारों युवा हमसे जुड़े हैं। इस पीढ़ी को शायद अंदाजा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था कितनी जर्जर थी। न ईमानदारी से स्कूल खुलते थे, न ही भर्तियां होती थीं। कौन सा माता-पिता नहीं चाहेगा कि उसका बच्चा यहां पढ़े

और आगे बढ़े? लेकिन मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। यहीं से पलायन की असली शुरूआत हुई... सौभाग्य से बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी, और हम सब गवाह हैं कि कैसे पूरी एनडीए टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को पटरी पर लाया... मुझे खुशी है कि आज के कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है। नीतीश कुमार की सरकार ने इस विश्वविद्यालय का नाम भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के नाम पर रखा है...

नीतीश बोले-आईटीआई पर सरकार के पहल से प्रदेश को होगा फायदा :

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा, बहुत खुशी की बात है कि आज देशभर के आईटीआई टॉपर्स के लिए कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने इन संस्थानों के छात्र और छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए... बिहार में युवा आयोग और जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वास की स्थापना की गई है... इसमें बिहार के युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र और 25 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृति वितरण किया जा रहा है... इससे बिहार के लोगों को बहुत फायदा होगा।

केन्द्रीय कौशल विकास व उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, आज एक ऐतिहासिक पल है। 11 साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक पहल की थी। कौशल विकास और उद्यमिता क्षेत्र के महत्व को समझते हुए एक नए विभाग का गठन किया था। उस काम के पीछे जो उनकी सोच और प्रयास था, आज उसी विकास यात्रा में हम सभी साथ मिलकर एक मील का पत्थर मनाने वाले हैं... प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हमें हमारे आईटीआई में पढ़ने वाले बच्चों के सम्मान के लिए पहल करनी है।

बिहार चुनाव : निर्वाचन आयोग ने 12 दलों के साथ की बैठक

पारदर्शी प्रक्रिया और मतदाताओं के सम्मान पर जोर

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में बिहार के सभी 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक की गई है, जिसमें चुनावों पर चर्चा हुई। बैठक में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधु और चुनाव आयुक्त विवेक जोशी के अलावा बिहार के मुख्य चुनाव अधिकारी विनोद गुंजियाल और आयोग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। चुनाव आयोग ने कहा कि राजनैतिक दल जनतंत्र की आधारशिला हैं। सभी दलों को पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया के हर पड़ाव पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। आयोग ने अपील की कि चुनाव के पर्व को सौहार्द से मनाएं, मतदाताओं का सम्मान करें। साथ ही, आयोग ने आह्वान किया कि चुनाव की पारदर्शिता का अनुभव करें और हर बूथ पर राजनैतिक दल अपने पोलिंग एजेंट नामित करना न भूलें।

बैठक में हिस्सा लेने वाले 12 राजनीतिक दलों में भाजपा और कांग्रेस के अलावा जदयू, राजद, आम आदमी पार्टी, बसपा, सीपीआईएम, एनपीपी, सीपीआईएमएल, एलजेपी (रामविलास), आरएलजेपी और आरएलजेपी शामिल थे। आयोग के अनुसार, राजनैतिक दलों ने मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए एसआईआर के ऐतिहासिक, पारदर्शी और दृढ़ कदम उठाने के लिए धन्यवाद किया। सभी ने चुनावी प्रक्रिया के प्रति अपनी पूरी निष्ठा और विश्वास को दोहराया।

यूपीएससी का फैसला : प्रारंभिक परीक्षा के तुरंत बाद जारी होगी उत्तर कुंजी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने अपनी नीति में बड़ा बदलाव करते हुए सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि अब सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (सीएसई प्रारंभिक परीक्षा) की उत्तर कुंजी परीक्षा के तुरंत बाद जारी की जाएगी। यह जानकारी आयोग द्वारा दायर एक हलफनामे में दी गई, जो पारदर्शिता बढ़ाने की मांग वाली एक याचिका के जवाब में दाखिल किया गया था।

अब तक यूपीएससी की परंपरा रही है कि वह उत्तर कुंजी, अंक और कट-ऑफ केवल पूरी परीक्षा प्रक्रिया समाप्त होने और अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद ही प्रकाशित करता है। लेकिन इन नए फैसले के बाद उम्मीदवारों को परीक्षा के तुरंत बाद अपनी प्रतिक्रियाएं चेक करने का अवसर मिलेगा। आयोग ने दायर हलफनामे में कहा कि यह निर्णय सोच-समझकर और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में उठाया गया कदम है। यूपीएससी ने बताया कि प्रोविजनल आंसर की परीक्षा के बाद जारी की जाएगी और अभ्यर्थियों से आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। हलफनामें में कहा गया है कि परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों से उत्तर कुंजी के संबंध में अभ्यावेदन या आपत्तियां मांगी जाएंगी। हर आपत्ति के साथ कम से कम तीन प्रामाणिक स्रोतों का हवाला देना अनिवार्य होगा। सभी आपत्तियों की समीक्षा विषय विशेषज्ञों की एक समिति करेगी, जो अंतिम उत्तर कुंजी को तैयार करेगी। इसके आधार पर परिणाम घोषित किए जाएंगे।

31 मार्च तक देश से नक्सलवाद मिटा देंगे : शाह

जगदलपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जगदलपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 26 मार्च से पहले बस्तर नक्सलमुक्त हो जाएगा। दिल्ली के लोगों ने भ्रम फैलाया, नक्सलवाद ने बस्तर को विकास से दूर किया, लेकिन अब भाजपा शासन में मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, 3100 रुपये प्रति क्विंटल पर धान खरीदी, और एक माह में 500 से अधिक नक्सलियों का सरेंडर जैसे ठोस कदम उठाए गए हैं।

बस्तर अब ओलिंपिक का केंद्र बन रहा है, देशभर के आदिवासी यहां खेलेंगे, यह क्षेत्र अब वैश्विक आकर्षण का केंद्र है, जिसे दिल्ली जाकर सबको बताऊंगा और अपील करूंगा कि वे मुरिया दरबार जरूर आएं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेशी पर बल दिया है,

हर घर में यह संकल्प होना चाहिए कि देश में बनी चीजों का ही उपयोग होगा, क्योंकि अगर 140 करोड़ लोग स्वदेशी को अपनाएं तो भारत को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता और जीएसटी में 395 चीजों पर टैक्स घटाया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राहत है। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री बस सेवा की शुरूआत की। इससे 250 गांव कवर होंगे। इसके लिए 34 रूट का चयन किया गया है।

इससे पहले शाह ने सिरहासार भवन में बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित मुरिया दरबार की पारंपरिक रस्म निभाई। यहां वे मंत्री मांझी, चालकी, मेंबर और मेंबरीन समुदायों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर और उनकी समस्याएं सुनीं।

बस्तर राज परिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव के अनुसार, अमित शाह देश के पहले ऐसे गृहमंत्री हैं, जो मुरिया दरबार में शामिल हुए। अब तक इस रस्म में केवल राज्य के मुख्यमंत्री ही शामिल होते थे।

कोचिंग सेंटर में भीषण धमाका-2 की मौत

> 5 छात्र घायल, शवों के चीथड़े उड़े, बाइकें हवा में उड़ी

फर्रुखाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में शनिवार को सातनपुर मंडी के पास स्थित द सन क्लासेस लाइब्रेरी में जबरदस्त विस्फोट हो गया। इस हादसे में दो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे में पांच छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। धमाके की आवाज एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची है। घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। धमाका इतना भीषण था कि शवों के चीथड़े दूर-दूर तक बिखर गए। आसपास खून और मांस के लोथड़े फैल गए। लाइब्रेरी का दरवाजा और बेंच पूरी तरह टूट गए। बाहर की पक्की दीवारें और स्लैब 50 मीटर दूर जा गिरीं, जबकि लोहे की जाली 150 मीटर दूर एक पानी के गड्ढे में मिली। धमाके के बाद आसपास बारूद जैसी गंध फैल गई। धमाके की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां और फतेहगढ़ एवं कादरी गेट थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर फर्रुखाबाद के लोहिया अस्पताल भेजा गया। सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार बंसल ने घटनास्थल पर राहत कार्यों की निगरानी की। वहीं, डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी और एसपी आरती सिंह घायलों का हाल जानने अस्पताल पहुंचे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अवनींद्र कुमार ने बताया कि अस्पताल लाए गए सात घायलों में से दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया। अभी उनकी पहचान नहीं हो सकी है। एक गंभीर रूप से घायल युवक को हायर सेंटर रेफर किया गया है। इसके अलावा दो बच्चों को भी बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है।

भारत 6 नए एके-630 एयर डिफेंस गन सिस्टम खरीदेगा

एक मिनट में 3000 राउंड फायर करेगा

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के पाकिस्तान बॉर्डर से सटे इलाकों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने जा रहा है। इसके लिए आर्मी ने 6 नए एके-630 एयर डिफेंस गन सिस्टम खरीदने के लिए सरकारी कंपनी एडवांस्ड वेपन एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूआईएल) को टेंडर जारी किया है।

सेना के अधिकारियों के मुताबिक, इन गन सिस्टम की जरूरत ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महसूस हुई, जब पाकिस्तान सेना ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब में आबादी वाले इलाकों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया था। अब इनकी तैनाती से इन इलाकों में हवाई खतरों से बेहतर सुरक्षा मिलेगी। ये गन सिस्टम 'मिशन सुदर्शन चक्र' का हिस्सा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से दिए अपने भाषण में सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी। इसका लक्ष्य 2035 तक एक स्वदेशी, मल्टी-लेयर सुरक्षा कवच तैयार करना है, जिसमें निगरानी, साइबर सुरक्षा और एयर डिफेंस सिस्टम शामिल होंगे।

बीजेपी-आरजेडी की मांग-2 फेज में चुनाव हो

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ज्ञानेश कुमार की राज्य के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक हुई। पटना के होटल ताज में 3 घंटे चली बैठक में बीजेपी ने 2 फेज में चुनाव कराने की मांग की है। वहीं जदयू ने कहा कि बिहार में लॉ-एंड-ऑर्डर, नक्सल जैसी समस्या नहीं है, इसलिए एक चरण में चुनाव होने चाहिए। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमने मांग की है कि 2 फेज में चुनाव कराए जाएं। क्योंकि ज्यादा फेज होने से मतदाताओं को परेशानी होती है, वहीं उम्मीदवार के ज्यादा पैसे खर्च होते हैं।

बिहार बीजेपी ने चुनाव की घोषणा के 28 दिन बाद चुनाव कराने की मांग की है। दिलीप जायसवाल ने कहा, बुर्का पहनकर वोट देने आने वाली महिलाओं का महिला अधिकारी फोटो मिलान करे।

बीजेपी की 'बी टीम' है चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शनिवार को बिहार की अंतिम मतदाता सूची में कई गड़बड़ियां होने का दावा किया और आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग बीजेपी की 'बी टीम' के रूप में काम करते हुए पूरी तरह से 'निर्लज्जता' पर उतारू है तथा एसआईआर की प्रक्रिया का मकसद भाजपा व उसके मित्र दलों को राजनीतिक लाभ पहुंचाना है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि आयोग को भाजपा की कठपुतली की तरह नहीं दिखना चाहिए। निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद बिहार की अंतिम मतदाता सूची गत 30 सितंबर को प्रकाशित कर दी, जिसके अनुसार राज्य में कुल 7.42 करोड़ मतदाता हैं। रमेश ने एक खबर का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, निर्वाचन आयोग ने एसआईआर का पूरा खेल ही भाजपा के इशारे पर रचा है। अंतिम एसआईआर में निर्वाचन आयोग के सुधार के दावे भी गलत साबित हो रहे हैं। बिहार के सभी इलाक़ों से ऐसी खबरें आ रही हैं जो इस बात की पुष्टि करती हैं कि पूरी प्रक्रिया का मकसद भाजपा व उसके मित्र दलों को राजनीतिक लाभ पहुंचाना है।

नीरव मोदी को सता रहा भारत प्रत्यर्पण के बाद यातनाओं का डर

> कोर्ट में याचिका दाखिल कर लगाई गुहार

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंदन की एक अदालत 23 नवंबर को भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की उस याचिका पर सुनवाई करेगी। पीएनबी घोटाले के आरोप मोदी ने अपने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने की मांग की है। नीरव मोदी ने इस आधार पर याचिका दायर की है कि अगर उसे भारत वापस लाया गया तो एजेंसियों की ओर से उससे पूछताछ की जा सकती है। उसने अदालत से इस आशंका को देखते हुए मामले को फिर से खोलकर उस पर सुनवाई करने को कहा है। नीरव मोदी सुप्रीम कोर्ट तक अपनी सभी कानूनी अपीलें दायर कर चुके हैं। अब उन्होंने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने के लिए वेस्टमिंस्टर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अपनी याचिका में नीरव मोदी ने दलील दी है कि यदि उन्हें भारत प्रत्यर्पित किया गया तो विभिन्न एजेंसियां उनसे पूछताछ करेंगी। इस कारण उन्हें यातनाएं दी जा सकती हैं।

जानकारों के अनुसार इस इस मामले में जांच कर रही एजेंसियां अदालत को अपना पुराना आश्वासन दोहरा सकती हैं कि प्रत्यर्पित किए जाने पर मोदी पर भारतीय कानूनों के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा और एजेंसियों की ओर से उससे कोई पूछताछ नहीं की जाएगी।

पुलिस ने इस तकनीक से बरामद किए चोरी हुए मोबाइल

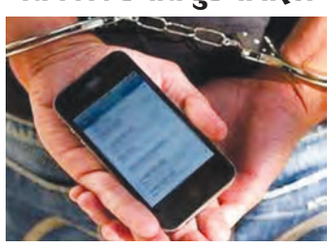

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली में आदर्श नगर थाना पुलिस ने स्मार्ट आइएमइआई ट्रैकिंग के जरिए छीने और चोरी हुए 24 मोबाइल फोन अलग-अलग 24 लोगों से बरामद किए हैं। सभी लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि आखिर ये मोबाइल फोन इनके पास किस तरह से पहुंचे।

उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि हाल ही में मोबाइल फोन की चोरी, छीना-झपटी व लूटपाट की घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है। वहीं, चोरी किए गए मोबाइल फोन आसानी से रिसीवर तक पहुंच जाते हैं। इस पर अंकुश लगाने हेतु थाना आदर्श नगर की मोबाइल ट्रेसिंग टीम को आइएमइआई आधारित ट्रैकिंग के ज़रिए छीने, चोरी व गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी का कार्य सौंपा गया।

अरब सागर में उठा तूफान

गुजरात तट की ओर बढ़ रहा 'शक्ति' चक्रवात; मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरब सागर में उठे चक्रवात 'शक्ति' ने गुजरात तट के पास अपने पैरों पसार लिए हैं और यह लगातार आगे बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि चक्रवात 'शक्ति' अगले 24 घंटों में और अधिक प्रचंड रूप ले सकता है और इसे गंभीर साइक्लोनिक तूफान में बदलने की संभावना है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, यह चक्रवात द्वारका से लगभग 300 किलोमीटर पश्चिम में और पाकिस्तान के कराची से 330 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में स्थित है। इस समय तूफान की गति 8 किलोमीटर प्रति घंटे की दर से बढ़ रही है। मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवात की यह दिशा पश्चिम और फिर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम की ओर है और 5 अक्तूबर तक यह अरब सागर के मध्य हिस्सों तक पहुंच सकता है।

मछुआरों के लिए अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के कई जिलों के लिए चक्रवात 'शक्ति' को लेकर अलर्ट जारी किया है। यह चेतावनी 7 अक्तूबर तक लागू रहेगी। मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में तेज हवाएं चलने और भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। समुद्र में लहरें बहुत ऊंची उठने की आशंका है, इसलिए मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। आईएमडी ने बताया कि विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है, जबकि उत्तर कोंकण के निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। राज्य सरकार ने जिला प्रशासन को आपदा प्रबंधन प्रणाली सक्रिय करने, तटीय और निचले इलाकों के लोगों के लिए निकासी योजना तैयार रखने, समुद्र यात्रा से बचने की अपील करने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

हाल के वर्षों में बढ़ा अरब सागर का खतरा

अरब सागर में चक्रवात अपेक्षाकृत कम आते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यहां तूफानों की रफ्तार बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में अरब सागर में ताउते (2021) और बिपरजॉय (2023) जैसे तूफान बने थे, लेकिन बंगाल की खाड़ी की तुलना में अरब सागर में कम चक्रवात आते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल यह तूफान तटीय इलाकों तक नहीं पहुंच रहा है, लेकिन इसके लगातार प्रचंड रूप लेने की संभावना को देखते हुए सतर्क रहना आवश्यक है।

3 दिन नहीं होंगे माता वैष्णो देवी के दर्शन, जारी हुआ नया आदेश

जम्मू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारी बारिश और खराब मौसम की चेतावनी के कारण श्री माता वैष्णो देवी यात्रा को तीन दिनों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी खराब मौसम संबंधी सलाह के चलते वैष्णो देवी यात्रा 5 से 7 अक्टूबर, 2025 तक स्थगित रहेगी। यात्रा को बुधवार को फिर से आरंभ किया जाएगा। भक्त आधिकारिक माध्यमों से अपडेट ले सकते हैं।'

रेलवे पुल पर शराबी ने जमकर काटा बवाल, रोक दी ट्रेन; यात्रियों की अटकी रहीं सांसें

बालाघाट, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। शराब के नशे में धुत एक युवक ने मध्य प्रदेश के बालाघाट के गर्रा रेलवे पुल पर जमकर हंगामा किया। युवक की हरकतों की वजह से रेल ट्रैक पर आ रही पैसेंजर ट्रेन को पायलट को बीच रास्ते पर ही रोकना पड़ा। करीब पंद्रह मिनट तक ट्रेन पुल पर खड़ी रही और यात्रियों की सांसें अटकी रहीं। अचानक हुई इस घटना से लोग सहम गए और हर कोई हादसे की आशंका से परेशान नजर आया। लेकिन लोको पायलट की सतर्कता और सूझबूझ ने स्थिति को संभाल लिया, वरना यह लापरवाही बड़ा हादसा बन सकती थी। इस दौरान कई यात्री ट्रेन से उतरकर शराबी को किनारे करने की कोशिश करते दिखे। उधर, नदी किनारे प्रतिमा विसर्जन कर रहे लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

बॉम्बे हाईकोर्ट की बड़ी कार्रवाई

भ्रष्टाचार के आरोपी दो जजों को किया निलंबित

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम और सिविल जज इरफान शेख को कदाचार और भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया है। दोनों जजों को बर्खास्त करने का फैसला एक अनुशासन समिति द्वारा की गई जांच के बाद लिया गया। निकम पर रिश्वत लेने का आरोप है, जबकि शेख पर भ्रष्टाचार और जब्त किए गए मादक पदार्थों का दुरुपयोग करने का आरोप है।

इरफान शेख नारकोटिक ड्रग्स और सायकोट्रॉपिक सब्स्टेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई करते थे। शेख के खिलाफ हाईकोर्ट में एक याचिका अभी भी लंबित है। एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने सतारा जिले के सत्र न्यायाधीश निकम के खिलाफ रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया था। आरोप है कि उन्होंने धोखाधड़ी के मामले में जमानत देने के लिए पांच लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। जनवरी में निकम ने हाईकोर्ट से एंटिसिपेटरी बेल मांगी थी, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था। मार्च में हाईकोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से पहले बेल देने से इनकार कर दिया था।

दो ट्रॉली बैग में छिपा रखा था साढ़े 6 करोड़ का गांजा

आईजीआई एयरपोर्ट पर धरे गए

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर कस्टम्स की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। उसने एयरपोर्ट पर 6.5 करोड़ का गांजा जब्त किया है। 28 सितंबर को बैंकॉक से आए दो भारतीय नागरिकों को स्पॉट प्रोफाइलिंग के आधार पर रोका गया और ड्यूटी पर मौजूद सीमा शुल्क अधिकारियों ने उनके व्यक्तिगत और सामान की तलाशी के लिए एक्स-रे के लिए उन्हें दूसरे स्थान पर भेज दिया। इसके बाद उनके ओर से ले जाए जा रहे नीले और मैरून रंग के ट्रॉली बैगों की जांच की गई। जांच के दौरान 13 काले और पारदर्शी रंग के पॉलीथीन पैकेट मिले, जिनमें हरे रंग का मादक पदार्थ था।

कार्रवाई के दौरान गांजा (मारिजुआना) होने का संदेह हुआ, जिसका वजन 6,554 ग्राम (शुद्ध वजन) था, जैसा कि एक्स पर एक पोस्ट में बताया गया है। आरोपी बैंकॉक से फ्लाइट नंबर टीजी-323 के जरिए दिल्ली पहुंचे थे। दिल्ली कस्टम्स ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'आईजीआई हवाई अड्डे के सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक नीले रंग और एक मैरून रंग के ट्रॉली बैग में रखे 13 काले और पारदर्शी रंग के पॉलीथीन पैकेटों में छुपाए गए हरे रंग के एनडीपीएस पदार्थ मारिजुआना की तस्करी का मामला दर्ज किया है। स्पॉट प्रोफाइलिंग के आधार पर दो भारतीय नागरिक बैंकॉक से उड़ान संख्या टीजी 323 के जरिए टर्मिनल-3 पर 28 सितंबर को पहुंचे। ड्यूटी पर मौजूद सीमा शुल्क अधिकारियों की ओर से उनके व्यक्तिगत और सामान की तलाशी के लिए पैक्स को ग्रीन चैनल पर डायवर्ट किया गया।'

किन धाराओं दर्ज हुआ केस?

उन्होंने कहा, 'यात्रियों की ओर से ले जाए जा रहे नीले और मैरून रंग के ट्रॉली बैग की जांच करने पर 13 काले और पारदर्शी रंग के पॉलीथीन पैकेट मिले, जिनमें हरे रंग का मादक पदार्थ था। कुल वजन 6554 ग्राम था। जब इस पदार्थ का टेस्ट किया गया, तो प्रथम दृष्टया यह गांजा प्रतीत हुआ। मादक पदार्थ की कीमत लगभग 6.5 करोड़ रुपए है। इस मामले में यह स्पष्ट था कि पैक्स ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 8 के प्रावधानों का उल्लंघन किया था और एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 20, धारा 23 और धारा 29 के तहत दंडनीय अपराध किया था। पैक्स को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 43 (बी) के तहत गिरफ्तार किया गया है। मादक पदार्थ को जब्त कर लिया गया है।'

सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता

वरिष्ठ कमांडर समेत दस उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में असम राइफल्स ने एक प्रतिबंधित संगठन के वरिष्ठ कमांडर सहित दस उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। अर्धसैनिक बल ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। असम राइफल्स ने बताया कि यह गिरफ्तारी एक अक्टूबर को चुराचांदपुर के जंगलों में चलाए गए अभियान के दौरान की गई। अर्धसैनिक बल की ओर से जारी बयान में कहा गया, असम राइफल्स ने एक अक्टूबर को 'ऑपरेशन सॉन्गकोट' के तहत यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी के वरिष्ठ कमांडर जामखोगिन गुइते लुफो उर्फ 'पेप्सी' को गिरफ्तार किया। इसके अलावा पांच अन्य उग्रवादियों को भी इस अभियान में पकड़ा गया।

असम राइफल्स ने कहा, यह सफल अभियान चुराचांदपुर और जिरीबाम में यूकेएनए के नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा के प्रति असम राइफल्स की प्रतिबद्धता को दोहराता है। मणिपुर के अधिकारियों के अनुसार यूकेएनए कमांडर पर जनवरी 2024 में बिष्णुपुर जिले में मीतई समुदाय के चार लोगों (एक पिता-पुत्र सहित) की हत्या में शामिल होने का आरोप है। मई 2023 से मणिपुर में मीतई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हज़ारों लोग विस्थापित हुए हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर वायुसेना प्रमुख के खुलासे के बाद बोले सिंघवी

पाक दुष्प्रचार के सामने भारतीय तथ्य ज्यादा ताकतवर

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह के खुलासे के बाद कहा है कि भारतीय तथ्य पाकिस्तानी दुष्प्रचार से ज्यादा जोरदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है। अभिषेक मनु सिंघवी की यह प्रतिक्रिया भारतीय वायुसेना के प्रमुख एपी सिंह के उस खुलासे पर आई है, जिसमें उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के 'एफ-16 और जे-17 लड़ाकू विमानों को मार गिराने का दावा किया। राज्यसभा सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, भारतीय तथ्य पाकिस्तानी दुष्प्रचार से ज्यादा जोरदार हैं।

जैसा कि भारतीय वायुसेना प्रमुख ने पुष्टि की है, पाकिस्तान के 'शीर्ष हथियार' एफ-16 और जेएफ-17 उनके झूठे बयानों से भी तेजी से गिरे। जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है। हालांकि, इससे पहले कांग्रेस के नेता अजय राय ने सवाल उठाए थे। पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आईएएनएस से कहा, लोगों और मीडिया को बार-बार बयान और स्पष्टीकरण देने की कोशिशें क्या दर्शाती हैं, कुछ तो गड़बड़ है। प्रधानमंत्री को देश के सामने तथ्य रखने चाहिए और इस मुद्दे को हमेशा के लिए सुलझाना चाहिए।

फरार साइको किलर सलामत अली अंसारी गिरफ्तार

7 वर्षीय मासूम से दरिंदगी कर की थी हत्या

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भिवंडी पुलिस ने उस खतरनाक साइको किलर सलामत अली अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने कोर्ट से फरार होने के बाद शहर में फिर से मासूम बच्ची को अपना शिकार बनाया था। भिवंडी के निजामपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करने वाले एक दंपति की 7 वर्षीय बेटी 1 अक्टूबर की दोपहर शौच के लिए घर से निकली थी। उसी दौरान कोर्ट से फरार आरोपी सलामत अली ने बच्ची को वफ़र्स का लालच देकर अपने कमरे में बुलाया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बच्ची के साथ इतनी क्रूरता की उसके शरीर का कोई हिस्सा सुरक्षित नहीं बचा।

इसके बाद उसने मासूम की हत्या कर शव को बोरे में भरकर कमरे में बंद कर दिया और फरार हो गया। परिजनों ने शव को तुरंत इंदिरा गांधी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने माता-पिता से पूछताछ की और जब उन्हें फरार साइको किलर सलामत अली की तस्वीर दिखाई गई तो उन्होंने तुरंत पहचान कर ली। घटना के बाद भिवंडी पुलिस की कई टीमें सक्रिय हुईं और देर रात आरोपी को दबोच लिया गया। उसका मेडिकल टेस्ट कराकर भिवंडी कोर्ट में पेश किया गया, जहां से अदालत ने उसे 8 अक्टूबर 2025 तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। निजामपुरा पुलिस स्टेशन अब मामले की विस्तृत जांच कर रहा है।

भारत में हिंदू जिन्ना का शासन चाहता है आरएसएस...

उद्धव की पार्टी ने संघ के डीएनए पर उठाए सवाल

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) पिछले कई दिनों से लगातार बीजेपी और संघ पर निशाना साध रहे हैं। इसी कड़ी में आज अपने मुखपत्र सामना के जरिए भी संघ पर हमला बोला है। इसके साथ ही आरएसएस के डीएनए पर सवाल किया है। मुखपत्र में लिखा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डीएनए में किस तरह का राष्ट्रवाद और हिंदुत्व है? इस पर शोध करने की आवश्यकता है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में लिखा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद के राष्ट्र निर्माण कार्यों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कहीं नहीं था। भारत के स्वतंत्रता संग्राम की जरा-सी भी खरोंच संघ की प्रगति पर नहीं पड़ी है। आश्चर्य की बात है कि ये लोग फिर भी आजादी, राष्ट्रवाद आदि पर भाषण झाड़ते हैं।

जिन्ना का शासन चाहता है आरएसएस

मुखपत्र में लिखा कि मोदी-शाह का शासन संघ के सपने को साकार करना है। संघ की धारणा देश की एकता को समाप्त कर यहां सहिष्णु हिंदुओं का नहीं बल्कि कट्टर, सड़ी हुई मानसिकता वाले हिंदुओं का शासन स्थापित कर उस राज को हिंदू राष्ट्र के रूप में मान्यता दिए जाने की है। संक्षेप में, संघ यहां हिंदू मोहम्मद अली जिन्ना का शासन चाहता है। उनका लक्ष्य भारत को हिंदू पाकिस्तान बनाना है और इसके लिए चाहे व्यक्तिगत स्वतंत्रता, लोकतंत्र और देश की संसद की बलि ही क्यों न देनी पड़े। आगे लिखा क संघ के बौद्धिक विभाग को श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश में भड़के जन-आंदोलन पर चिंतन करना चाहिए। वहां के शासकों ने पहले लोगों को कट्टरता और उग्र राष्ट्रवाद का डोज देकर मदहोश किया, बाद में उस नशे की मात्रा बढ़ाकर लोगों को अंधभक्त बना दिया। जब लोग समाधि की उस अवस्था में पहुंच गए।

मोहन भागवत ने भी बीजेपी के सुर से सुर मिलाया

मुखपत्र में लिखा कि सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ के विजयादशमी सम्मेलन में हमेशा की तरह अपना भाषण दिया। उसमें कोई मार्गदर्शन, दिशा-निर्देश आदि नहीं था। संघ की स्थापना को सौ वर्ष हो चुके हैं। इसलिए यह माना जा रहा था कि विजयादशमी सम्मेलन में कुछ अलग संदेश दिया जाएगा। सरसंघचालक ने बीजेपी के ही सुर में सुर मिलाया है। मोदी-शाह का शासन संघ के सपने को साकार करना है। संघ की धारणा देश की एकता को समाप्त कर यहां सहिष्णु हिंदुओं का नहीं बल्कि कट्टर, सड़ी हुई मानसिकता वाले हिंदुओं का शासन स्थापित कर उस राज को हिंदू राष्ट्र के रूप में मान्यता दिए जाने की है।

भागवत को लग रहा डर?

पड़ोसी देशों का जिक्र करते हुए लिखा कि जब लोकतंत्र का गला घोंटा जाता है और लोकतांत्रिक तरीकों से बदलाव लाने के रास्ते बंद कर दिए जाते हैं, तभी ऐसे जनाक्रोश से क्रांति होती है। सरसंघचालक को डर है कि ऐसा जनाक्रोश भारत में भी होगा, क्योंकि पिछले दस सालों में मोदी-शाह ने जनता से झूठे वादे किए। धार्मिक दंगे करवाए। उन्होंने पूरे देश को अडानी जैसे लाडले उद्योगपतियों की जेब में डाल दिया। सरसंघचालक को इस लूट पर कड़ा बयान देने की जरूरत थी।

डाक टिकट और सिक्का नकली और भ्रष्ट

मुखपत्र में लिखा कि संघ के 100 साल पूरे होने पर केंद्र सरकार ने उसके नाम पर डाक टिकट और विशेष सिक्के जारी किए हैं, लेकिन संघ द्वारा बनाया गया भाजपा का सिक्का नकली और भ्रष्ट है। संघ ने मोदी-शाह जैसे तानाशाह पैदा किए हैं और उनकी तानाशाही को मजबूत किया है, अब संघ के ये पाप आज देश की गर्दन पर सवार हैं। इन मंडलियों के राष्ट्रवाद का रोज पर्दाफाश हो रहा है।

डीवीसी जलाशयों से पानी छोड़े जाने के मामले पर

केंद्र-बंगाल आमने-सामने, मंत्री ने सीएम के दावों को नकारा

नई दिल्ली कोलकाता, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उन आरोपों को खारिज कर दिया जिनमें उन्होंने दुर्गा पूजा के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में बाढ़ लाने के लिए दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) की ओर से 'एकतरफा और जानबूझकर' पानी छोड़े जाने का आरोप लगाया था। पाटिल ने दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति (डीवीआरआरसी) से मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि मैथन जलाशय से 42,500 क्यूसेक और पंचेत जलाशय से 27,500 क्यूसेक सहित कुल 70,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। उन्होंने कहा, यह 1,50,000 क्यूसेक नहीं है जैसा कि पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया है।

बनर्जी ने पहले आरोप लगाया था कि डीवीसी ने त्योहारों के समय पश्चिम बंगाल में बाढ़ लाने के लिए 1.5 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा है। उन्होंने इसे त्योहारों के मौसम में लाखों लोगों को कष्ट पहुंचाने की एक जानबूझकर की गई चाल बताया था। उन्होंने डीवीसी के जलाशयों से पानी छोड़े जाने को शर्मनाक, असहनीय और अस्वीकार्य बताया और विरोध दर्ज कराया। आरोपों जवाब देते हुए पाटिल ने कहा कि डीवीआरआरसी जलाशय संचालन के लिए दामोदर घाटी जलाशय विनियमन नियमावली की ओर से निर्देशित व्यवस्थित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का पालन करता है। उन्होंने कहा कि विज्ञप्ति जारी करने से पहले समिति ने राज्य के सिंचाई व जलमार्ग निदेशालय से विचार मांगे थे, लेकिन कोई टिप्पणी या जानकारी नहीं मिली। मंत्री ने यह भी कहा कि दामोदर के निचले क्षेत्रें में स्थिति सामान्य बनी हुई है।

जेल से दो कैदी फरार, सूचना देने वालों को मिलेगा 50,000 रुपए का इनाम

भुवनेश्वर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के चौद्वार जेल से दो कैदी देर रात फरार हो गए। इस घटना के बाद पुलिस ने पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया और आम लोगों से भी इन अपराधियों की जानकारी देने की अपील की है। दशहरा के उत्सव के कारण जेल वार्डर छुट्टी पर थे। मौके का फायदा उठाकर कैदियों ने अपने सेल की ग्रिल काट दी और फिर जेल की दीवार फांदकर फरार हो गए। पुलिस घटना की जांच कर रही है कटक डीसीपी के अनुसार, यह घटना करीब 1:30 बजे हुई।

फरार कैदियों की पहचान सुह्रद नगर, बेगूसराय (बिहार) निवासी राजा साहनी और रामपुर, सारण (बिहार) निवासी मधुकांत कुमार के रूप में हुई है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों फरार कैदियों को करीब 3 बजे चौद्वार के चुडाखिया क्षेत्र में अंतिम बार देखा गया था। पुलिस को शक है कि ये दोनों बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन या अन्य परिवहन के माध्यम से भागने की कोशिश कर सकते हैं। उनके बिहार, झारखंड या कोलकाता की ओर भागने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने इन दोनों को खतरनाक अपराधी घोषित किया है और उनकी गिरफ्तारी में मदद करने वालों के लिए 50,000 रुपए का इनाम घोषित किया गया है। पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि जानकारी देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

गुजरात एटीएस ने मेफेड्रोन के बड़े रैकेट का किया भंडाफोड़, 30 करोड़ का नशा बरामद

सूरत, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात एटीएस को ड्रग्स केस में बड़ी सफलता मिली है। छापेमारी के दौरान 5.9 किलो मेफेड्रोन, कच्चा माल और उपकरण बरामद हुआ। जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह मेफेड्रोन दमण में एक फैक्ट्री में तैयार किया जा रहा था और तैयार माल वापी के मनोजसिंह ठाकुर के घर में रखा जाता था, जहां से इसे आगे मुंबई समेत अन्य स्थानों पर सप्लाई किया जाता था।

एटीएस को सूचना मिली थी कि वलसाड जिले के वापी में मेहुल ठाकुर, विवेक राय और मोहनलाल

पालीवाल आपसी मिलीभगत से मेफेड्रोन का निर्माण और बिक्री कर रहे हैं। ये लोग दमण के बामनपुजा सर्कल के पास फार्महाउस में पिछले 3-4 महीनों से ड्रग्स तैयार कर रहे थे। इसके बाद तैयार पदार्थ वापी में अपने मकान में रखकर व्यापार करते थे। आज एटीएस और दमण पुलिस क्राइम ब्रांच की टीम ने वापी और दमण में छापेमारी की। तलाशी अभियान में मेफेड्रोन (सॉलिड और लिक्विड) 5.9 किलो की मात्रा में बरामद हुआ। इसके साथ ही लगभग 300 किलो कच्चा माल, ग्राइंडर, मोटर, ग्लास फ्लास्क, हीटर और अन्य उपकरण भी ज़ब्त किए गए।

एटीएस के एसपी के। सिद्धार्थ ने बताया कि मोहनलाल पालीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मेहुल ठाकुर और विवेक राय फिलहाल फरार हैं। मोहनलाल पहले भी एनडीपीएस एक्ट के दो मामलों में गिरफ्तार हो चुका था और पैरोल जंप कर फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी के पूछताछ में यह पता चला कि रैकेट में कच्चा माल एकत्र करना, रासायनिक प्रक्रिया के माध्यम से ड्रग्स बनाना और तैयार माल की बिक्री शामिल था।

जांच जारी है और एटीएस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी कब से इस अपराध में शामिल थे, ड्रग्स किन जगहों पर और किसे बेची गई, इसके बदले पैसे कैसे मिले और इस रैकेट में और कौन-कौन लोग शामिल थे। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क से भी जुड़े हो सकते हैं, इसलिए गहन जांच चल रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 5 अक्टूबर, 2025

युविचार

आज का मानव देहधारियों के प्रेम में मतवाला हो चुका है लेकिन एक परमात्मा के प्रेम में मतवाला होना ही बुद्धिमता है

प्रशांत किशोर की कोई विश्वसनीयता नहीं : राममोहन रेड्डी

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के मीडिया एवं संचार अध्यक्ष समा राममोहन रेड्डी ने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें एक 'प्रीपेड रिचार्ज राजनेता' बताया है, जिसका प्रभाव केवल तब तक रहता है जब तक उसका भुगतान होता है।

एक बयान में, राममोहन रेड्डी ने कहा, प्रशांत किशोर एक राजनीतिक व्यापारी हैं जो विचारधाराएं नहीं, रणनीतियां बेचते हैं। वे जनकल्याण की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन अपने 50 साल के जीवन में उन्होंने अपने बिहार राज्य या देश के लोगों के लिए कुछ भी ठोस नहीं किया है। उनके तथाकथित आंदोलन केवल सुर्खियां और ठेके हासिल करने के लिए किए गए मार्केटिंग हथकंडे हैं। अपने 50 साल के जीवन में उन्होंने बिहार की वास्तविक समस्याओं के बारे में 15 मिनट भी नहीं बोला है। उन्होंने उस राज्य के लोगों के लिए कुछ नहीं किया है। उनका पूरा करियर दूसरे राजनेताओं को 'बातचीत का समय' देने के इर्द-गिर्द घूमता है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि प्रशांत किशोर का राजनीति के प्रति दृष्टिकोण पूरी तरह से लेन-देन वाला है- एक प्रीपेड रिचार्ज की तरह- उनका टॉकटाइम पूरी तरह से उनके भुगतान की राशि पर निर्भर करता है, और कुछ नहीं। तेलंगाना और भारत के लोग इस तरह की अवसरवादी राजनीति को समझने के लिए पर्याप्त समझदार हैं और ऐसे लोगों को नकार देंगे जो निजी लाभ के लिए लोकतंत्र का व्यवसायीकरण करने का प्रयास करते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर उनकी टिप्पणियों की आलोचना करते हुए, राममोहन ने कहा, रेवंत रेड्डी के बारे में बोलने के लिए प्रशांत किशोर के पास कोई आधार या विश्वसनीयता नहीं है। उन्होंने एक चुनावी रणनीतिकार के रूप में करोड़ों कमाए, लेकिन वे किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक जीत के लिए ज़िम्मेदार नहीं रहे हैं।

वास्तव में, रेवंत रेड्डी एक साधारण किसान परिवार से आते हैं, जिसकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। तेलंगाना के लोगों के आशीर्वाद और विश्वास से, वे मुख्यमंत्री बने। आज, वे दूरदर्शिता, साहस और जनता-प्रथम दृष्टिकोण के साथ राज्य का शासन चला रहे हैं- देश भर में नेतृत्व के लिए एक सच्चे आदर्श के रूप में उभर रहे हैं। राममोहन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना के समावेशी शासन को देश भर में मान्यता मिल रही है। उन्होंने कहा, तेलंगाना में रहने वाले बिहार सहित सभी क्षेत्रों के लोग रेवंत रेड्डी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हैं। वह मूल या राज्य के आधार पर भेदभाव किए बिना सभी निवासियों के साथ समान व्यवहार करते हैं। वह वास्तव में जनता के मुख्यमंत्री हैं।

मानसून में बारिश से भूजल स्तर में बड़ी वृद्धि

शहर के भूजल स्तर में 2 से 3 मीटर तक सुधार, टैंकरों की मांग में कमी

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस मानसून में हुई भरपूर बारिश से हैदराबाद के भूजल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भूजल विभाग के अनुसार, शहर के कई क्षेत्रों में पिछले वर्षों की तुलना में भूजल स्तर में 2 से 3 मीटर तक सुधार देखा गया। जून में रिकॉर्ड की गई कम वर्षा के कारण शहर के कई इलाकों में भूजल स्तर गिर गया था, जिससे टैंकरों की मांग बढ़ गई थी। जुलाई से शुरू हुई प्रचुर वर्षा और अगस्त-सितंबर में भारी बारिश ने जलभृतों को भर दिया और भूजल स्तर में वृद्धि कर दी। भूजल विभाग के अधिकारी ने बताया कि मर्रेडपल्ली, बंडलागुडा, चारमीनार, हिमायतनगर, अमीरपेट, खैरताबाद और सिकंदराबाद में भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ। एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने भी पुष्टि की कि टैंकरों की बुकिंग जुलाई, अगस्त और सितंबर में 4,000-6,000 से घटकर 2,500-3,000 रह गई।

केटीआर कोयंबटूर में राष्ट्रीय छात्र मोटरस्पोर्ट्स प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव 11 अक्टूबर को कोयंबटूर के कुमारगुरु इंस्टीट्यूशंस में आयोजित होने वाली 10वीं एफएमएई राष्ट्रीय छात्र मोटरस्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2025 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

फ्रेटरनिटी ऑफ मैकेनिकल एंड ऑटोमोटिव इंजीनियर्स (एफएमएई) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारत भर के 101 कॉलेजों की इंजीनियरिंग प्रतिभाओं का प्रदर्शन होगा, जिसमें 70 से अधिक छात्र टीमें और 1300 से अधिक युवा इंजीनियर भाग लेंगे। छात्र स्व-निर्मित वाहन और नवाचार प्रस्तुत करेंगे, जिनका मूल्यांकन 25 प्रमुख ऑटोमोटिव विशेषज्ञों की एक जूरी द्वारा किया जाएगा।

एफएमएई ने अपने निमंत्रण में, हैदराबाद में फॉर्मूला ई लाने में केटीआर की भूमिका की सराहना की, जिसने तेलंगाना को वैश्विक मोटरस्पोर्ट मानचित्र पर स्थापित किया। सतत गतिशीलता, उन्नत विनिर्माण और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में उनके नेतृत्व ने देश भर के हजारों युवा इंजीनियरों को प्रेरित किया है। इस प्रतियोगिता को भारत के प्रमुख छात्र-संचालित इंजीनियरिंग प्लेटफार्मों में से एक माना जाता है, जो उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की खाई को पाटते हुए देश को भविष्य की ऑटोमोटिव तकनीकों के केंद्र के रूप में स्थापित करता है।

दशहरा पर पालपिट्टा पक्षियों की सुरक्षा को लेकर चिंता

वन विभाग की कमी और धार्मिक उत्सवों में शिकार ने बढ़ाई राज्य पक्षी की मुश्किलें

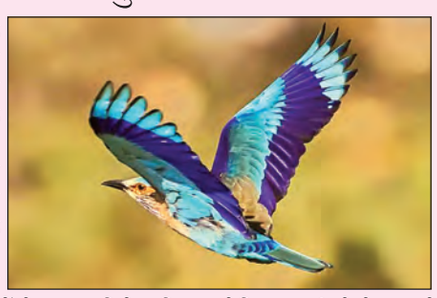

संगारेड्डी, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दशहरा के दौरान पालपिट्टा (भारतीय रोलर) पक्षियों की आबादी पहले से ही खतरनाक स्तर पर है, और वन विभाग की प्रभावी कार्रवाई की कमी ने उन्हें और अधिक संकट में डाल दिया है।

शिकारियों ने राज्यभर के मंदिरों में पक्षियों को पिंजरों में बंद कर रखा, जहां जम्मी अनुष्ठान आयोजित किए गए। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पक्षियों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। कुछ पक्षी रस्सियों से बंधे थे, जबकि कुछ पिंजरों में बंद थे। जब एनजीओ टीम ने पक्षियों को बचाने की कोशिश की, तो स्थानीय लोगों ने उनका विरोध किया, लेकिन एनजीओ ने कम से कम एक पक्षी को वन विभाग को सौंपा। कुछ राजनीतिक नेताओं के अनुयायियों ने भी पक्षियों को पकड़कर बाद में जंगल में छोड़ दिया। वन विभाग ने शिकार-रोधी दस्ता और कर्मचारियों के साथ मिलकर केवल 26 पक्षियों को बचाया, जिनमें 16 हैदराबाद के आसपास और 10 सिद्दीपेट से थे। वन विभाग के ओएसडी शंकरन ने बताया कि अन्य रिपोर्टों की प्रतीक्षा की जा रही है और उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी जिन्होंने पक्षियों की तस्वीरें ऑनलाइन पोस्ट कीं। हालांकि राज्य पक्षी की संख्या में तीव्र गिरावट की रिपोर्ट बार-बार आई है, इसके संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास अभी तक नहीं किए गए हैं।

मुख्यमंत्री के डीएनए बयान पर विवाद

कांग्रेस और अन्य नेताओं ने रेवंत रेड्डी की टिप्पणी की आलोचना की

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा बिहार के लोगों के डीएनए को लेकर की गई विवादास्पद टिप्पणी पर कांग्रेस सहित कई राजनीतिक और सामाजिक वर्गों ने आपत्ति जताई है।

एनएसयूआई के एआईसीसी प्रभारी कन्हैया कुमार ने एक टेलीविजन साक्षात्कार में कहा कि ऐसे बयान देना अनुचित है और दूसरों को अपमानित करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे बयान देने वाला व्यक्ति किसी भी पार्टी से हो, उनकी आलोचना जारी रहेगी। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कन्हैया ने कहा कि ऐसे बयान असभ्य और बदतमीज हैं। रेवंत रेड्डी की टिप्पणी से बिहार में गुस्सा भड़क गया है और कई नेताओं ने मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना की है। प्रशांत किशोर पहले ही अगले तेलंगाना चुनावों में कांग्रेस को मजबूत करने के प्रयास में लगे हैं।

तेजा देति दुबई में पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित

खम्मम, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम के युवा उद्यमी श्री तेजा देति को दुबई में आयोजित पॉलीनेक्स्ट कॉन्फ्रेंस-2025 में 'प्लास्टिक रीसाइक्लिंग में उत्कृष्टता और स्थिरता लीडर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। श्री तेजा ने 2022 में रेनावर्ट रिसाइक्लर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और 2023 में विस्तार लीफ की स्थापना की। विस्तार लीफ विवाह और समारोहों में उपयोग होने वाले पर्यावरण-अनुकूल पत्ते की प्लेट और कटोरे बनाती है, जबकि रेनावर्ट ई-कचरे का प्रबंधन और पुनर्चक्रण करता है।

विस्तार लीफ स्थानीय ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं को रोजगार देती है और पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए उत्पाद बनाती है। कंपनी ब्यूटिया मोनोस्पर्मा और बौहिनिया वाह्ली के पत्तों से डिनरवेयर बनाती है और शून्य-अपशिष्ट नीति अपनाती है। रेनावर्ट का उद्देश्य ई-कचरे से धातुओं जैसे संसाधनों को पुनःप्राप्त करके सतत भविष्य बनाना है। हर साल लगभग 4,500 टन पुनर्चक्रित सामग्री विनिर्माण कंपनियों को बेचकर इस्तेमाल की जाती है। श्री तेजा ने कहा कि पुरस्कार उनके माता-पिता के साथ साझा करना उनके लिए गर्व का अवसर है। उन्होंने खम्मम यूथ एसोसिएशन (केवाईए) की स्थापना भी की है और कहा कि उनका स्टार्टअप भारतीय परंपरा और अंतर्राष्ट्रीय मांग को जोड़ते हुए सतत विकास लक्ष्यों और आत्मनिर्भर भारत मिशन के अनुरूप काम करता है।

डीजीपी शिवधर ने भट्टी विक्रमार्क से मुलाकात की

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नवनियुक्त डीजीपी शिवधर रेड्डी और एडीएल डीजी इंटेलिजेंस विजय कुमार ने शनिवार को प्रजा भवन में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर, विक्रमार्क ने उन्हें नई जिम्मेदारियां संभालने पर बधाई दी। उन्होंने उन्हें लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी।

पालकुर्ती कांग्रेस नेता बीआरएस में शामिल

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व संयुक्त वारंगल जिले के पालकुर्ती विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को लगातार असफलताओं का सामना करना पड़ रहा है, जहां कई स्थानीय नेता विपक्षी बीआरएस पार्टी में शामिल हो गए हैं। ताजा घटनाक्रम में, पालकुर्ती कांग्रेस महिला अध्यक्ष तारा हस्तम ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और पूर्व मंत्री एर्राबेली दयाकर राव की उपस्थिति में बीआरएस में शामिल हो गईं। ओयू नेता पृथ्वी रेड्डी और निर्मला गांव, देवरुप्पुला मंडल के कई कांग्रेस कार्यकर्ता भी बीआरएस में शामिल हो गए।

लंदन में एनुगु महेंद्र रेड्डी का निधन

जगतियाल, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिपल्ली के एनुगु महेंद्र रेड्डी (26) का लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह मेडिपल्ली मंडल कांग्रेस अध्यक्ष एनुगु रमेश रेड्डी के पुत्र थे।

महेंद्र दो साल पहले उच्च शिक्षा के लिए लंदन गए थे और स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी और वर्क वीजा प्राप्त किया था। उनकी अचानक मृत्यु से परिवार में शोक का माहौल है।

सरकारी सचेतक और वेमुलवाड़ा विधायक श्री श्रीनिवास सहित अन्य नेताओं ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

एससीआर ने विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत 'अमृत संवाद' का शुभारंभ किया

महाप्रबंधक, एससीआर ने बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से साथ बातचीत की

हैदराबाद , 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक विशेष अभियान 5.0 के एक भाग के रूप में अमृत संवाद कार्यक्रम बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों और रेल उपयोगकर्ताओं के साथ बातचीत की। सुश्री इति पांडे, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, डॉ. आर. गोपालकृष्णन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और

जन सहभागिता और सेवा सुधार के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को पुष्ट किया। सत्र के दौरान, यात्रियों ने यात्री सुविधाओं में सुधार, जैसे स्वच्छता, एस्केलेटर पहुँच और ऑन-बोर्ड खानपान सेवाओं पर प्रतिक्रिया साझा की। श्री श्रीवास्तव ने इन चिंताओं का प्रत्यक्ष रूप से समाधान किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि बेगमपेट, अमृत स्टेशन पहल के तहत पुनर्विकास किए जाने वाले प्रमुख स्टेशनों में से एक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सुरक्षा, स्वच्छता, स्टेशन की सफाई, पेयजल सुविधाओं और खानपान से संबंधित सुझावों पर अमल किया जाएगा ताकि समग्र यात्री अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। महाप्रबंधक ने स्टेशनों और ट्रेनों की सफाई में सुधार और अतिरिक्त जनरल कोच उपलब्ध कराने के लिए की गई पहलों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे अमृत संवाद अभियान चलाकर यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान करने में जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए प्रतिक्रिया देने और समाधानों पर नज़र रखने के लिए रेल वन ऐप को एक मूल्यवान उपकरण के रूप में उपयोग करें। हुप्पुगुडा और फलकनुमा स्टेशनों पर भी अमृत संवाद अभियान चलाए गए, जहाँ रेल उपयोगकर्ताओं को जनहित में की गई विभिन्न पहलों के बारे में बताया गया। प्रतिक्रियाएँ सक्रिय रूप से ली गईं और जनता ने इंटरैक्टिव अभियानों के माध्यम से यात्रियों और रेल उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं को पूरा करने हेतु यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए रेलवे के प्रत्यक्ष जुड़ाव दृष्टिकोण की सराहना की। इस बीच, काकीनाडा टाउन स्टेशन पर अमृत संवाद कार्यक्रम में मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) के सदस्यों और यात्रियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुझावों में कोच इंडिकेशन बोर्ड, ट्रेनों की समयबद्धता, लिफ्ट, शिशु आहार कक्ष और ट्रेनों की आवृत्ति में वृद्धि शामिल थी। यात्रियों ने कर्मचारियों के सौजन्य और सुरक्षा बनाए रखने में रेलवे सुरक्षा बल की भूमिका की सराहना की। गो ग्रीन पहल के तहत, महाप्रबंधक ने रेल उपयोगकर्ताओं को जूट के बैग वितरित किए, जिससे दक्षिण मध्य रेलवे की स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता और मजबूत हुई। इससे पहले, सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आर. गोपालकृष्णन ने स्वागत भाषण देते हुए बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

मंत्री तुम्मला ने केंद्र से कपास किसानों की समस्याओं के समाधान का आग्रह किया

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगानचा के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कपास खरीद निविदाओं में जिनिंग मिलों की भागीदारी न होने के बाद कपास किसानों की चिंताओं से केंद्र सरकार को अवगत कराया है। मंत्री तुम्माला के निर्देशों पर अमल करते हुए, राज्य के अधिकारियों ने 1 अक्टूबर को दिल्ली में केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के साथ भारतीय कपास निगम (सीसीआई) की खरीद पर चर्चा की। केंद्र सरकार ने इस वर्ष कुछ छूटों के साथ दो नए नियमों को लागू करने पर सहमति व्यक्त की है। हाल ही में, मंत्री तुम्माला ने जिनिंग मिलों के प्रतिनिधियों और सीसीआई के प्रबंध निदेशक के साथ एक बैठक बुलाई और विपणन अधिकारियों को कपास की बिक्री शुरू करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। भारी बारिश से कपास की फसल को हुए नुकसान पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर किसानों को इस कठिन समय में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तो सरकार चुप नहीं बैठेगी। तेलंगाना में 43.29 लाख एकड़ में कपास की खेती होती है, जिसका अनुमानित उत्पादन इस वर्ष 24.70 लाख क्विंटल है।

कपास के समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के लिए मंत्री तुम्माला की अध्यक्षता में 12 सितंबर को सीसीआई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और जिनिंग मिल मालिकों के साथ एक पूर्व बैठक हुई थी। इस बैठक में सीसीआई के एल1 और एल2 आवंटन स्लॉट बुकिंग, क्षेत्र मानचित्रण और अन्य खरीद प्रावधानों में लिंट प्रतिशत पर चर्चा हुई। वर्तमान में, तेलंगाना में 341 जिनिंग मिलें हैं। तेलंगाना कॉटन मिलर्स एंड ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने अनुरोध किया कि सीसीआई द्वारा 29 सितंबर, 2025 को जारी एल1 स्लॉट बुकिंग क्षेत्र मानचित्रण के लिए लिंट प्रतिशत की सावधानीपूर्वक समीक्षा की जाए और पिछले सीज़न की नीति को इस वर्ष लागू किया जाए। मंत्री तुम्माला ने केंद्र सरकार के समक्ष मामले की गंभीरता दोहराते हुए शीघ्र समाधान का अनुरोध किया। दिल्ली में हुई चर्चाओं के दौरान, विपणन अधिकारियों ने नए नियमों के तहत संभावित खरीद चुनौतियों पर प्रकाश डाला, लेकिन केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए छूट का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि लिंट प्रतिशत का निर्धारण और अद्यतन हर 15 दिनों में किया जाएगा।

CLASSIFIEDS

Share Market and stock trading

Learn Advance Option chain for dot to dot Reversal,entry & exit levels,& become a self reliant trader,details,Phone.9848922664

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

AGRASEN BANK
Estd.1998

We cordially invite you for the Inauguration Ceremony of

6th ATM CENTRE
Banjara Hills Branch
5th October 2025, Sunday
at 11:00 A.M.
M. No. 8-2-630/B/1/1, Ground Floor, Mount Banjara, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad -500034

Chief Guest

Sri Narender Kumar Goyal
Industrialist & Philanthropist

Board of Directors

Pramod Kumar Kedia
Chairman

CA. Naveen Kumar Agarwal — Senior Vice Chairman
Narayan Dutt — Chairman-BoM
Suresh Kumar Agarwal — Vice Chairman

Directors
Narsing Das, Mahesh Kumar Agarwal, Apoorva Agarwal, Mohan Agarwal, Rajesh Kumar Agarwal, Bajrang Prasad Gupta, Gopal Chand Agarwal, Anju Kedia, CA. Pankaj Kumar Agarwal

C V Rao — General Manager / CEO
Anand Agarwal — Dy. General Manager
Ramesh Bajaj — Branch Manager

GOLD LOANS Available @ 9.00% * P.A.

& all the Staff Members of Agrasen Bank

Crossed ₹1100 crores Business 30-09-2025

* Condition Apply

one more branch opening at MADHAPUR in the month of October 2025

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
www.agrasenbank.in info@agrasenbank.in

BRANCHES

Siddiamber Bazar : 9281021411
Malakpet : 9281021412
Rikab Gunj : 9281021413
Secunderabad : 9281021414
Attapur : 9281021417
Himayatnagar : 9281021416
Banjara Hills : 9281021415
Ameerpet : 9281021419
Gagan Pahad : 9281021420
Kukatpally : 9281021418

captionz.biz

सपा की पीडीए पाठशाला पर राजभर का तंज

बोले-यहां 'ए' से अखिलेश और 'डी' से डिंपल पढ़ाते हैं

लखनऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)।लखनऊ में समाजवादी पार्टी की 'पीडीए पाठशाला' पर यूपी के मंत्री ओपी राजभर ने तंज कसा। उन्होंने कहा, ये किस पीडीए की बात कर रहे हैं? पीडीए का मतलब है 'परिवार विकास प्राधिकरण'। इन लोगों ने 'पीडीए पाठशाला' शुरू की है, जहां वे ए से 'अखिलेश', डी से 'डिंपल' और पी से 'परिवार' पढ़ाते हैं। राजभर, प्रजापति, पाल, चौहान, लोहार, विश्वकर्मा, निषाद, बिंद, केवट, मल्लाह, कश्यप, अरकवंशी, बंजारा, बहेलिया, मौर्य, सैनी, माली, कुशवाहा कहां जाएंगे? किस्मत के नाम पर पिछड़ों का खून चूसा गया है। अब ये नहीं चलेगा।

बरेली में सपा डेलीगेशन की 'नो एंट्री': माता प्रसाद हाउस अरेस्ट

एमपी बर्क के घर पुलिस; इकरा और मलिक को भी रोका

लखनऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद हालात तनावपूर्ण हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय समेत कई सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल आज बरेली जाने वाला था। लेकिन बरेली के जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस आयुक्त लखनऊ और अन्य जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि बिना इजाजत के कोई भी राजनीतिक प्रतिनिधि बरेली नहीं आएगा। इस पत्र के बाद पुलिस अलर्ट हो गई। इसको लेकर पुलिस नेता प्रतिपक्ष को नोटिस दिया साथ ही उनके आवास पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। सोमवार सुबह से ही लखनऊ में नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडे के आवास के बाहर भारी पुलिस तैनाती है। माता प्रसाद पांडेय को हाउस अरेस्ट कर लिया है। हालांकि वह आवास के बाहर आए और गाड़ी में बैठने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें पुलिस ने रोक लिया। वहीं, सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर के बाहर पुलिस बल तैनात है। धर, बरेली जा रहे समाजवादी पार्टी के एक सांसद प्रतिनिधिमंडल, जिसमें मोहिबुल्लाह नदवी, इकरा हसन और हरेंद्र सिंह मलिक शामिल थे, को यूपी पुलिस ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर गाजीपुर सीमा पर रोक दिया है। सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा कि हमें बरेली जाने से रोका जा रहा है। यह असंवैधानिक है।।। भाजपा सरकार पहले लोगों पर बहुत अत्याचार करती है और फिर उसे छुपाने की कोशिश करती है।

'पता नहीं यूपी सरकार अपनी कौन सी काली करतूत छुपाना चाहती है?'

सपा सांसद इकरा हसन कहती हैं, हमें समझ नहीं आ रहा कि अघोषित आपातकाल में हमें किस बिनाह पर रोका जा रहा है। हम प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि वह हमारे साथ चले। हम कुछ भी छिपाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई एजेंडा नहीं है।।। पता नहीं यूपी सरकार अपनी कौन सी काली करतूत छुपाना चाहती है कि हमें बरेली नहीं जाने दे रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता और सपा विधायक माता प्रसाद पांडे ने शनिवार को कहा कि पुलिस ने उन्हें और समाजवादी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल को बरेली जाने से रोक दिया है, जहां हाल ही में हुए आई लव मोहम्मद विवाद के बाद बवाल हुआ था।

'अगर कलेक्टर ने लिखा होता, तो मैं मान लेता'

नेता प्रतिपक्ष पांडे ने कहा कि स्थानीय पुलिस ने उन्हें एक नोटिस दिया है, जिसमें उन्हें घर पर ही रहने और बरेली न जाने का निर्देश दिया गया है। मेरे नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल वहां (बरेली) जा रहा था। उन्होंने कहा कि पत्र अगर कलेक्टर ने लिखा होता, तो मैं उसे स्वीकार कर लेता। फिर, बरेली के डीएम का एक पत्र आया है। उन्होंने यह भी कहा कि आपके आने से यहां का माहौल खराब होगा, इसलिए आपको यहां नहीं आना चाहिए। पांडे ने आगे कहा कि अपनी कमियों को छिपाने के लिए, वे हमें वहां नहीं जाने दे रहे हैं। अब हम अपनी पार्टी सदस्यों से बात करेंगे और उसके अनुसार निर्णय लेंगे। पार्टी के नेताओं का कहना है कि प्रशासन उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रहा है। वहीं पुलिस का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। प्रतिनिधिमंडलीय यात्रा के दौरान जनसमस्याओं को मंच पर उठाया जाएगा।

बरेली में अशांति के मद्देनजर प्रशासन ने 2 अक्तूबर दोपहर 3 बजे से 4 अक्तूबर दोपहर 3 बजे तक 48 घंटों के लिए मोबाइल इंटरनेट और ब्रॉडबैंड सेवाओं को निलंबित कर दिया था। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि अभी तक कोई समस्या उत्पन्न नहीं हुई है। यहाँ किसी भी तरह की कोई अव्यवस्था नहीं है। हर जगह पुलिस तैनात है।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने 26 सितंबर को बरेली में हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव नफीस खान और उनके बेटे फरमान खान को गिरफ्तार किया है, जिससे इस मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या 81 हो गई है। पुलिस के अनुसार, फरमान आईएमसी का फेसबुक पेज संभालता था। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने बताया कि नफीस और उसके बेटे ने खुलासा किया कि सभी लोग साजिश में शामिल थे।

सपा सांसद हरेंद्र मलिक को गाजीपुर बॉर्डर पर रोका, बरेली जा रहे थे पुलिस ने नहीं दी अनुमति

मुजफ्फरनगर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर जनपद से समाजवादी पार्टी के सांसद हरेंद्र मलिक को शनिवार को गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस ने रोक लिया। वे बरेली किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, सांसद के वाहन को रोकने के बाद पुलिस ने उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी। इस दौरान मौके पर हल्का तनाव भी देखने को मिला। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए सुरक्षा कारणों का हवाला दिया। सपा नेताओं ने इसे जनप्रतिनिधि की आवाज़ दबाने की कोशिश बताया, जबकि पुलिस प्रशासन का कहना है कि यह कदम केवल एहतियातन उठाया गया।

'चिंगारी लगा रहे हैं अखिलेश यादव'

सपा नेताओं के बरेली आने का इस मौलाना ने किया विरोध

बरेली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को पुलिस प्रशासन ने आज शनिवार (4 अक्टूर) बरेली आने से रोक दिया। जिसका ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सपा नेता बरेली को संभल बनाना चाहते हैं लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। बरेलवी ने समाजवादी पार्टी जब भी कहीं जाती है तो शोर मचाती है।।ढोल-नगाड़ों बजाने के साथ जाती हैं। इनके दिलों में न तो प्यार है और न ही सेवा का भाव है। इन्हें पता है कि बरेली में अमन-चैन बहाल हो गया है और अब ये लोग इस अमन-चैन को अशांति में बदलने आ रहे हैं।

सपा के प्रतिनिधिमंडल का विरोध

मौलाना ने कहा कि ये स्थानीय मुद्दा है, स्थानीय लोग इसे सुलझा लेंगे। हम इसका हल निकालने की कोशिश कर रही हैं। मैं समाजवादी पार्टी के सभी नेताओं से कहना चाहता हूँ कि हम बरेली को संभल नहीं बनने देंगे। पुलिस और प्रशासन को भी बाहरी लोगों को यहां आने से रोके ताकि इलाके की शांति खतरे में न पड़े। उन्होंने कहा कि ये लोग (सपा नेता) यहां आएंगे बरेली में अभी सुकून और शांति है। ये यहां आकर अशांति फैलाएंगे। ये चाहते हैं कि जिस तरह से सँभल में घटनाएं हुईं। वैसे ही बरेली को संभल बना दें। लेकिन, हम ये हरगिज नहीं होने देंगे। ये बरेली हमारे भाई-चारे और गंगा-जमुनी तहज़ीब का संगम हैं। इसलिए मेहरबानी करके सपा के लोग बरेली का रुख न करें और अपनी सियासत चमकाने के लिए कहीं और जाएं।

समय पर दफ्तर नहीं पहुंचे नौ कर्मचारी, मंडलायुक्त संगीता सिंह ने जताई नाराजगी

अलीगढ़, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंडलायुक्त संगीता सिंह ने सुबह कमिश्नरी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। विभिन्न अनुभाग व कार्यालय के नौ कर्मचारी अनुपस्थिति पाए गए। मंडलायुक्त ने नाराजगी जताते हुए अधिकारी व कर्मचारियों को सुबह 10 बजे तक हर हाल में कार्यालय में उपस्थिति होने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने सुबह 10:29 बजे कार्यालय व नजारत अनुभाग की उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया। अपर आयुक्त प्रशासन कार्यालय के पेशकार जितेंद्र सिंह, आयुक्त कार्यालय के पेशकार अरुण प्रताप सिंह, अपर आयुक्त प्रथम के पेशकार रोहित शर्मा, शिकायत सहायक छाया चौहान, न्यायालय की अलहमद पूनम, आदेश वाहक रामू सक्सेना, कार्यालय सहायक दीक्षा गौड़, आदेश वाहन भानु प्रताप व विवेक कुमार अनुपस्थित मिले।

संभल में मुस्लिम पक्ष को झटका

मस्जिद ध्वस्तीकरण मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

प्रयागराज, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल में तालाब और सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद के मामले में मस्जिद कमेटी को झटका दिया है। कोर्ट ने उनकी याचिका निरस्त करते हुए ट्रायल कोर्ट में अपील करने का निर्देश दिया है। कोर्ट में छुट्टी के बावजूद अर्जेंट बेंच में जस्टिस दिनेश पाठक की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई की। बेंच ने मस्जिद शरीफ गोसुलबारा रावां बुजुर्ग और उसके मुतवल्ली मिंजर की ओर से दाखिल याचिका को खारिज कर दी। सुबह 10 बजे शुरू हुई सुनवाई में मस्जिद कमेटी की ओर से अधिवक्ता अरविंद कुमार त्रिपाठी और शशांक श्री त्रिपाठी ने पक्ष रखा।

याचिका में मस्जिद, बारात घर और अस्पताल के खिलाफ पारित ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। दावा किया कि बिना ध्वस्तीकरण आदेश के कार्रवाई शुरू की गई, जिसके बाद कोर्ट ने हस्तक्षेप किया और संबंधित आदेश मांगे गए। शुक्रवार की सुनवाई में कोर्ट ने मस्जिद की जमीन से जुड़े दस्तावेज भी मांगे थे, जो शनिवार को पेश किए गए।

संभल प्रशासन ने 2 अक्टूबर को शुरू की बुल्डोजर कार्रवाई

बता दें कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और दशहरे के दिन संभल प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की, जिसमें बारात घर को तालाब की जमीन पर अवैध निर्माण मानते हुए ध्वस्त कर दिया गया। मस्जिद का भी कुछ हिस्सा सरकारी जमीन पर होने का दावा है, जबकि मस्जिद कमेटी ने अवैध हिस्से को खुद हथौड़े से तोड़ना शुरू कर दिया है। मस्जिद की तरफ से याचिका में दलील दी गई कि बुलडोजर कार्रवाई के दौरान भीड़ जमा होने से बड़ा हादसा या बवाल हो सकता था, लेकिन प्रशासन ने इसे अनदेखा किया।

कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सुनाया फैसला

कोर्ट ने दोनों पक्षों मस्जिद कमेटी और राज्य सरकार की दलीलें सुनने के बाद मस्जिद कमेटी की याचिका निस्तारित कर दी। राज्य सरकार की ओर से चीफ स्टैंडिंग काउंसिल जे एन मौर्या और स्टैंडिंग काउंसिल आशीष मोहन श्रीवास्तव ने तर्क दिया कि जमीन सरकारी और तालाब की है, जहां अवैध निर्माण हुआ है। कोर्ट ने मस्जिद पक्ष को ट्रायल कोर्ट में अपील की सलाह देते हुए कोई अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया।

सरकार और अधिकारियों को बनाया था पक्षकार

मस्जिद कमेटी ने अपनी याचिका में प्रदेश सरकार, डीएम व एसपी संभल, एडीएम, तहसीलदार और ग्राम सभा को पक्षकार बनाया है। मस्जिद पक्ष का आरोप है कि बिना उचित नोटिस के ध्वस्तीकरण शुरू किया गया, जबकि प्रशासन का कहना है कि कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत हो रही है। हाईकोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया और निचली अदालत को आगे की कार्रवाई का निर्देश दिया।

बैंक से न लोन मिला और न नौकरी

आरोपितों में एसबीआई की महिला कर्मी भी शामिल, मुकदमा दर्ज

मेरठ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कंकरखेड़ा की एसबीआई शाखा में एक युवक की नौकरी लगवाने और दूसरे युवक को लोन दिलवाने के नाम पर 5.59 लाख रुपये की ठगी का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित ने एसएसपी दफ्तर पर प्रकरण में ज्ञापन दिया। जिसके बाद कंकरखेड़ा थाने में नौकरी के नाम पर ठगी के आरोप में तीन आरोपितों पर नामजद केस दर्ज हुआ है। आरोपितों में बैंक की एक महिला कर्मचारी भी है। पुलिस आरोपों की जांच पड़ताल में जुट गई है। लिसाड़ी गेट क्षेत्र में अहमदनगर निवासी जीशान खान पुत्र नफीस अहमद की तहरीर पर कंकरखेड़ा थाने में शुक्रवार को केस दर्ज हुआ है। जिसमें जीशान ने बताया कि कंकरखेड़ा में न्यू गोविंदपुरी निवासी आजाद भारती उर्फ राहुल राणा से उसकी दोस्ती थी। जीशान नौकरी की तलाश में था। आजाद भारती की पत्नी सुषमा राठी एसबीआइ की कंरकखेड़ा शाखा में कार्यरत है। आरोप है कि आजाद ने जीशान की नौकरी अपनी पत्नी के माध्मय से बैंक में लगवाने का आश्वासन दिया। नौकरी के बदले कुछ रुपये देने की बात जीशान से कही। इसी दौरान जानी क्षेत्र में भोला रोड निवासी शाहनवाज की आजाद भारती से मुलाकात जीशान के माध्यम से हुई थी। शाहनवाज को बैंक से लोन लेना था।

आरोपित दंपती ने दोनों का काम कराने का आश्वासन दिया। जीशान का आरोप है कि शाहनवाज ने 1,59,700 रुपये आजाद को दिए, जबकि जीशान ने तीन लाख रुपये आनलाइन और एक लाख रुपये कैश दिया। उसके बाद न तो लोन मिला और न ही नौकरी। पीड़ित जीशान ने मामले में प्रार्थना पत्र एसएसपी कार्यालय में दी, जिसके आधार पर शुक्रवार को कंकरखेड़ा थाने में आरोपित आरोपित आजाद भारती व सुषमा राठी निवासी गोविंदपुरी और जितेंद्र कुमार के खिलाफ नामजद केस दर्ज हुआ।

प्रिय पति देव,पवन सिंह के चुनाव लड़ने की चर्चाओं के बीच पत्नी ज्योति सिंह का भावुक पोस्ट

भोजपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार और बीजेपी से विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चाओं के बीच उनकी पत्नी ज्योति सिंह का भावुक इंस्टाग्राम पोस्ट सुर्खियों में है। इस पोस्ट के सामने आने के बाद सियासी और निजी जीवन दोनों ही मोर्चों पर पवन सिंह को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। ज्योति सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पवन सिंह के नाम एक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा कि प्रिय पतिदेव श्री पवन सिंह जी, मैं कल आपसे एवं आपके परिवार से मिलने आपके लखनऊ निवास स्थान आ रही हूं। मुझे उम्मीद ही नहीं, पूरा विश्वास है कि आप मुझसे जरूर मिलेंगे। अगर आप कहीं और होंगे तो मैं दो दिन तक आपका इंतजार करूंगी। या फिर जहां भी आप बुलाएंगे, वहां पहुंच जाऊंगी। कई महत्वपूर्ण बातें और निर्णय हमें साथ बैठकर करने हैं। कृपया मुझसे जरूर मिलिएगा। इस भावुक पोस्ट के बाद से सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। ज्योति सिंह पहले ही दावा कर चुकी हैं कि वे 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। हालांकि, वे किस दल से चुनाव मैदान में उतरेंगी, इस पर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। दूसरी तरफ पवन सिंह के बीजेपी से चुनाव लड़ने की अटकलें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में पति-पत्नी दोनों के राजनीति में उतरने के संकेत को लेकर लोगों में जिज्ञासा और बहस छिड़ गई है। गौरतलब है कि पवन सिंह और ज्योति सिंह का तलाक का मामला कोर्ट में लंबित है। इसके बावजूद ज्योति का यह कदम और पोस्ट यह दर्शाता है कि वे अब भी अपने रिश्ते को लेकर गंभीर हैं। राजनीतिक पृष्ठभूमि में देखा जाए तो यह बयान आगामी चुनावी समीकरणों को भी प्रभावित कर सकता है।

राजनीतिक गलियारों में यह सवाल उठ रहा है कि अगर पवन सिंह और ज्योति सिंह अलग-अलग दलों से चुनाव लड़ते हैं, तो क्या यह निजी विवाद सियासी टकराव में भी बदल जाएगा? वहीं, ज्योति का यह भावुक संदेश कहीं न कहीं यह संकेत भी देता है कि वे निजी जीवन में रिश्तों को सुधारने की कोशिश कर रही हैं। पवन सिंह के बीजेपी से जुड़ने की संभावना और ज्योति सिंह के चुनावी दावों के बीच यह इंस्टाग्राम पोस्ट निजी रिश्तों से लेकर सियासी मैदान तक, दोनों जगह हलचल मचा रहा है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या पवन सिंह अपनी पत्नी से मुलाकात करेंगे या यह विवाद और गहराएगा।

3 घंटे में 50 के बदले 70 लाख का लालच

पैसे नहीं मिलने पर कंपनी मैनेजर का अपहरण

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीघा थाना क्षेत्र में संचालित एक कंपनी ने तीन घंटे में 50 लाख के बदले आरटीजीएस से 70 लाख रुपये देने का झांसा दिया, लेकिन पैसे देने वाले लोगों को रुपये नहीं मिले। रुपये नहीं लौटने पर पैसे देने वालों ने कंपनी के मैनेजर सचिन कुमार को अगवा कर लिया। उन्हें शास्त्री नगर के पटेल नगर स्थित एक होटल में बंधक बना लिया। मारपीट कर जमा किये गए रुपये की मांग उनके स्वजनों से करने लगे। सचिन उत्तर प्रदेश के नोएडा का निवासी है। स्वजनों ने सचिन के अगवा होने की सूचना नोएडा पुलिस को दी। नोएडा पुलिस ने बिहार पुलिस से सम्पर्क किया। दीघा थाने की पुलिस व बिहार एसटीएफ ने तकनीकी जांच कर बंधक बनाए गए मैनेजर को होटल से मुक्त करा लिया।

पीड़िता और आरोपितों से हुई पूछताछ के बाद मामला अपहरण से धोखाधड़ी में बदल गया। डीएसपी विधि व्यवस्था-2 मोहम्मद मोहिबुल्ला अंसारी ने बताया कि जांच के बाद आरोपितों को नोटिस देकर छोड़ दिया गया है। यह धोखाधड़ी का मामला है। अभी छानबीन जारी है। पुलिस की मानें तो दीघा में राधा दामोदर इंटरप्राइजेज नाम की कंपनी में सचिन कार्य करते हैं।

एक ही सांप ने ली देवरानी-जेठानी की जान, गांव में खौफ का माहौल

जालौन, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन जनपद में गोहन थाना क्षेत्र के गांव कुदकपुरा में बीते एक सप्ताह में देवरानी और जेठानी की सांप के काटने से हुई मौत के कारण दहशत फ़ैल गयी है। परिजनों के साथ ही पूरे गांव वाले सांप के खौफ में जी रहे हैं। कुछ लोगो ने इसे कोई अभिशाप बताया तो कुछ और। फिलहाल जागरूक ग्रामीणों ने प्रशासन से वन विभाग से कहकर सांप पकडवाने की अपील की है। उधर एक ही परिवार की दो महिलाओं की मौत से पूरे परिवार का बुरा हाल है। ग्रामीणों ने नीचे सोना छोड़ दिया है और छतों पर सो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 30 सितम्बर मंगलवार की रात को आरती (30 वर्ष) पत्नी पिंटू प्रजापति अपने घर में सो रही थी। अचानक जहरीले सांप ने उसे डस लिया। जब परिवारजन को इसकी जानकारी हुई तो आनन-फानन में उसे उरई मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आरती अपने पीछे दो बेटे और एक बेटी छोड़ गई। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और गांव में सनसनी फैल गई। आरती की मौत से परिवार संभल भी नहीं पाया था कि केवल उसी परिवार की कृष्णा कुमारी (35 वर्ष) पत्नी अरविंद को भी रात में सोते समय उसी सांप ने काट लिया। सांप के डसने का आभास होते ही कुछ ही देर में वह बेहोश हो गई। परिजनों ने उसे पहले झाड़-फूंक कराने के लिए गोरा भूपका ले गए, लेकिन हालत बिगड़ने पर उरई मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। कृष्णा कुमारी अपने पीछे दो पुत्र अनुराग (12), अंशुल (14) और पुत्री निहारिका (9) छोड़ गई। लगातार हुई इन दोनों मौतों से पूरे गांव में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों ने बताया कि यह घटना उन्होंने पहली बार देखी है, जब एक ही सांप ने एक ही परिवार के दो लोगों की जान ली।

मीठापुर सब्जी मंडी के पास भारी बारिश के कारण सड़क धंसी, 2 गाड़ियां फंसी, ट्रैफिक रुका

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना में मानसून बीतने के बाद भी बारिश का कहर जारी है। इस बीच भारी बारिश के चलते मीठापुर सब्जी मंडी के पास की सड़क भारी बारिश के बीच अचानक धंस गई। इस दौरान दो गाड़ियां फंस गईं। इस सड़क पर फिलहाल यातायात को रोक दिया गया है। इस बीच पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन सड़क धंसने वाली जगह पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

शनिवार को हुई भारी बारिश ने शहर के जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया। मीठापुर मीठापुर सब्जी मंडी में सड़क तेज बारिश की वजह से धंस गई। इस दौरान इस सड़क से गुजर रही दो गाड़ियां फंस गई और आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया। बताया जा रहा है कि करीब तीन साल पहले इस सड़ का निर्माण हो हुआ था। वहीं भारी बारिश से शहर के निचले हिस्सों में भी जल जमाव हो गया जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं।

बायपास से सटा आबादी का इलाका एक बार फिर जलमग्न हो गया। गली-मोहल्लों में पानी भरने से आम जनता परेशान है। बुडको और नगर निगम के कर्मचारी सुबह से जल निकासी के काम में जुटे हुए हैं। राजधानी के अलग-अलग इलाकों के लिए क्यूआरटी एक्टिव कर दी गई है।

तुम मुस्लिम हो तुम्हें नहीं देखूंगी

जिला अस्पताल में शमा परवीन का इलाज करने से किया गया इनकार?

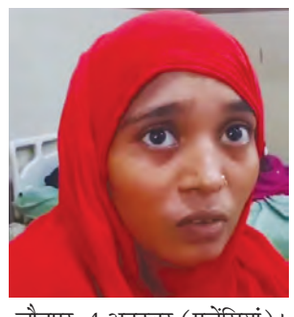

जौनपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जौनपुर के जिला अस्पताल से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज ने डॉक्टर पर धर्म के आधार पर इलाज से इनकार करने का आरोप लगाया है। मरीज शमा परवीन का दावा है कि लेबर पेन के दौरान ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उन्हें और एक दूसरी मुस्लिम महिला को यह कहते हुए देखने से मना कर दिया कि वे मुसलमान हैं। सोशल मीडिया पर इस दावे का वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जौनपुर के चंदवक क्षेत्र की रहने वाली 27 साल की शमा परवीन को लेबर पेन होने पर जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

शमा परवीन ने बताया कि 30 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने सीधे तौर पर कहा कि वह दोनों मुस्लिम महिलाओं को नहीं देखेंगी। आरोप है कि इस दौरान कथित तौर पर डॉक्टर ने स्टाफ को भी निर्देश दिया कि 'इसको ऑपरेशन थिएटर में मत ले जाना, इसको मैं नहीं देखूंगी।' मोहम्मद नवाज ने भी कहा कि डॉक्टर ने साफ निर्देश दिए कि 'महिला मुसलमान है इसको कहीं और लेकर चले जाओ, हम नहीं देखेंगे।' उन्होंने यह भी बताया कि उसी वार्ड में अन्य सभी मरीजों को डॉक्टर ने देखा। लेकिन केवल दो मुस्लिम महिलाओं का इलाज करने से मना कर दिया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, अस्पताल प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया।

जिला महिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महेंद्र गुप्ता ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आ गया है। संबंधित डॉक्टर और स्टाफ से इस संबंध में जवाब मांगा गया है। फिलहाल इस पूरे मामले पर जांच जारी है। यह देखना बाकी है कि महिला मरीज के इन गंभीर आरोपों पर अस्पताल प्रशासन की जांच में क्या निकलकर सामने आता है और दोषी पाए जाने पर क्या कार्रवाई की जाती है।

अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़
पाक हैंडलर से जुड़े दो तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस बड़ी कार्रवाई करते हुए सीमा पार (पाकिस्तान) से हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। मुक्तसर पुलिस ने दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए सीमा पार पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। थाना सिटी मलोट पुलिस ने फिरोजपुर निवासी दो ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके संबंध पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में ड्रोन के जरिए हथियार और ड्रग्स की तस्करी करने वालों से जुड़े हैं।

एसएसपी डॉ। अखिल चौधरी ने बताया कि थाना सिटी मलोट की टीम ने एक आरोपी को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया और पूछताछ के दौरान उसके एक अन्य साथी को भी फिरोजपुर से गिरफ्तार किया गया। इन दोनों के पाकिस्तान स्थित तस्करों से संबंध पाए गए हैं।

ये तस्कर ड्रोन के जरिए हथियारों और ड्रग्स की तस्करी करते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रवि सिंह निवासी गांव छोटा मेगा राय, उत्तर जिला फिरोजपुर और संदीप कुमार उर्फ राजू लंबा निवासी गांव बड़ा मेगा राय, उत्तर जिला फिरोजपुर के रूप में हुई है।

इनके पास से दो नौ एमएम पिस्तौल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। मुख्य आरोपी रवि को मलोट और उसके साथी संदीप को फिरोजपुर जिले से गिरफ्तार किया गया है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि उनके सीमा पार के तस्करों से संबंध हैं, जिनमें हथियारों और ड्रग्स की तस्करी में शामिल एक प्रमुख पाकिस्तान स्थित हैंडलर भी शामिल है।

शादी का झांसा देकर बने रिश्ते पर गुजारा भत्ता नहीं दिला सकती अदालत

हाईकोर्ट ने खारिज की महिला की अर्जी

जम्मू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि शादी का झांसा देकर बने रिश्ते को पति-पत्नी का दर्जा नहीं दिया जा सकता और ऐसे मामले में महिला अपने साथी से गुजारा भत्ता नहीं मांग सकती।अदालत ने यह भी साफ किया कि दुष्कर्म का दोषी करार दिया गया व्यक्ति पीड़िता का पति नहीं माना जा सकता और न ही उस पर पत्नी जैसा दायित्व डाला जा सकता है। मामला कठुआ जिले का है। एक महिला ने अपने साथी पर शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया।

महिला का कहना था कि दोनों करीब दस साल तक साथ रहे और 2016 में उनके यहां बच्चा भी हुआ। साथी के विवाह से साफ इन्कार किया तो उसने दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। अदालत ने सुनवाई के बाद पुरुष को दोषी मानते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत सजा सुनाई। इसके बाद महिला ने अदालत में गुजारा भत्ता की अर्जी दाखिल की। उसका कहना था कि इतने लंबे समय तक साथ रहने और बच्चा होने के कारण उसे पत्नी माना जाए और उसे गुजारा भत्ता दिया जाए। इस पर ट्रायल मजिस्ट्रेट ने महिला की दलील को मानते हुए उसे अंतरिम भत्ता देने का आदेश दिया। कठुआ के प्रधान सत्र न्यायाधीश ने इस आदेश को गलत ठहराते हुए रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि महिला और पुरुष का कानूनी विवाह नहीं हुआ था। गुजारा भत्ता नहीं दिया जा सकता। महिला ने सत्र अदालत के फैसले को चुनौती दी। हाईकोर्ट ने भी उसकी अर्जी खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विनोद चटर्जी कौल ने कहा कि जब किसी पुरुष को महिला की ही शिकायत पर दुष्क्रम का दोषी ठहराया जा चुका है तो दोनों को पति-पत्नी मानना न्यायसंगत नहीं होगा। अदालत ने यह भी कहा कि यदि रिश्ते को पति-पत्नी जैसा माना जाए तो दुष्कर्म का अपराध बनता ही नहीं। अदालत ने यह जरूर स्पष्ट किया कि बच्चे के भरण–पोषण के लिए मिलने वाला खर्च पहले की तरह मिलता रहेगा। यानी महिला को व्यक्तिगत रूप से भत्ता नहीं मिलेगा। बच्चे की देखरेख की जिम्मेदारी पिता पर बनी रहेगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने सभी निचली अदालतों और अपनी दोनों खंडपीठों में लंबित जमानत अर्जियों की त्वरित सुनवाई को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। अदालत ने साफ कर दिया है कि जमानत और अग्रिम जमानत की अर्जी दो महीने के भीतर निपटाई जानी चाहिए। सिवाय उन मामलों के जहां देरी की जिम्मेदारी पक्षकारों की हो। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट ने यह कदम उठाया है।

महिला व बच्चों के विकास पर खर्च हो निकायों के बजट का 10 प्रतिशत हिस्सा
आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा डिजिटलीकरण

देहरादून, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में आधी आबादी किस तरह से सशक्त भूमिका निभा सकती है, इसके लिए उत्तराखंड की ओर से केंद्र के समक्ष व्यापक रोडमैप रखा गया। इस क्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नापूर्णा देवी के साथ हुई वर्चुअल बैठक में राज्य की महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने 20 से अधिक सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय निकायों को मिलने वाले बजट का 10 प्रतिशत हिस्सा महिला व बच्चों के विकास पर खर्च किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री की राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्रियों के साथ हुई बैठक से कैबिनेट मंत्री आर्या सचिवालय से वर्चुअल माध्यम से जुड़ी।

उन्होंने सुझाव दिया कि महिला सशक्तीकरण के लिए तकनीकी कौशलयुक्त वर्कफोर्स तैयार की जानी चाहिए और कार्मिकों की अर्हता में भी तकनीकी कौशल शामिल किया जाना जरूरी है। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली में आमूलचूल बदलाव पर भी जोर दिया और कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका को भी पूरी तरह डिजिटाइज करते हुए और व्यापक व कारगर बनाया जाना चाहिए। उन्होंने यूरोप की तर्ज पर महिला व बाल विकास में महिला कार्यबल की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत तक बढ़ाने, आंगनबाड़ी केंद्रों को डे बोर्डिंग स्कूल के रूप में संचालित करने, गर्भवती महिलाओं की देखभाल व छह वर्ष की आयु तक के शिशुओं के पोषण व शिक्षण कार्य के दृष्टिगत नियमित रूप से शोध एवं सोशल आडिट कराने, आंगनबाड़ी केंद्रों के ग्रेडिंग की व्यवस्था पर बल दिया।

सपा डेलीगेशन को बरेली जाने से रोके जाने पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी

कहा- ये सरकार डरी हुई है

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को बरेली जाने से रोक दिया गया है। जिसके बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी सपा डेलीगेशन को रोके जाने पर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा और कहा कि ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सपा डेलीगेशन को रोके जाने पर कहा कि जिस तरह से उत्तर प्रदेश सरकार डरी हुई और घबराई हुई है और मनमाने ढंग से काम कर रही है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। वे चुने हुए प्रतिनिधि हैं। ये उत्तर प्रदेश की जनता से चुनकर आए लोग है जो उनका नेतृत्व करते हैं कि वो संसद में उनकी बात रखे।

योगी सरकार पर साधा निशाना

आज अगर यूपी के किसी भी हिस्से में हिंसा हो रही है अन्याय हो रहा है, ग़लत काम हो रहा है तो ये उनकी जिम्मेदारी बनती है कि वो उसे देखे। वो कानून-व्यवस्था में खलल नहीं डाल रहे हैं और न गैर क़ानूनी काम कर रहे हैं लेकिन, फिर भी उन्हें रोका जा रहा है यह दुर्भाग्यपूर्ण है। मुझे लगता है कि ये सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह की तानाशाही है, वही यहां दिख रही हैं। यूपी में लोगों को सांत्वना देना, उनके दुख दर्द समझना कब से ग़लत हो गया? क़ानून व्यवस्था खराब करने की बात नहीं है। मुझे उम्मीद है कि उन्हें वहां जाने दिया जाएगा। और इस तरह की पाबंदी चुने हुए प्रतिनिधियों पर न लगाई जाएगी।

सपा डेलीगेशन को बरेली जाने से रोका

बता दें कि यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे के नेतृत्व में आज समाजवादी पार्टी का 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बरेली जाना था, लेकिन पुलिस प्रशासन ने सपा नेताओं को वहां जाने से रोक दिया। इस दौरान माता प्रसाद पांडे को लखनऊ में उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर लिया गया तो वहीं सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को भी संभल में ही रोक लिया गया है। दिल्ली से भी सपा के तीन सांसद इकरा हसन, मोहिबुल्लाह नदवी और हरेंद्र मालिक बरेली के लिए रवाना हो गए थे लेकिन यूपी पुलिस ने उन्हें मेरठ टोल प्लाजा से आगे नहीं जाने दिया और वापस भेज दिया।

अब लेह के एडीसी का डीपफेक वीडियो हुआ वायरल
सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी की झूठी घोषणा

लेह, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। लद्दाख के डीजीपी के बाद अब लेह के एडीसी गुलाम मोहम्मद के नाम पर डीपफेक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें एडीसी को सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी की घोषणा करते हुए दिखाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि यह वीडियो मनगढ़ंत है। इसे छेड़छाड़ कर बनाया गया है। एडीसी की ओर से ऐसा कोई बयान कभी नहीं दिया गया है।

पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फर्जी क्लिप में आरोप लगाया गया है कि वांगचुक को गृह मंत्रालय के आदेश पर गिरफ्तार में लिया गया था। उन पर पाकिस्तानी एजेंट होने का आरोप लगाया गया था। अधिकारियों ने कहा कि इसे डीपफेक तकनीक का उपयोग करके डिजिटल रूप से संशोधित किया गया है। लेह पुलिस के प्रवक्ता ने कहा कि गलत सूचना फैलाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग किया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस छेड़छाड़ किए गए वीडियो के जरिए स्थानीय प्रशासन और गृह मंत्रालय के खिलाफ जनता को भड़काने की कोशिश की गई थी। नागरिकों से आग्रह, बिना सत्यापन ऐसे वीडियो साझा न करें: पुलिस प्रवक्ता ने कहा, यह गंभीर मामला है। नागरिकों से आग्रह है कि बिना सत्यापन के ऐसी सामग्री साझा न करें। उन्होंने कहा, तीन दिन पहले लद्दाख के डीजीपी डॉ।

एसडी सिंह का डिजिटल रूप से संशोधित वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा था जिसमें वे दावा करते हुए दिखाई दे रहे थे कि वांगचुक को बिना किसी सबूत के रक्षा मंत्री के निर्देश पर गिरफ्तार किया गया था। उस वीडियो को भी डीपफेक तकनीक का उपयोग करके संशोधित किया गया था। अफसरों ने चेतावनी दी कि फर्जी या छेड़छाड़ की गई सामग्री फैलाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेप पीड़िता ने बच्ची को दिया जन्म

नैनीताल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में एक नाबालिग युवती ने 14 साल 10 महीने की उम्र में बच्ची को जन्म दिया। इस घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को मिली तो हड़कंप मच गया। नाबालिग ने जिले के बीडी पांडे अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया। इसके बाद पुलिस पूछताछ में हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई। पता चला है कि बच्ची का रेप किया गया है। बच्ची से रेप के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी युवक का नाम सूरज है। वो अल्मोड़ा जिले के शीतलाखेत का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता द्वारा बच्ची को जन्म देने की खबर उससे रेप करने वाले आरोपी को मिली तो वो भी अस्पताल पहुंच गया और मिठाई बांटने लगा। वो कह रहा था कि वह पिता बन गया है। अस्पताल प्रशासन की ओर से इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

चार मेडिकल शॉप्स सील, नौ लाख रुपये की नशीली दवाएं बरामद

फिरोजपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर के गांव लक्खोके बहराम में नशे की ओवरडोज से चार युवक की मौत की घटना के बाद स्थानीय जिला व पुलिस प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। इस घटना के बाद गठित टीमों ने दबिश देकर पाबंदीशुदा दवाइयां बरामद कर चार कैमिस्ट दुकानें सील की हैं। मेडिकल टीम ने चारों युवकों की मौत के कारणों का भी पता लगाया है।

डिप्टी कमिश्नर दीपशिखा शर्मा ने बताया कि चार युवकों की मौत के बाद टीम गठित कर कैमिस्ट दुकानों पर दबिश दी गई। चार केमिस्ट की दुकानों से नौ लाख रुपये से अधिक पाबंदीशुदा दवाइयां बरामद हुई है। सभी दुकानों को सील कर दिया गया है। सील की गई दुकानों में परमीत मेडिकल स्टोर, गुरु नानक 13-13 मेडिकल स्टोर और तनु मेडिकल स्टोर के अलावा खुराना मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया है। खुराना मेडिकल स्टोर से नौ लाख रुपये की पाबंदीशुदा दवाइयां बरामद हुई थी। डीसी ने बताया कि चार नौजवानों की मौत का कारण पता लगाने के लिए एक मेडिकल टीम का भी गठन किया गया था। इसमें सीनियर मेडिकल अधिकारी, कार्यकारी मजिस्ट्रेट व अन्य अधिकारी शामिल थे।

इन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। डीसी ने बताया कि रिपोर्ट के मुताबिक तीन युवकों की नशे के कारण पहले से ही उनकी स्थिति बहुत नाजुक थी और कई बीमारियों से वह ग्रस्त थे। एक नौजवान की पीठ पर अल्सर था। डीसी ने बताया कि एक नौजवान मलोट के नशा छुड़ाओ सेंटर से गोली लेकर आया था और उसने गोली पानी में घोलकर इंजेक्शन भरकर खुद को लगाया था।

'राहुल वैसी ही भाषा का इस्तेमाल कर रहे जैसा जाकिर नाइक मलेशिया से करता है, निशिकांत दुबे ने एलओपी को घेरा

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी विदेश जाकर संविधान पर लंबी-चौड़ी बातें करते हैं और भारत सरकार के खिलाफ बेबुनियाद बयान देते हैं। यह वैसा ही है जैसा जाकिर नाइक मलेशिया से बोलते हैं। खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू कनाडा और अमेरिका से बोल रहे हैं और सैयद सलाहुद्दीन पाकिस्तान से बोल रहे हैं। अगर आप विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी की भाषा का सोरोस फाउंडेशन की मदद लेने वाले राहुल गांधी की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली भाषा से करें, तो दोनों एक

जैसे हैं। भाजपा सांसद ने कांग्रेस पार्टी से सवाल किया कि आप जिस संविधान का हवाला देते हैं उसका पालन खुद क्यों नहीं करते। दुबे ने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा 1975 में, भाजपा की संस्थापक सदस्य राजमाता सिंधिया ग्वालियर राजघराने की महारानी थीं। ऐसा कोई चुनाव नहीं है जिसमें राजमाता सिंधिया हारी हों। इसका मतलब है कि लोगों के बीच उनकी अपार लोकप्रियता थी। उन्हें सिर्फ इसलिए जेल में डाल दिया गया क्योंकि वह भारतीय जनता पार्टी के पहले स्वरूप भारतीय जनसंघ की नेता थीं। आपने उन्हें जेल में डाला। उनके घर पर आयकर के छापे मारे गए। उन्हें और जयपुर राजघराने की महारानी गायत्री देवी को परेशान किया गया और तिहाड़ जेल में कैद कर दिया गया। दुबे ने कहा, आप महिलाओं, महिलाओं के अधिकारों की बात करते हैं। आज आप वांगचुक की बात कर रहे हैं। बहुत हंगामा मचा हुआ है। जांच चल रही है। इस हत्या में कितने लोग मारे गए। क्या आपको पता है वांगचुक ने लद्दाख में क्या कहा था।।। भीमसेन सच्चर एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। वे आंध्र प्रदेश के राज्यपाल भी थे। पुलिस रातों-रात भीमसेन सच्चर को उनके घर से घसीटकर ले गई और आपने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मुझे लगता है कि कांग्रेस पार्टी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। भारत सरकार से मेरी मांग है कि चूंकि राहुल गांधी डिप्लोमैटिक पासपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं।।। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि उनका डिप्लोमैटिक पासपोर्ट जब्त कर लिया जाए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

दो करोड़ की आतंकी संपत्ति जब्त
सोशल मीडिया से आतंक फैलाने वाले सज्जाद गुल को बड़ा झटका

श्रीनगर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीनगर पुलिस ने आतंकी नेटवर्क और उसके सहयोगियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2 करोड़ की संपत्ति को अटैच किया है। यह कार्रवाई अवैध गतिविधियों (यूएपीए) अधिनियम की धारा 25 के तहत की गई है।

यह संपत्ति श्रीनगर के एचएमटी क्षेत्र स्थित रोज एवेन्यू, एस्टेट खुशीपोरा (सर्वे नंबर 43 मिन) में स्थित एक तीन मंजिला रिहायशी मकान है, जो 15 मरले जमीन पर बना हुआ है। यह संपत्ति गुलाम मोहम्मद शेख पिता का नाम, ख्वाजा अनवर शेख) के नाम पर दर्ज है, जो कि घोषित आतंकवादी सज्जाद अहमद शेख उर्फ सज्जाद गुल के पिता हैं।

हालांकि दस्तावेजों में संपत्ति पिता के नाम दर्ज है, लेकिन पुलिस जांच में सामने आया है कि सज्जाद गुल स्वयं इस संपत्ति का सक्रिय हिस्सेदार है। वह लंबे समय से आतंकवाद को बढ़ावा देने, भारत विरोधी प्रचार फैलाने और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को भड़काने जैसे गतिविधियों में शामिल रहा है। यह कार्रवाई एफआईआर संख्या 235/2022 के तहत की गई है, जो कि थाना परिमपोरा में यूएपीए की धाराएं 13, 38, 20 और ईआईएमसीओ एक्ट की धाराएं 2/3 के अंतर्गत दर्ज है। यह कार्रवाई तहसीलदार सेंट्रल शालटेंग द्वारा सत्यापन के बाद कार्यपालक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पूरी की गई। श्रीनगर पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई आतंकवाद के आर्थिक, लॉजिस्टिक और ऑपरेशनल नेटवर्क को ध्वस्त करने की रणनीति का हिस्सा है। इसमें सीमा पार से मिल रहे समर्थन और आतंकी समर्थकों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है।

दो बच्चों का अपहरण कर उनकी मम्मी से जबरन शारीरिक संबंध बनाने पर किया गया मजबूर
अलग-अलग मामलों में हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली की राजधानी में महिला अपराध के खिलाफ दो घोटाले सामने आए हैं, जिनमें दो मासूम बच्चों का अपहरण कर उनकी मांओं को शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया। दिल्ली पुलिस ने दोनों मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पहला मामला पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके का है। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर थाने में 15 सितंबर को दर्ज पहले मामले में शाहदरा की एक महिला ने आरोप लगाया कि उसके पड़ोसी ने एक दिन पहले उसके तीन साल के बेटे का अपहरण कर लिया। डीसीपी (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने कहा, 'उसने आरोप लगाया कि आरोपी लगभग दो महीने पहले उसके संपर्क में आया था और एक महीने पहले उसने उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, उसने इनकार कर दिया। गुस्से में आकर आरोपी ने इलाज कराने के बहाने उसके बच्चे का अपहरण कर लिया।' शहादरा पुलिस टीम ने 30 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों खंगाले।

कॉल डिटेल रिकॉर्ड व तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपी का पता लगाया, जिससे पता चला कि वह बिहार में है। पुलिस के अनुसार, जैसे-जैसे पुलिस की सक्रियता बढ़ती गई, आरोपी अपनी जगह बदलता रहा। अंत में वह सूरत रेलवे स्टेशन देखा गया। सूरत में राजकीय रेलवे पुलिस को यह जानकारी दी गई। इसके बाद दिल्ली पुलिस की एक टीम सूरत पहुंची। उस व्यक्ति को स्टेशन पर ही रोक लिया गया और 19 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। बच्चा भी बरामद हो गया है। पुलिस ने कहा कि आरोपी को दिल्ली लाकर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उसके खिलाफ कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है।

मां-बाप ने चार दिन पहले जन्मे बेटे को जंगल में फेंका
दोनों सरकारी टीचर, फिर किस मजबूरी से बने हैवान

छिंदवाड़ा , 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बच्चे के जन्म पर परिवार खुशियों से भर जाता है, कोख में नौ महीने तक उसे पालने वाली मां की खुशियों का तो कोई ठिकाना ही नहीं रहता है। लेकिन कुछ वाकये ऐसे सामने आते हैं, जो हमें सोचने के लिए मजबूर कर देते हैं कि क्या कोई मां इतनी भी निर्दयी हो सकती है। ऐसा ही एक वाकया मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले से सामने आया, जहां मां ने जन्म के चार दिन बाद ही अपने बच्चे को जंगल में मरने के लिए छोड़ दिया। बच्चे के माता-पिता दोनों सरकारी स्कूल में टीचर हैं, तो सवाल उठा कि आखिर फिर ऐसा कदम दोनों ने क्यों उठाया।

जानकारी के मुताबिक, दोनों मां-बाप की ये चौथी संतान थी और सितंबर के आखिरी दिनों में बच्चे के जन्म के बाद वो उसे रोड घाट में जंगल में ले गए और उसे पत्थरों के बीच दबा दिया। लेकिन कहावत है ना कि जाको राखे साइयां मार सके न कोय।।। वहां से गुजर रहे बाइक सवार को सुनसान जंगल में बच्चे की चीख अजीब सी लगी। उसने तुरंत आसपास के लोगों और पुलिस को सूचना दी और आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने आरोपी अभिभावक बबलू और राजकुमारी डंडोलिया को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों सरकारी प्राइमरी स्कूल में टीचर हैं। उनके तीन बच्चे पहले से ही हैं, जिनकी उम्र आठ साल, छह साल और चार साल की है।

दोनों ने बताया कि जन्म के चार दिन बात वो सुबह के वक्त रोड घाट के निकट जंगल के इलाके में पहुंचा और बच्चे को भारी पत्थर के बीच दबाकर भाग निकले। लेकिन अगले दिन सुबह वहां से गुजर रहे बाइक सवार और कुछ ग्रामीणों ने बच्चे के रोने की आवाज सुनी तो सन्न रह गए। वो दौड़े और जब वहां जाकर देखा तो पत्थरों के बीच एक दुधमुंहे बच्चे को रोते चीखते पाया। उसे तुरंत ही मेडिकल केयर देने के बाद जिला अस्पताल ले जाया गया। बच्चा रात भर ठंड और जीव जंतुओं के बीच जिंदा रहा, ये चमत्कार से कम नहीं था।

पेपर लीक मामला

चालाक सुरेंद्र ने फर्जीवाड़ा तो किया मगर भूल गया कि अब यूए नहीं यूके है उत्तराखंड

देहरादून, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुरेंद्र ने चालाकी से तीन फॉर्म भरे। हर हद तक फर्जीवाड़ा किया मगर इस चालाकी में वह एक भूल भी कर गया। वह अपने पैंतरों में इस कदर उलझ गया कि अब उत्तराखंड यूए नहीं बल्कि यूके हो गया है। जी हां, यह तथ्य सामने आया है सेवायोजन की ओर से दी जाने वाली इम्प्लाई आईडी में। उसने आईडी की शुरुआत यूए से की। जबकि, आईडी की शुरुआत यूके यानी उत्तराखंड के नाम से शुरू होती है। इसमें 16 अंक होते हैं मगर उसने यूए के आगे सिर्फ 13 ही अंक लिखे। इसी तरह उसने ऐसे कई फर्जीवाड़े किए जिसमें उसकी हर चालाकी पकड़ में आ गई।

उसने अपने पिता को एक बार सालीक, दूसरी बार शालीक तो तीसरी बार सलीक लिखा। फर्जी स्थायी प्रमाणपत्र बनवाया तो उस पर देहरादून का पता भी दर्शा दिया। जांच में सुरेंद्र कुमार के फर्जीवाड़े की एक-एक कर परतें खुली हैं। उसने अंग्रेजी में अपने पिता के नाम की स्पेलिंग को तीनों फॉर्म में अलग-अलग लिखा। ताकि, फॉर्म कंप्यूटर में स्वीकार हो जाए। उसने देहरादून के पते का एक स्थायी प्रमाणपत्र बनाया। इसके आधार पर ओबीसी का प्रमाणपत्र भी बनाया। इस पर यूके के साथ आगे 17 अंक लिखे गए हैं। जबकि, इसके प्रमाणपत्र संख्या में 16 अंक होते हैं। इसी तरह उसने जन्मतिथियों को भी अलग-अलग दर्शाने के लिए कई-कई बार हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और फिर ग्रेजुएट दर्शाया है। सुरेंद्र ने खुद को देहरादून के बालावाला निवासी बताते हुए एक स्थायी प्रमाणपत्र फॉर्म में लगाया है।

इसमें उसने दर्शाया कि स्थायी प्रमाणपत्र के लिए उसने आवेदन 2001 में किया था। जबकि, यह जारी वर्ष 2023 में किया गया। यहीं वह एक और अजब खेल कर गया। प्रमाणपत्र पर शासनादेश की संख्या तो गलत लिखी ही साथ ही साथ नीचे एसडीएम के हस्ताक्षर भी नहीं हैं। इस तरह उसका यह फर्जीवाड़ा भी पकड़ लिया। एक पता उसने हापुड़ जिले का भी दर्शाया। एक ही अभ्यर्थी कभी देहरादून तो कभी गाजियाबाद तो एक बार हापुड़ का। आरोपी ने अपनी जन्मतिथि को अलग-अलग दर्शाने के लिए हाईस्कूल की परीक्षा को तीन बार देना दर्शाया। इसमें उसने एक बार 1995 और दूसरी बार 1988 जन्मतिथि दर्शायी। इसी तरह कई शिक्षण संस्थानों से इंटरमीडिएट होना भी दर्शाया। गजब तो तब हुआ जब उसने वर्ष 2010 से 2013 तक के ग्रेजुएशन के दस्तावेज प्रस्तुत किए।

मलयालम सिनेमा के गौरव मोहनलाल

अतुल कुमार

मलयालम फिल्मों के सुपर स्टार मोहनलाल को पिछले दिनों भारतीय सिनेमा में योगदान के लिये वर्ष 2023 का सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया . उनको दक्षिण भारत का अमिताभ बच्चन कहा जाता है . उनकी फिल्म " दृश्यम " ने सफलता के रिकार्ड बनाये और दर्शकों का दिल जीता यह थ्रिलर फिल्म थी जिसमें मोहनलाल ने अपनी यादगार ऐक्टिंग से दर्शकों को मुग्ध किया . मलयालम भाषा की फिल्में यथार्थवादी कहानियों , असर दार कंटेंट ,और सोसायटी के प्रासंगिक मुद्दों को उठाने के लिये जानी जाती हैं जो केरल के सामाजिक – सांस्कृतिक मूल्यों को प्रखर रूप से दर्शाती हैं सशक्त लेखन और चरित्र चित्रण उनकी विशेषता होती है . दरअसल साउथ इंडियन फिल्मों ने हमेशा जन रुचि ,जन समस्या और जन स्वर को अपनी फिल्मों का सबजेक्ट बना दर्शकों के बीच फिल्मों के प्रति रुचि को बनाये रखा . यही कारण है कि इन भाषाओं की फिल्में हिंदी में डब हो भारी मुनाफा कमा रही हैं . क्या वजह है कि हिंदी सिनेमा ने अपने जमे जमाए व्यापार , व्यवहार और विशेषताओं को खो दिया ? क्यों कि उसने कंटेंट की नवीनता से मुंह मोड उसी घिसी पिटी रिपीटेड कहानियों तथा विषय वस्तुओं से नाता जोडे रखा जिसे देख दर्शक उकता चुके हैं .

मलयालम फिल्मों में अभिनेता की स्टार वैल्यू से ज़्यादा महत्व कहानी और विषय वस्तु को दिया जाता है सबजेक्ट्स पर निर्माता ,निर्देशक और लेखक के बीच विचार मंथन पर ज़ोर दिया जाता है कि फिल्म को कैसे सामाजिकता का नया कथ्य दिया जाये . फिल्म लेखकों को नायक जैसा मान सम्मान दिया जाता है .वास्तव में फिल्म की कहानी और संवाद ही फिल्म के असली हीरो होते हैं . और हिंदी फिल्मों के राइटर्स और संवाद लेखकों की क्या स्थिति है ? यह किसी से छिपा नहीं है . प्रसिद्ध फिल्म बानक सत्यजीत रे कहा करते " फिल्म का न हीरो बडा होता है न नायिका ,बल्कि बडी होती है उसकी कहानी उसके खेले गये चरित्र ही कलाकारों को बडा बनाते हैं .

मलयालम फिल्मों में हिट फिल्मों के रीमेक नहीं बनाये जाते बल्कि उनकी हिट फिल्मों के रीमेक बनाने के लिये बालीवुड के निर्माता हमेशा उत्सुक रहते हैं .एक कारण है कि तेलुगु , तमिल ,कन्नड और मलयालम फिल्मों ने सारी तकनीकी सुविधाओं से उपलब्ध चैनलों के होते हुए भी बंपर सक्सेस पायी . जिनमें मलयालम फिल्मों के महानायक मोहन लाल के अभिनय शैली की विशेषता है कि वह किरदार को सहज ,स्वाभाविक और सशक्त बना देते हैं .अपनी आंखों और हाव भाव से इमोशंस को असरदार ढंग से प्रस्तुत करते हैं उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उनको हर चरित्र में फिट होने की कला में माहिर बनाया .

वह एक शानदार अभिनेता ही नहीं बल्कि अच्छे निर्माता ,गायक और निर्देशक भी हैं .अपने फिल्म जीवन की शुरुआत एक खलनायक की भूमिका से शुरु की और जल्द ही बडे नायक बन गये .

दर्शकों ने उनके अभिनय की गहराई को पसंद किया .कम लोग जानते हैं कि वो एक अच्छे चित्रकार भी हैं जो आकर्षक पेटिंग्स बनाते हैं . उनकी कामेडी भूमिकाओं को नैचुरल माना जाता है फिल्म उद्योग में स्टारडम को नये सिरे से परिभाषित किया और कहानी कहने के अनूठे नज़रिये को बना सिनेमा को नया रास्ता बताया जिससे फिल्म प्रेमी पभावित हुए . सिनेमाई अभिनय के साथ रंगमंच पर भी कार्य किया .

केरल की संस्कृति में गहरी आस्था रखने वाले इस कलाकार ने हिंदी ,तेलुगु , तमिल .और कन्नड फिल्मों में अभिनय कर अदाकारी के फलक को विस्तार दिया. किसी ने खूब कहा " ऐक्टिंग का मतलब केवल स्टाइल नहीं है बल्कि इसे जीना पडता है " सुपर स्टार मोहनलाल ने यही किया.

सन 1978 में फिल्मी पारी शुरु करने वाले इस बहुमुखी अभिनेता ने 350 से अधिक फिल्मों में काम किया है , और सबसे अधिक मांग वाले अभिनेताओं में से एक बने हुए हैं . उनकी कई फिल्में ब्लाकबस्टर रहीं जैसे शीर्ष 10 फिल्मों में " किरीदम " " थूवनाथुम्बिकल" " भारतम " " चित्रम " " दृश्यम " " वनप्रस्थम " " देवासुरम " " आराम थंपुरन " " किलुक्कम " और " भ्रमरम " इत्यादि . फिल्म " भारतम " को फोबर्स पत्रिका ने उनके बेजोड अभिनय के कारण भारतीय सिनेमा के 25 सर्वश्रेष्ठ अभिनय प्रदर्शनों की सूची में शामिल किया .

दिलचस्प तथ्य है कि फिल्मों में आने के पूर्व वह एक पेशेवर पहलवान थे .1977-78 में केरल राज्य कुश्ती चैपियनशिप जीती थी दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिये उनको चुना गया था लेकिन पहली फिल्म में आडिशन का बुलावा आने पर उसे छोड दिया .

वह एक प्रशिक्षित मार्शल आर्ट्स आर्टिस्ट भी हैं .कोरिया के वर्ल्ड ताइक्वांडो प्रधान कार्यालय से उन्हें मानक ब्लैक बेल्ट मिली है . एक जादूगर बनने के लिये 18 महीनों की ट्रेनिंग भी ली वह " बर्निंग इल्यूजन " नामक खतरनाक स्टंट करने वाले थे लेकिन प्रशंसकों के भारी विरोध के बाद इसे रद्द कर दिया . मलयालम पत्रिका के लिये खान –पान स्तंभ लिखा जो "मोहनलाल टेस्ट बड्स " नाम से मसालों और अचारों की सिरीज़ थी . जिसे पाठकों ने पसंद किया .फिल्म " थिरोनट्टम " (1978) में एक बाल कलाकार के रूप में ऐक्टिंग जीवन की शुरुआत की . बाद में " मंजिल विरिंजा पुक्कल " (1980) के साथ मुख्य अभिनेता के रूप में लोकप्रिय हुए .

केरल में उनको एक सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में जाना जाता है . कई टेलीविज़न शो की मेज़बानी की जिसमें " बिग बास " का मलयालम संस्करण भी शामिल है .हिंदी में उन्होंने फिल्म " कंपनी " (2002) " आग " (2007) और " तीज़ " (2012) में काम किया . बेजोड अभिनय क्षमता के कारण वह एक ब्रांड बन गये हैं वह मालीवुड (मलयालम फिल्मो) के अभिनय सम्राट बन गये है जिनकी फिल्मों को देखने के लिये दर्शक उत्सुक रहते हैं .

21 मई 1960 को एलेंथूर ,कोल्लम ,केरल में जन्मे इस कलाकार ने जो यश पाया उसे इसी से समझा जा सकता है कि .सन 1986 में 34 फिल्मों में काम किया जिनमें 25 बाक्स आफिस पर हिट रहीं जो एक रिकार्ड है .

सन 2001 में भारतीय सिनेमा में योगदान के लिये भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री और 2019 में पद्म भूषण से सम्मानित किया .शानदार अभिनय से जिन उंचाइयों को हासिल किया वह प्रेरक सुनहरी गाथा है .

काव्य कुंज

अहंकार

डॉ संजुला सिंह जमशेदपुर

पहले खुद के मन का रावण मारो
तब रावण के पुतले को नोचना
क्या तुम हो रावण मारने योग्य ?
इस बात को जरा तुम सोचना ।
खुद करते हो सारे दुष्कर्म
रावण को कहते हो पापी,
खुद भी पाप कमाने में तो
लगे रहते हो आपा धापी ।
रावण भी हंसता होगा
देख तेरी इस फितरत को,
मन के रावण को मारा नहीं
चले रावण के पुतले मारने को ।
खुद अहंकार से हो भरे
रावण को अहंकारी कहते,
रावण के अंजाम देख भी
तुम तनिक भी नहीं सहमते ।
पुतले लाख जलाओ उसके
वो कभी नहीं मर पाएगा,
सीता जैसी नारी को वो
हर दिन हरने आएगा ।
पहले खुद के मन का रावण मारो
शायद तभी रावण मर पाएगा
वर्णा ये जटिल रोग के जैसा
हर दिन बढ़ता ही जाएगा ॥

मानव देवत्व को पाए

संजीव ठाकुर, रायपुर

नील गगन की चुप्पी गहरी,
मन की पीड़ा मोती ठहरी।
अश्रु बने जब दीपक प्यारे,
जीवन के उजियारे सारे।
मौन धरा से स्वर उठता है,
दुःख में भी विश्वास मिलता है।
करुणा का सागर साथ रहेगा,
हर आँसू में विश्वास जागेगा ।
वेदना गाती गीता प्यारी,
पीड़ा देती राह हमारी
अंधकार में ज्योति दिखाए,
मानव देवत्व को पाए।
धरती बोले, नभ दोहराए,
संसार यह गीत सुनाए
क्षणभंगुर तन, अमर है प्राण
जीवन का संदेश महान।
आज गगन में दीप जला
लोक में फिर आलोक सजा
क्यों देते हम अंधियारे को दोष
तमस में प्रकाश-आलोक सजा।

महात्मा गाँधी

टी तारासिंह हैदराबाद

देश के लिए अपना दर्द सहा
अत्याचार सहा , जेल भी गये
बस अपने देश के लिए
देश की आजादी के लिए
विदेश मे पढा था कानून का पन्ना - पन्ना
अंग्रेजो को सबक सिखाया
देश - भारत छोडने के लिए मजबूर किया
अंग्रेजी घुसपैठ फिर कभी न हो
गाँन्धी जी हमारे देश के आदर्श बने
उनको पूरा भरोसा था अपने वसूलो पर
अहिंसा ओर सत्याग्रह पर
अपनी पूरी जिंदगी सादगी से रहे
विदेशी सामान का बहिष्कार किया
वो रहते आडम्बर और दिखावे से दूर
वह हमारे देश के ही नही विश्व के आदर्श पुरूष बने।।

शरद पूर्णिमा

गीता अग्रवाल हैदराबाद

शरद पूर्णिमा आई देखो,
अमृत का सेवन करवाने।
खास दिन की खास चांदनी
देखो आई है रिझाने।।
चिपचिप से पाए छुटकारा,
वर्षा की हो रही विदाई,
बाद दशहरे भीनी भीनी देखो
शरद ऋतु है आई ,
दादी माँ ने अमृत मंथन की अद्भुत कथा है सुनाई
प्रकट हुई महा देवी दानी,
धन संपन्नता की अगुवाई।
महालक्ष्मी अवतरण हुआ,
धन से भरने लगे खजाने।
शरद पूर्णिमा आ गई देखो,
अमृत का सेवन करवाने।।
खास दिन की खास चांदनी, देखो आई है रिझाने।।
श्रीकृष्णा ने रास रचाई,शरद पूनम में कर लो भजन,
कौमुदी अनुपम किरणों से, तीव्र ज्योति पाएं नयन,
मेवा मिश्रित स्वादिष्ट खीर, शरद पूर्णिमा के दर्पण
प्रसाद रुप जो खाए,भागे रोग, होए स्वस्थ तन,मन।
16 कला परिपूर्ण चंद्रमा,आया मेहमान नवाजी निभाने।।
शरद पूर्णिमा आ गई देखो ,अमृत का सेवन करवाने।।
खास दिन की खास चांदनी, देखो आई है रिझाने।।

माँ के दरबार में

डॉ.प्रतिमा सिंह हैदराबाद

घिर घिर बदरा जल बरसाए
माता के दरबार में
लहर लहर चुनरी लहराए
माता के दरबार में
मंद मंद पवन का झोंका
इधर-उधर मंडराए
जोहरा के बाली बढ़ बढ़ कर पवन
को पास बुलाए माता के दरबार में ।
घुमड़ घुमड़ कारी कारी बदरी,अमृत जल बरसाए ।
जैसे माता अपने भक्तों पर करुणा
जल बरसाए माता के दरबार में।
धूप दीप लोमान की सुगंध मंदिर की शुचिता बढ़ाए।
भक्त वृंद मृदुल कंठ से माता की महिमा गाए ।
स्वर्ण कलश से पद पखारते माता के दरबार में ।
मेहंदी काजल, आलता, कुमकुम टीका पैंजनी भाए।
रूप अनूप देख माता के भक्त विह्वल हो जाए ।
माता हमारी हम माता के दोनों
एक हो जाए माता के दरबार में।
झूम झूम कर नाचे गए माता के दरबार में ।
पाप नाशिनी, दुख हरणी,
दुष्ट दलिनी माता तेरी जय जयकार।
अवगुण बच्चों के माफ करती
सब पर अपनी कृपा दृष्टि माता के दरबार में।

धरती को नमन

कुमुद बाला, हैदराबाद

धरती को नमन , हमारा वंदन है।
धरती को नमन , हमारा वंदन है।।
सागर के विशाल हृदय में हर पल ,
लहरों का सुंदर मंचन है
नव हरित पौधों की पत्तियों पे ,
तरंगित बूंदों का नर्तन है
प्रकृति के आँगन में जीव-जंतुओं की,
निर्भय खुशहाली दिखे
रंगबिरंगे फूलों से सज्जित ,
ये ज़िंदगी है दिल्लगी ,
जब तू इसका , है करता उपहास
ये ज़िंदगी है बंदगी ,
जब तू देता , भरपूर इसे प्रकाश
कितनाअनोखा रिश्ता है,
समय और ज़िंदगी के बंधन का
सटीक दोनों हैं आगे बढ़ते ,
गर हो मंथन पे विश्वास
आगे बढ़ें देश के नौजवां ,
यही भविष्य का सुंदर चिंतन है
सागर के विशाल हृदय में हर पल,
लहरों का सुंदर मंचन है
रंगबिरंगे फूलों से सज्जित,
धरती को नमन, हमारा वंदन है
धरती को नमन , हमारा वंदन है।
धरती को नमन , हमारा वंदन है।।

ए जिंदगी..

दर्शन सिंह हैदराबाद

अभी चलना सिखा ही था, संध्या हो गई
थोड़ा मुस्करा क्या दिया,
आखिरी पहर हो गई
चलते चलते थक सा गया हूं,
जमीं में दब गई श्वासें मेरी
ए जिंदगी !
बहुत तेज़ है रफ्तार तेरी
थोड़ा आहिस्ता चल
मुझे समझने तो दे
ये पड़ाव है या मंजिल मेरी
हालांकि परिधि में हूं, समीकरणों में उलझ गया हूं
लक्ष्मण रेखा के अंदर हूं , अनावश्यकों से घिर गया हूं
दिशादिंगत आंधी तुफानो का बवंडर दूर है किनारा
घूमिल है ओर भी छोर भी, लगता थम गई रफ्तार मेरी
ए जिंदगी..
व्याकरण ठीक से समझी नहीं, ओझल प्रतीर
गणित ठीक से समझी नहीं, धूमिल तनवीर
छोटी बड़ी लकीरों से उलझा था कैनवास
जिंदगी दी गूंजलां अजे सवारिया ही सन,
मझधार में थी नैया मेरी
ए जिंदगी...

चाँद के रूप

रेणुका अग्रवाल हैदराबाद

गीत मीठा सुना रहा है चाँद।
मीत मेरा बता रहा है चाँद।
छन छन करती आई है चाँदनी
किरण किरण जगा रहा है चाँद।
रूठ कर जबसे तुम चली गई
उदासी मे आँसू बहा रहा है चाँद।
लो लौट आई चाँदनी छम से
चाँदनी को मना रहा है चाँद।
मिलकर चाँदनी से देखो तुम
लड़की सा शरमा रहा है चाँद।
मौसम ने छटा बिखेर दी है तो
जमीं उजली बना रहा है चाँद।
सब आए भीगकर चाँदनी में
शरद आगम जता रहा है चाँद।
तपिश ज़रूरी है जीवन में तो
शीतलता लुटा रहा है चाँद।
चाँद मामा बन जाता कभी तो
चौथ में पिया बन रहा है चाँद।

सास-बहू सौहार्द पर्व है करवा चौथ

डॉ शोभा भंडारी हैदराबाद

सौष्ठव, सौंदर्य, सौहार्द पूर्ण,
होता करवा चौथ का व्रत सम्पूर्ण,
होता पति के प्रति समर्पण भाव, अक्षुण्ण,
और होता सासू मां का सम्मान भावपूर्ण,
बदले में बहू को मिलता स्नेहाशीष का,
असीम-अतुल-अनुपम उपहार, सगुण।
है, अद्वितीय, सांस्कृतिक विरासत की ये परम्परा,
जिसमें निहित है सास-बहू के संबंधों को,
प्रतिष्ठित करती, एक महान सांस्कृतिक भावना,
परिवार की दृढ़ता को पोषित करती एक संभावना।
सासू मां की भेजी हुई सरगी और श्रृंगार,
बहू के लिए होते सबसे मूल्यवान उपहार,
पुनः बहू ने भी भेजे सुहाग के प्रतीक चिन्ह,
भेंट और पोषाक, सासू मां के लिए साभार।।
क्यूं सास-बहू का रिश्ता है बदनाम?
जब करवा चौथ जैसी परम्परा है विद्यमान।
याद रहे,सास की कोख में ही,
पला है सुहाग बहू का, और ये बहू ही है,
जिसने बेटी बनकर सजाया -रचाया है,
घर संसार सास का।
क्यूं न हम सब भी मिलकर इसे,
और अधिक समृद्ध -सशक्त बनाएं?
सास और बहू, दोनों का प्रेम परवान चढ़े,
एक ऐसी मजबूत आधारशिला बनाएं ।।

आभास

हेमंत सुराना, उदयपुर

चिड़ियों के चहकने से संगीत का आभास,
बारिश के बरसने से संगीत का साज
खिलते फूलों से खुशियों का आभास,
बुजुर्गों के आशीर्वाद से मौजूदगी का आभास
माता-पिता की सेवा से मोक्ष का आभास,
स्वयं को ढूंढने के लिए एकांत भी आभास
लक्ष्य जनकल्याण हो तो सफलता का आभास,
मुश्किल वक्त हो तो क्षमताओं का आभास
योजनाओ के अनुरूप से सुखद का आभास,
ऊर्जा की खोज से नवजीवन का आभास
असीमित उलझनों से विपत्ति का आभास,
प्रतीक्षा है जीवन के अमूल्य आभास की,
प्रतिकूल स्थितियों में नव निहाल की
ढूंढे हर कोई 'आनंद एकआभास',
ढूंढे हर कोई 'आनंद एकआभास' ।

वतन के लिए

जे गंगाधर 'गंध' हैदराबाद

हमने खेला वतन के लिए,
विजीत रहे वतन के लिए,
सिंदूर रचा था वतन के लिए,
अब तिलक धरा वतन के लिए।
धर्म पूछकर मारा था ना,
कपड़े उतार कर देखा ना,
नराधम नरसंहार किया था ना,
ट्राफी चोर शर्मसार हो गया ना।
नस नस में नफरत फैलाकर,
खेला भी तो नफरती चाल पर,
पाकियों ने खेला जिद के लिए,
भारतीयों ने खेला वतन के लिए।
सिंदूर की दमक भी देखा धमाल,
तिलक की चमक भी देखा कमाल,
सूर्या की उत्तेज भी देखा है ऊबाल,
शुभमन गिल का बल्ला देखा बवाल।
अब यह भारत है भा-रत संभलजाओ,
विकसित भारत के पथपर है जानजाओ,
यह रुकने वाला सोचने वाला नहीं है भाई,
ठोकने वाला, पीटने वाला है खेल या जंग ।

जीवन एक झरना

कमलेश झा भागलपुर, बिहार

मानव जीवन एक झरना है
जिसका मतलब चलना है
पथ चाहे समतल हो या
पथरीला मतलब केबल बढ़ना है ।।
जीवन के उद्गम स्थल पर
अपनों का कह-कहा है
उस कहकहे के पीछे भी
मतलब उनका अपना है ।।
कर्ण विदीर्ण चित्कारों से अपने तो खुश होते हैं
थाली ढोल ताशा बजाकर ये अपने सुख लेते हैं ।।
मन में आशा लिए वो झरना अपने पथ पर चलता है
कभी अपनों की ठोकर या टेढ़ा-मेढ़ा सा रास्ता है ।।
जीवन डगर पर कभी घाटी,पहाड़,खाई भी मिल जाता है
इसे ईश्वर का विधान मानकर झरना चुपचाप सह लेता है ।।
जीवन में सफलता पाने वह अपना बसेरा छोड़ जाता है
फिर पथिक बनकर हीं उसका शेष जीवन कटता है ।।
सफलता और संघर्ष में जब मिलता है उसको किसी का साथ
कहने को तो संगम है पर वहीं छिपा है उसके दिल का अवसाद ।।
फिर खेल शुरू होता स्पर्धा का कौन आगे निकल जाएगा
झरना का वह शांत रूप फिर स्पर्धा में हीं लग जाएगा ।।
झरना तो निर्जीव है उसे जीत हार से क्या मतलब
यह जीत हार तो मानव का है इससे तो इसी का तलब ।
जीत के जब दो मोती नैन पटल पर आते हैं
हम मानव का अंतरमन प्रफुल्लित हो जाते हैं ।।
वहीं हार की निराशा हमे धकेलता है अवसाद में
मानव की वेदना को निकालता अश्रु धार में ।।
आशा और निराशा के बीच हीं हम मानव का जीवन चलता है
लेकिन झरना जैसा चलना यही तो मानव धर्म कहता है।।
आशा की किरण लिए हम जीवन पथ पर चलते हैं
जीवन के पथरीली राह को सहर्ष स्वीकार करते हैं ।।
बेशक जीवन में जितनी चोट लगे खुशी-खुशी हम सहते हैं
सजीव होते हुए भी हम निर्जीव सा रहते हैं ।।
आहें जब निकलता तो अपना मुंह बंद कर लेते हैं
फिर भी अपनों को इसका अनुभूति नहीं होने देते हैं ।।
झरना का तो एक सत्य है सागर में मिल जाना
पर हम मानव काभी एक सत्य है अपनों के लिए सर्वस्व लुटाना ।।
कभी सर्वस्व लुटा कर भी आप अधूरे रह जाते हैं ।
कभी अपनों का दगा या फिर उसमें दबकर रह जाते हैं ।।
मानव का बस एक धर्म है चोट खाकर भी चुप रहना
नहीं तो मानव और सर्प में मुश्किल है अंतर कर पाना ।।
जीवन रूपी झरना में कुंद करो अपना जीवन।
कतरा कतरा समर्पित कर दो हे मानव अपना तन-मन ।।
झरना से बस एक ज्ञान तो ले लो तुम
जीवन पथ पर चुपचाप चलकर सागर में मिल जाओ तुम ।।

चलो चलते हैं चांदपर

डॉ विजय पांढरीपांडे हैदराबाद

चलो चलते हैं चांदपर
जी नहीं लगता इस धरती पर
सांस लेना भी हो गया मुश्कील
आदमी ही आदमी का कातील
बज गया है बिगुल महायुद्ध का
हम भूल गये अमन बुद्ध का
न रहे जंगल न रही हरियाली
सिमेंट के पहाड चालीस मंजिली
अंजान चेहरे न बोलचाली
मशीनोकी भाषा रोबोट गली गली
न सुकून न शांती
जाती धर्म की क्रांती
स्वार्थका अर्थ अर्थका स्वार्थ
न रही पलभर की विश्रांती
क्या करे कैसे जिये
रहे यहा तो किसके लिये
चलो चलते हैं चांदपर
जी नहीं लगता इस धरती पर

जाति की जंजीरें

अन्नू प्रिया, कटिहार, बिहार

दलित होना गुनाह नहीं,
पर समाज इसे अपराध बना देता है।
हिंदू कहलाने दो—
पर मंदिर के द्वार पर क्यों रोक देता है?
जाति सूचक उपनाम लिखना बंद करो—
आरक्षण खुद ब खुद खत्म हो जाएगा।
आरक्षण पर शोर मचाते हो,
पर जब घोड़ी पर दूल्हा गोली खाता है—
क्यों चुप्पी साध लेते हो?
प्रेम में जलते हैं दलित लड़के,
तेज़ाब से सिसकती हैं लड़कियाँ—
बताओ!
कहाँ है तुम्हारा धर्म?
कहाँ है तुम्हारी इंसानियत?
घर-घर में छिपे हैं दलित के विभीषण,
छप्पन भोग खुद खाते हैं,
और हमें कहते हैं—
"मैं तो निकल आया,
तुम अब भी अपवित्र हो।"
याद रखो!
दलित की रोटी और बेटी
तुम्हारे द्वार पर ठुकराई गई,
पर हमारे विचार,
हमारा संघर्ष,
हमारा अस्तित्व—दलित
अब कभी ठुकराया न जाएगा।
करोड़ों के फ़्लैट की जगह
लाखों की शिक्षा दो बच्चों को।
शिक्षा, विनम्रता और स्वास्थ्य की हुंकार—
यही साक्षात भगवान है।
दलितों! अब तो आँखें खोलो,
आपसी विभेद ख़त्म करो,
रोटी-बेटी का साझा अपनाओ,
और एकता का दीप जलाओ।
धन्य अंबेडकर!
धन्य फूले!
धन्य पेरियार!
जिन्होंने हमें जगाया,
वरना यह समाज
हमें आज भी
राख कर देता।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार, 5 अक्टूबर 2025

कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो-डीएस सिरप बैन

छिंदवाड़ा में 9 बच्चों की मौत के बाद कंपनी के सभी उत्पादों पर रोक

तमिलनाडु के बाद मध्यप्रदेश में भी कोल्ड्रिफ (Coldrif) और नेक्स्ट्रो-डीएस (Nextro-DS) कफ सिरप को बैन कर दिया गया है। इन्हीं सिरप की वजह से छिंदवाड़ा में 9 बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हुई है। तो राजस्थान के सीकर के सरकारी अस्पताल में दो बच्चों की मौत की खबर के बाद वहां के डाक्टर और फार्मासिस्ट को निलंबित कर दिया गया है। सीएम मोहन यादव ने X पर पोस्ट कर जानकारी दी है कि स्थानीय डॉक्टर की सलाह पर बच्चों को कोल्ड्रिफ (Coldrif) और नेक्स्ट्रो-डीएस (Nextro-DS) कफ सिरप देने की बात सामने आई थी। बच्चों की मौत के बाद जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। अब एसआईटी बनाकर राज्य स्तर पर जांच की जा रही है।

एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव ने X पर लिखा- छिंदवाड़ा में Coldrif सिरप के कारण हुई बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस सिरप की बिक्री को पूरे मध्यप्रदेश में बैन कर दिया गया है। सिरप को बनाने वाली कंपनी के अन्य प्रोडक्ट की बिक्री पर भी बैन लगाया जा रहा है। सिरप बनाने वाली फैक्ट्री तमिलनाडु के कांचीपुरम में है। इसलिए घटना के संज्ञान में आने के बाद राज्य सरकार ने तमिलनाडु सरकार को जांच के लिए कहा था। आज सुबह जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। रिपोर्ट के आधार पर कड़ा एक्शन लिया गया है।

जानकारी के अनुसार साल 2023 में डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विस ने सभी राज्यों को पत्र भेजकर बताया था कि इस फार्मूले की दवा 4 साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जानी चाहिए। इसके बावजूद मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा के डॉक्टरों द्वारा यह दवा लिखी गई। जिन 9 मासूमों की मौत हुई है, उनमें से 7 की उम्र 4 साल या उससे कम है। जबकि 2 बच्चे 5 साल के हैं।

जांच में खुलासा हुआ है कि जो कोल्ड्रिफ सिरप सप्लाई की गई थी, उन्हें जबलपुर से भेजा गया था। हालात की गंभीरता को देखते

हुए जबलपुर कलेक्टर ने पहले ही COLDRIF SYRUP और Nastro- DS सिरप पर बैन लगा दिया था। छिंदवाड़ा में श्री सन फार्मा कंपनी के मैनेजर की डिमांड पर महाकौशल डीलर कटारिया फार्मास्यूटिकल से इस कफ सिरप की सप्लाई होती थी। खास बात यह है कि कोल्ड्रिफ सिरप के लिए पूरे महाकौशल में सिर्फ छिंदवाड़ा से ही डिमांड आती थी।

660 बोतल सिरप मंगवाई, 594 छिंदवाड़ा भेजी गई

महाकौशल डीलर कटारिया फार्मास्यूटिकल ने सितंबर में चेन्नई की कंपनी श्री सन फार्मा से कोल्ड्रिफ सिरप की 660 बोतल मंगवाई थी। इनमें से 594 छिंदवाड़ा की तीन अलग-अलग मेडिकल शाप आयुष फार्मा, न्यू अपना फार्मा और जैन मेडिकल एवं जनरल स्टोर में सप्लाई की गई। बाकी 66 सिरप डीलर ने अपने ऑफिस में रख ली थी। ड्रग कंट्रोलर के निर्देश पर जबलपुर ड्रग इंस्पेक्टर शरद कुमार जैन ने शुक्रवार को नौदरा ब्रिज स्थित कटारिया फार्मास्यूटिकल ऑफिस में जांच की है। शरद कुमार जैन ने बताया कि श्री सन फार्मा कंपनी की डीलरशिप महाकौशल में सिर्फ एक ही है। इस कंपनी की सिरप कोल्ड्रिफ मध्यप्रदेश में कहीं भी सप्लाई नहीं होती। छिंदवाड़ा में भी यह सिरप सिर्फ 3 मेडिकल शॉप पर ही भेजी जाती थी।

9 बच्चों की मौत कैसे हुई? क्या कफ सिरप में ही गड़बड़ी थी? या फिर कुछ और वजह है, यह जानने के लिए केंद्र और राज्य से लेकर जिला स्तर की टीम अलग-अलग जांच कर रही हैं।

सीडीएससीओ दिल्ली की टीम कफ सिरप की मैन्यूफैक्चरिंग को लेकर जांच कर रही है। एक टीम चेन्नई में तो दूसरी छिंदवाड़ा में डेरा डाले हुए है। एक जांच टीम स्टेट ड्रग कंट्रोलर के निर्देश पर बनी है। इसमें डीआई शरद कुमार जैन (जबलपुर), देवेंद्र कुमार जैन (जबलपुर), स्वप्निल सिंह (बालाघाट), वैष्णवी तलवारे और गौरव शर्मा (छिंदवाड़ा) शामिल हैं।

यह टीम 7 दिन के भीतर जांच कर अपनी रिपोर्ट भोपाल मुख्यालय में पेश करेगी। साथ ही छिंदवाड़ा सीएमएचओ के निर्देश पर बनी एक टीम यह पता लगा रही है कि सिरप को अभी तक कितने बच्चों ने उपयोग किया है।

कटारिया फार्मास्यूटिकल के पास पिछले 20 सालों से श्री सन फार्मा चेन्नई की डीलरशिप है। इसमें अलग-अलग तरह के सिरप मंगाए जाते हैं। छिंदवाड़ा में कंपनी के रिप्रेजेंटेटिव मैनेजर सतीष वर्मा हैं। उनके ऑर्डर पर ही कोल्ड्रिफ सिरप मंगवाकर भेजे जाते थे। इस बार भी कफ सिरप की डिमांड आई थी। जिसमें से कुछ सिरप भेजे गए हैं। बाकी ऑफिस में रखे हैं। छिंदवाड़ा में कंपनी का ऑफिस भी खुला है। इस वजह से वहां से अधिक मांग इस सिरप की आती है।

डीलर राजपाल कटारिया का कहना है कि आज तक कभी भी इस कंपनी के सिरप या फिर दवाएं से कभी भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। यह जांच का विषय है कि क्या वाकई में कफ सिरप पीने से ही बच्चों की हालत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई।

डायरेक्टेड जनरल ऑफ हेल्थ सर्विस सेंटर ड्रग स्टैंडर्ड सेंट्रल ऑर्गेनाइजेशन के ड्रग कंट्रोलर ने 18 दिसंबर 2023 को सभी राज्यों को भेजे पत्र में लिखा था कि क्लोरफेनिरामाइन मैलिएट आईपी 2एमजी प्लस फिनाइलेफ्राइन एचसीएल 5 एमजी ड्रॉप 4 साल से कम उम्र के बच्चों को यह सिरप नहीं दी जा सकती है। इसे बनाने वाली फर्म को दवा के लेवल पर यह चेतावनी लिखनी होगी।

केंद्र से लेकर राज्य की टीम मामले में एक्टिव वहीं, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी), केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त टीम ने घटनास्थल का दौरा किया है। टीम ने राज्य के अफसरों के साथ मिलकर कफ सिरप समेत कुल 6 सैंपल लिए। जांच रिपोर्ट में इनमें से किसी भी सैंपल में डाईएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) या एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) नहीं पाया गया।

इधर, राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एसएफडीए) ने कुल 13 सैंपल कलेक्ट किए। इनमें से सिर्फ 3 सैंपल डीफ्रोस्ट सिरप, वॉक्स एमडीएस सिरप और आल्टो ई सिरप की रिपोर्ट सामने आई। अभी कोल्ड्रिफ और नेक्सा-डीएस के अलावा 8 और सैंपल की रिपोर्ट आनी बाकी है।

एसएफडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को एक हाई-लेवल मीटिंग हुई है। जिसमें राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी), केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के प्रतिनिधियों के साथ मध्यप्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग और राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एसएफडीए) के अधिकारी मौजूद रहे। इस पूरे मामले की निगरानी के लिए एक संयुक्त टीम गठित की गई है।

जबलपुर केमिस्ट एसोसिएशन के पूर्व सचिव चंद्रेश जैन का कहना है कि दवा जीवनरक्षक होती है। ऐसे में किसी दवा से मृत्यु होने का कारण आसानी से नहीं बताया जा सकता है।

9 बच्चों की मौत वाले कफ सिरप में 48% जहर

छिंदवाड़ा में 9 बच्चों की मौत की वजह बताए जा रहे कफ सिरप में जहरीले केमिकल की मिलावट है। तमिलनाडु सरकार ने इसकी पुष्टि कर दी है। तमिलनाडु के ड्रग डिपार्टमेंट के अधिकारियों की जांच में श्रीसन कंपनी की कांचीपुरम यूनिट में हुई जांच में खुलासा हुआ है कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप में 48.6% डाईथाइलीन ग्लॉयकाल की मिलावट है। यह एक जहरीला केमिकल है।

तमिलनाडु सरकार ने इसके बाद कोल्ड्रिफ कफ सिरप के प्रोडक्शन और सेल पर प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें कि कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप की वजह से मप्र के छिंदवाड़ा के परासिया ब्लॉक के 9 बच्चों की मौत हो गई। इसके अलावा कई बच्चों का इलाज चल रहा है। इधर, मध्यप्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि 12 दवाइयों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। तीन दवाइयों की जांच रिपोर्ट में कोई हानिकारक तत्व नहीं मिले।

तमिलनाडु सरकार के आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप के जिस बैच नंबर SR–13 को बच्चों की मौत के लिए संदिग्ध माना जा रहा है, उसे बनाने में दूषित केमिकल का इस्तेमाल हुआ है। तमिलनाडु ड्रग डिपार्टमेंट ने इस बैच की दवाओं के लिए सैंपल जांच के लिए भेजे थे, 24 घंटे में इसकी रिपोर्ट आ गई।

कांचीपुरम जिले के सुंगुवर्चत्रम में स्थित श्रीसन (sresan) फार्मास्यूटिकल की यूनिट से कोल्ड्रिफ सिरप (बैच नंबर SR-13) जब्त किया गया। जांच में पता चला कि इसमें नॉन-फार्माकॉपिया ग्रेड प्रोपीलीन ग्लाइकॉल का इस्तेमाल हुआ, जो संभवतः डायथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल से दूषित था। दोनों ही केमिकल किडनी को नुकसान पहुंचाने वाले जहरीले पदार्थ हैं।

जैसे ही सैंपल चेन्नई की सरकारी ड्रग्स टेस्टिंग लैब में भेजे गए, वहां से 24 घंटे में रिपोर्ट दी गई। इसमें पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप का यह बैच 48.6% w/v DEG से जहरीला और 'Not of Standard Quality' है। जबकि अन्य चार दवाओं (रेस्पोलाइट D, GL, ST और हेप्सैंडिन सिरप) को स्टैंडर्ड क्वालिटी पाया गया। पूरे तमिलनाडु में कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री-वितरण पर तुरंत रोक लगाई गई। सभी ड्रग इंस्पेक्टर्स को थोक और रिटेल दुकानों से स्टॉक फ्रीज करने का आदेश दिया।ओडिशा और पुडुचेरी के अधिकारियों को भी अलर्ट किया गया।कंपनी को स्टॉप प्रोडक्शन ऑर्डर जारी कर दिया गया। मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस कैंसिल करने के लिए शो-कॉज नोटिस भी भेजा गया।

तमिलनाडु सरकार ने रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि मध्यप्रदेश सरकार की ड्रग कंट्रोल अथॉरिटी ने 1 अक्टूबर को 3.37 बजे कोल्ड्रिफ कफ सिरप की सूचना भेजी थी। 1 और 2 अक्टूबर को तमिलनाडु में सरकारी छुट्टी थी। इसके बावजूद हमने 27 मिनट के भीतर इस पर एक्शन लिया और जांच के आदेश जारी किए।

चीन की चालबाजियों से निपटने का फुलप्रूफ मिशन!

ब्रह्मपुत्र टनल प्रोजेक्ट को जल्द मिल सकती है कैबिनेट की मंजूरी

असम में नुमालिगढ़ और गोहपुर के बीच देश की पहली पानी के नीचे सुरंग बनने जा रही है। करीब 6,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह परियोजना ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे बनाई जाएगी और पूर्वोत्तर के लिए रणनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है।

असम में जल्द ही देश का पहला पानी के नीचे बनने वाला सुरंग मार्ग हकीकत बनने जा रहा है। नुमालिगढ़ और गोहपुर के बीच प्रस्तावित इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है। करीब 6,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह सुरंग भारत में पहली बार किसी बड़ी नदी के नीचे बनाई जाएगी। परियोजना के डीपीआर को केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की आधारभूत संरचना समिति के समक्ष पेश किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं।

क्यों महत्वपूर्ण है ये सुरंग

यह सुरंग रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। क्योंकि यह क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश के करीब है, जो चीन की सीमा से सटा हुआ है। सुरक्षा और संपर्क दोनों दृष्टियों से यह परियोजना पूर्वोत्तर भारत के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि डीपीआर तैयार है और जल्द ही इसे केंद्र सरकार के समक्ष मंजूरी के लिए रखा जाएगा। परियोजना को नेशनल हाईवे एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा लागू किया जा रहा है। इस सुरंग परियोजना की तकनीकी समीक्षा प्रोजेक्ट अप्रेजल एंड टेक्निकल स्क्रूटनी कमेटी ने की है। परियोजना की जटिलता और पैमाने को देखते हुए इसके निर्माण में करीब पांच वर्ष का समय लगने की उम्मीद है।

33.7 किलोमीटर होगी लंबाई

प्रारंभिक सर्वेक्षण के अनुसार, सुरंग और सड़क सहित परियोजना की कुल लंबाई लगभग 33.7 किलोमीटर होगी। यह सुरंग ब्रह्मपुत्र नदी की तलहटी से करीब 32 मीटर नीचे बनाई जाएगी, जिससे इसके इंजीनियरिंग स्तर की भव्यता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस परियोजना को लेकर राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने भी मंजूरी दे दी है। हालांकि उसने यह शर्त रखी है कि मिट्टी की स्थिरता, भूजल प्रवाह, तलछट संरचना और भूकंपीय गतिविधियों पर परियोजना के प्रभाव का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाए।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस परियोजना को लेकर अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा था कि मैंने सोचा कि जब पहाड़ों के बीच अटल टनल बन सकती है तो ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे क्यों नहीं? दिल्ली में चर्चा के दौरान मुझे बताया गया कि यह संभव है। फिर हमने तय किया कि यह सुरंग नुमालिगढ़ और गोहपुर के बीच बनेगी, जहां से ट्रेनें और वाहन दोनों चल सकेंगे। इससे ब्रह्मपुत्र के उत्तर और दक्षिण तट एक-दूसरे के और करीब आएंगे।

तालिबान ने पाकिस्तान को छोड़ भारत को चुना, काबुल से दोस्ती का संदेश

तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अभी तक दुबई और काबुल में मुलाकात होती रही है और ये पहली बार होगा, जब तालिबान के शीर्ष नेतृत्व का कोई अधिकारी भारत आ रहा हो। इसीलिए आमिर खान मुत्ताकी का दिल्ली दौरा सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है। दक्षिण एशिया की जियो-पॉलिटिक्स पर इसके असर होंगे।

15 अगस्त 2021 को जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था तो भारतीय अधिकारी काबुल स्थिति दूतावास बंदकर दिल्ली लौट आए थे। उस वक्त माना गया कि अफगानिस्तान का दरवाजा अब दिल्ली के लिए हमेशा के लिए बंद हो गया है। लेकिन आज करीब चार सालों के बाद तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी 9 अक्टूबर को भारत आ रहे है। ऐसा शायद ही किसी ने सोचा होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मुत्ताकी के दिल्ली दौरे को मंजूरी दे दी है।

तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अभी तक दुबई और काबुल में मुलाकात होती रही है और ये पहली बार होगा, जब तालिबान के शीर्ष नेतृत्व का कोई अधिकारी भारत आ रहा हो। इस साल की शुरूआत में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुत्ताकी से टेलीफोन पर बात की थी और इस साल जून में, भारत ने हैदराबाद स्थित अफगान वाणिज्य दूतावास का नियंत्रण तालिबान की तरफ से नियुक्त किए गये मोहम्मद रहमान को वाणिज्य दूतावास प्रतिनिधि के रूप में सौंप दिया था।

अफगानिस्तान में आने वाले हर आपदा के समय भारत प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश रहा है। हालिया भूकंप के समय भी भारत ने तत्काल राहत सहायता भेजी थी। इसके अलावा अफगान नागरिकों और भारतीय नागरिकों के बीच का रिश्ता भी काफी मजबूत है और ये एक बड़ी वजह है, जिसने तालिबान को भारत के साथ रिश्ता मजबूत करने को मजबूर किया है। नई दिल्ली ने करीब 50,000 टन गेहूं, 330 टन दवाइयां और अन्य खाद्य एवं आश्रय सामग्री अफगान जनता तक पहुंचाई है, जबकि सितंबर के भूकंप के तुरंत बाद राहत सामग्री भेजना भी भारत की अफगानिस्तान को लेकर तत्परता को दर्शाता है। भारत जानता है, कि अफगानिस्तान उसके लिए कितना महत्वपूर्ण है, खासकर उस वक्त जब तालिबान और पाकिस्तान बार बार युद्ध के मुहाने पर खड़े हो रहे हैं। तालिबान और पाकिस्तान के बीच का रिश्ता चीन की मध्यस्थता के बावजूद निम्नतम स्तर पर है।

पाकिस्तान के साथ तालिबान के रिश्ते खराब होने के पीछे कई वजहें हैं। दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान को अपना प्रॉक्सी माना और उन्हें आश्रय, हथियार और वित्तीय सहायता दी। लेकिन पाकिस्तान ने इसके साथ ही अफगानिस्तान को अपना पांचवां राज्य भी मानना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने अफगानों को अपना गुलाम मानना शुरू कर दिया और पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान की विदेश नीति इस्लामाबाद से तय हो। जिसे मानने से तालिबान ने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद दिसंबर 2024 में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में भीषण हवाई हमला करते हुए दर्जनों अफगानों को मार डाला और पाकिस्तान में रहने वाले लाखों अफगानों को देश से बाहर कर दिया। तालिबान ने अफगान शरणार्थियों को बाहर निकालने की घटना को पाकिस्तान का विश्वासघात माना है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा, जिसे डूरंड लाइन कहा जाता है, उसपर भी पाकिस्तान और तालिबान के बीच विवाद है। तालिबान ने डूरंड लाइन पर पाकिस्तान की तरफ से लगाए गये बाड़ को उखाड़ फेंका है।

तालिबान, भारत को लेकर अफगानों के दिल में प्यार को महसूस कर रहा है। इसके अलावा तालिबान, पाकिस्तान की हरकतों से परेशान रहा है। तालिबान भी अफगानिस्तान में विकास चाहता है और वो चाहता है कि भारत, अफगानिस्तान में चलाए जा रहे अपने डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करे। इसीलिए तालिबान ने कई दफे भारत को अपना सहयोगी कहकर संबोधित किया है। तालिबान ने पहलगाम आतंकी हमले की ना सिर्फ आलोचना की थी, बल्कि भारत के 'जवाब देने के अधिकार' का भी समर्थन किया था। भारत ने अफगानिस्तान में 2000 के दशक से संसद भवन, सड़कें, बांध और स्कूल बनाने जैसे विकास कार्यों में योगदान दिया है। साथ ही, चाबहार पोर्ट के माध्यम से पाकिस्तान के बंदरगाह कनेक्शन को बायपास कर अफगानिस्तान को समुद्री मार्ग उपलब्ध कराना भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भारत ने तालिबान के साथ औपचारिक मान्यता दिए बिना बातचीत कर संतुलन बनाए रखा है। उमर वज़िरी ने कहा है कि तालिबान का भारत को लेकर सकारात्मक नजरिया न सिर्फ पाकिस्तान के लिए चेतावनी है, बल्कि दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में बहुत बड़े बदलाव का संकेत भी देता है। पाकिस्तान की नीतियों, अफगानिस्तान में हवाई हमले, अफगान शरणार्थियों को बेइज्जत कर बाहर निकालना, सीमा विवाद ने पाकिस्तान को लेकर तालिबान के विश्वास को खत्म कर दिया है। जबकि भारत की दीर्घकालिक मदद, व्यापारिक विकल्प और सम्मानजनक संवाद तालिबान को पाकिस्तान की पकड़ से आजाद कर रहे हैं। मुत्ताकी की नई दिल्ली यात्रा इस बदलाव का प्रतीक बन गई है, जिससे साफ संदेश जाता है कि अफगानिस्तान अब पाकिस्तान की छाया से बाहर निकल कर भारत की तरफ बढ़ रहा है।

लाहौर की शान रहा शायर जिसने गुमनामी में त्याग दिए प्राण

9 नवंबर, 1921 को लाहौर के मियां मीर रेलवे स्टेशन पर जब महात्मा गांधी उतरे, तो लगा कि पूरा पंजाब ही उनके स्वागत में वहां उमड़ आया हो। पूरा शहर गेंदे के फूलों से मुअत्तर सजा था। हर कदम पर लोग माला लिए गांधीजी के स्वागत में खड़े थे। बड़ी मुश्किल से वे लाला लाजपत राय के घर पहुंचे। उन्हीं के निमंत्रण पर गांधीजी लाहौर आए थे। शाम में 'नेशनल कॉलेज', लाहौर का पहला दीक्षांत समारोह था लाहौर के 'ब्रेडलॉ हॉल' में। उसी साल मई, 1921 में नैशनल कॉलेज की स्थापना हुई थी।

नोटबुक खोलने की जगह नहीं: दोपहर में महिलाओं की एक सभा को संबोधित कर गांधीजी का काफिला लगभग ढाई बजे के आसपास ब्रेडलॉ हॉल की तरफ बढ़ा। उधर ब्रेडलॉ हॉल में लाला लाजपत राय दीक्षांत समारोह की तैयारी देखने के लिए गांधीजी के आने से पहले पहुंचे, तो उनको खुद अंदर पहुंचने में बहुत मशक्कत करनी पड़ी। हॉल के अंदर भी भीड़ का ये आलम था कि एक पत्रकार ने लिखा, हॉल में नोटबुक खोलकर लिखने तक की जगह नहीं थी।

लालाजी की धमकी: लाजपत राय परेशान हो गए। गांधीजी के वहां पहुंचने का समय हो रहा था। वे मंच पर माइक लेकर लोगों से शांत रहने, सीट की संख्या के हिसाब से बैठ जाने का आग्रह करने लगे। परंतु कोई उनकी सुननेवाला नहीं था। उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि मैं देख सकता हूं, पंजाब अभी स्वराज के लिए तैयार नहीं है। गुस्सा बढ़ा, तो कहने लगे, यदि यहां व्यवस्था बहाल नहीं हुई, तो कार्यक्रम ही स्थगित कर देंगे। शायर का कमाल: तभी आयोजकों में से एक ने लाहौर के एक युवा शायर को अपनी कविता सुनाने के लिए मंच पर बुलाया। उस शायर ने अपनी पगड़ी संभाली और पहला ही शेर पढ़ा कि सारा ब्रेडलॉ हॉल ऐसे शांत हुआ, जैसे किसी ने जादू की छड़ी घुमा दी हो । पहला शेर था-

एजाज-ए-क़ौम, माया-ए-जान-ए-वतन है तू/ क्यूं ख़म न हो जहां का सर तेरे रू-ब-रू ।

वह भारत का लाल, हिंद का फरजंदे- अर्जमंद / है आज भी मेहर-ओ- माह से रुतबा तेरा बुलंद।।

लाला लाजपत राय को जैसे यकीन ही नहीं हुआ कि वही लोग जो कुछ पल पहले कुछ सुनने-समझने को तैयार नहीं थे, अब ऐसे

सम्मोहित स्तंभित थे जैसे बुत खड़े हों। उसी गजल के पढ़े जाते हुए महात्मा गांधी ने ब्रेडलॉ हॉल में प्रवेश किया। पूरा हॉल फिर 'महात्मा गांधी की जय' के नारों से गुंजायमान हो गया।

ब्रेडलॉ हॉल में जादू करने वाले उस शायर का नाम था लालचंद फलक। उन्होंने गांधीजी की प्रशंसा में एक लंबी गजल लिखी थी, जिसका शीर्षक था 'शेरदिल गांधी। वे सिर्फ शायर नहीं थे, क्रांतिकारी थे, पत्रकार थे और प्रकाशक भी। पंजाब में क्रांति फैलाने के आरोप में कई बार जेल जा चुके थे। लेकिन प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद अंग्रेजों ने जिन कैदियों को रिहा किया था, उनमें एक लालचन्द फलक भी थे।

गांधीजी ने उस दिन लाहौर के 'नेशनल कॉलेज' के पहले बैच के सफल छात्रों को उपाधि दी। उस कॉलेज में स्वदेशी शिक्षा दी जा रही थी भारत का सुनहरा भविष्य बनाने के लिए। पढ़ाई का माध्यम था हिंदुस्तानी। पढ़ाने वाले प्राध्यापक ऑक्सफर्ड और दुनिया के अन्य प्रतिष्ठित कॉलेजों से पढ़कर आए थे। इसी कॉलेज में दो साल बाद सरदार भगत सिंह भी आए छात्र बनकर और जब भगत सिंह ने 'नौजवान भारत सभा' की स्थापना की, तब उनकी मदद करने वालों में लाल चंद फलक भी थे, जो भगत सिंह के पिता और चाचा के मित्र थे।

जब देश आजाद हुआ और बंट गया दो हिस्सों में, तब लाहौर की शान रहे लाल चंद फलक शरणार्थी के रूप में दिल्ली आने को मजबूर हुए, जहां गुमनामी में उनका निधन साल 1967 में हुआ। अपनी शायरी में फलक साहब अल्लामा इक़बाल की परंपरा के शायर माने जाते थे। 'शेरदिल गांधी' गजल में पहले शेर के मिसरा ए ऊला का दूसरे शेर के मिसरा ए ऊला के साथ और उसी तरह दो अलग शेरों के मिसरा ए सानी का जो युग्म फलक साहब ने बनाया है। महात्मा गांधी पर इस तरह का क़सीदा लिखने वाला कोई दूसरा शायर नहुआ- करते हैं वसफ तेरी शुजात का लोग कुल/ सिदक-ओ-सफा के तूने खिलाए हैं खूब गुल । ज़िन्दा किया है तूने ज़माने में नाम-ए-हिन्द /निगहत से हो गया है मुअत्तर मशाम-ए-हिन्द।।

तू एक मुहब्ब-ए-मुल्क है इंसां का खैरख़्वाह/ सब रहरवान-ए-मंजिल-ए-हस्ती की नेक राह। एहसान कुल जहां पे है बेश-ओ-कम तेरे/ दिखलाएंगे चमक के ये नक्शे कदम तेरे।।

कल शरद पूर्णिमा और 7 अक्टूबर को स्नान-दान की पूर्णिमा

शरद पूर्णिमा, जिसे कोजागरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, ये पर्व आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से युक्त होकर पृथ्वी पर अमृत वर्षा करता है। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की विशेष पूजा करने की परंपरा है। इस साल आश्विन पूर्णिमा 6 और 7 अक्टूबर को रहेगी। इस साल पंचांग की गणना के अनुसार, आश्विन पूर्णिमा तिथि दो दिन पड़ रही है, इस कारण व्रत-पर्व की तारीख को लेकर पंचांग भेद हैं। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब कोई तिथि सूर्योदय के बाद शुरू होती है और अगले दिन सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाती है या दो अलग-अलग दिनों को स्पर्श करती है।

पूर्णिमा तिथि का आरंभः 6 अक्टूबर, सोमवार को सुबह करीब 11 बजे से।

पूर्णिमा तिथि का समापनः 7 अक्टूबर, मंगलवार को सुबह करीब 9:10 बजे तक।

चूंकि शरद पूर्णिमा पर्व रात्रि व्यापिनी पूर्णिमा (वह पूर्णिमा जो रात में रहती है) में मनाया जाता है, इसलिए ये पर्व 6 अक्टूबर को मनाया ज्यादा श्रेष्ठ है, क्योंकि इसी तारीख की रात में पूर्णिमा तिथि रहेगी, जबकि 7 तारीख को सुबह 9.10 बजे ही पूर्णिमा तिथि खत्म हो जाएगी।

स्नान और दान की पूर्णिमा 7 अक्टूबर को

पूर्णिमा तिथि अगले दिन 7 अक्टूबर की सुबह सूर्योदय के समय भी रहेगी, इसलिए इस दिन स्नान, दान और तर्पण करना चाहिए। 7 तारीख को पवित्र नदियों में स्नान करें और स्नान के बाद दान-पुण्य करें।

शरद पूर्णिमा पर क्या करें

शरद पूर्णिमा की रात को धार्मिक और स्वास्थ्य दोनों ही दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन किए गए कार्यों का विशेष फल प्राप्त होता है।

मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का करें अभिषेक

शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा भी कहते हैं। इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और देखती हैं कि 'को जागृति' (कौन जाग रहा है)। जो भक्त रात भर जागकर लक्ष्मी जी और भगवान विष्णु का ध्यान-पूजन करते हैं, उन पर मां की विशेष कृपा बरसती है और घर में सुख-समृद्धि आती है। इसलिए शरद पूर्णिमा की रात भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का विशेष अभिषेक जरूर करें। पूजन में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को कमल का फूल, सफेद वस्त्र, फल, और खीर अर्पित करें।

चंद्रमा की चांदनी में खीर रखें और फिर सेवन करें

इस रात चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से पूर्ण होता है और माना जाता है कि इसकी किरणें औषधीय गुणों से युक्त अमृत के समान होती हैं। गाय के दूध से बनी खीर को खुले आसमान के नीचे (छलनी से ढक कर) चंद्रमा की चांदनी में रखें। बाद में प्रसाद के रूप में इसे ग्रहण करें। ये खीर शरीर को निरोगी बनाने वाली मानी जाती है।

चंद्र देव को अर्घ्य दें और मंत्र जप करें

चंद्रोदय होने पर चंद्र देव को दूध, जल, चावल और सफेद फूल मिलाकर अर्घ्य दें। चंद्रमा के लिए ऊँ सों सोमाय नमः' या ऊँ श्रीं श्रीं चंद्रमसे नमः मंत्र का जप करें।

दीपदान और दान-पुण्य करें

इस दिन दीपदान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। किसी पवित्र नदी में या मंदिर में दीप जलाकर प्रवाहित करें। इससे माता लक्ष्मी और पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

शरद पूर्णिमा को इन 4 राशि वालों पर होगी लक्ष्मी कृपा

शरद पूर्णिमाः 4 राशिवालों का शुरू होगा गोल्डन टाइम

वृषभः टैरा कार्ड के अनुसार शरद पूर्णिमा का दिन वृषभ राशिवालों के लिए शुभ साबित होगा। इस दिन आपको माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आपकी आय के स्रोत बढ़ेंगे और धन आगमन होगा। जो लोग नई जॉब की तलाश कर रहे हैं, उनको शरद पूर्णिमा के दिन खुशखबरी मिल सकती है। किसी संस्थान से आपको नई नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है। इससे आपके वेतन में वृद्धि होने का उम्मीद है।

शरद पूर्णिमा के अवसर पर आपके पद और प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी की संभावना है। कार्यस्थल पर आपका प्रभाव बढ़ सकता है। इस दिन विदेश यात्रा का सपना पूरा हो सकता है। बड़े संस्थान में दाखिला का मार्ग खुल सकता है। यह दिन आपके जीवन में उन्नति के मौके लेकर आने वाला है। आपको इन मौकों को हाथ से जाने नहीं देना चाहिए। इस दिन जो कार्य करेंगे, उसमें सफलता की उम्मीद है।

सिंहः शरद पूर्णिमा का दिन सिंह राशिवालों के जीवन में खुशखबरी लाने वाला है। काफी समय से आपको जिस नौकरी की तलाश थी, उससे जुड़ा कोई प्रस्ताव आपको मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों के दोनों हाथों में लड्डू है। एक तरफ वर्तमान जॉब में प्रमोशन मिल सकता है, वहीं दूसरी तरफ आपकी नई जॉब भी लग सकती है। हालांकि आपको सोच विचार करके सही निर्णय लेना होगा। जल्दीबाजी से काम खराब हो सकता है।

वृश्चिकः शरद पूर्णिमा पर वृश्चिक राशिवालों के लिए स्थान परिवर्तन का योग बन रहा है। इस दिन आपको नौकरी में ट्रांसफर की सूचना मिल सकती है। आपको नई जगह पर नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आपका प्रमोशन होगा और सैलरी भी बढ़ सकती है। उस स्थान पर लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। यह ट्रांसफर आपके लिए भाग्योदय का काम कर सकता है। नए लोगों का साथ सफलता का मार्ग खोलने वाला होगा।

मकरः शरद पूर्णिमा के दिन मकर राशिवालों के लिए भी ट्रांसफर का योग बन रहा है। यह आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है। इस दिन आपको कोई सरप्राइज भी मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। इस दिन आप कोई नई जॉब या नया काम करना चाहते हैं तो आपके लिए शुभ और सफलतादायक हो सकता है।

रोजाना बस एक इलाइची.... खुल जाएंगे बंद किस्मत के ताले

हमारे जीवन में कई बार ऐसा होता है कि मेहनत करने के बावजूद मनचाही सफलता हाथ नहीं लगती। रिश्तों में कड़वाहट आ जाती है और जीवन में नकारात्मकता बढ़ने लगती है। भारतीय परंपरा में ऐसे समय में घरेलू नुस्खे और टोटके अपनाने की सलाह दी जाती है। इन्हीं में से एक है इलायची से जुड़े उपाय। इलायची सिर्फ स्वाद और सुगंध बढ़ाने वाली मसाला नहीं है बल्कि तंत्र शास्त्र और धार्मिक दृष्टिकोण से यह सकारात्मक ऊर्जा का वाहक भी मानी जाती है। इलायची के सरल और आसान टोटके आपके जीवन की दिशा बदल सकते हैं।

ज्योतिषियों के अनुसार इलायची को चाय, मिठाई और भोजन में स्वाद और महक के लिए डाला जाता है। लेकिन तंत्र शास्त्र के अनुसार, इलायची सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपकी सोई हुई किस्मत को भी जगा सकती है। कहा जाता है कि इलायची में इतनी शक्ति है कि यह व्यक्ति के भाग्य को संवार सकती है और रिश्तों में मिठास घोल सकती है।अगर आप मेहनत के बावजूद सफलता नहीं पा रहे हैं तो इलायची का एक सरल उपाय किया जा सकता है।

इसके लिए आपको हर रोज हरी इलायची लेकर उसे हरे कपड़े में बांधना होगा और फिर उसे रात में सोते समय अपने तकिए के नीचे रखना होगा। अगले दिन सुबह उठकर वह इलायची किसी बाहरी व्यक्ति को खाने के लिए दे दें। यह उपाय निरंतर करने से आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगेंगे और कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने लगेगी। इस प्रयोग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और मेहनत का फल मिलने में आ रही बाधाओं को समाप्त करता है। इलायची का दूसरा उपाय वैवाहिक जीवन की मधुरता के लिए किया जाता है। अगर पति-पत्नी के बीच प्रेम धीरे-धीरे कम हो रहा है, तो शुक्रवार के दिन यह टोटका बहुत असरदार साबित हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान करें और तीन इलायचियों को अपने शरीर से स्पर्श कराएं।

इसके बाद उन इलायचियों को किसी रूमाल या पल्लू में बांधकर पूरे दिन अपने पास रखें। अगले दिन यानी शनिवार की सुबह इन इलायचियों को पीसकर किसी मिठाई या व्यंजन में मिलाकर अपने जीवनसाथी को खिलाएं। यह प्रक्रिया लगातार तीन शुक्रवार तक करें। ऐसा करने से रिश्तों में प्यार और मधुरता बढ़ेगी और पति-पत्नी के बीच की दूरियां कम हो जाएंगी।

इलायची को कई अन्य धार्मिक कार्यों में भी उपयोगी माना गया है। पूजा-पाठ में इसका प्रयोग वातावरण को पवित्र और सुगंधित बनाने के लिए किया जाता है। तंत्र शास्त्र के अनुसार, इलायची का सेवन और इसका प्रयोग व्यक्ति की मानसिक शांति के लिए लाभकारी होता है। यह आत्मविश्वास को बढ़ाती है और व्यक्ति के अंदर सकारात्मक सोच को जागृत करती है। यही कारण है कि इसे सफलता और सुख-शांति का प्रतीक माना जाता है।

दीपावली से पहले घर की रंगाई पुताई शुरू, चुनें समृद्धिदायक रंग

दीपावली का पर्व आने वाला है और उससे पहले घर की रंगाई पुताई और साज-सज्जा का कार्य शुरू हो जाते हैं। अगर आप भी घर पर रंगाई पुताई का काम शुरू करने वाले हैं तो वास्तु या फेंगशुई के ये टिप्स आपके जरूर काम आएंगे। अगर आप दिशा के अनुसार इन समृद्धिदायक रंग को चुनते हैं तो ये रंग ना सिर्फ आपके घर की सजावट में चार चांद लगाएंगे बल्कि इन रंग के प्रभाव से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहेगा और सालभर खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहेगी।

लिविंग रूम के लिए रंग

घर का लिविंग रूम यानी बैठक कक्ष सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है इसलिए यहां की दिवारों पर सफेद, क्रीम, भूरा, गुलाबी रंग सबसे अच्छा माना जाता है। आप लिविंग रूम के लिए इन रंगों के पर्दे या तकिए के कवर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

किचन के लिए रंग

किचन में रंगाई पुताई करवाते समय जरूर ध्यान दें कि यहां केवल आप सफेद रंग का प्रयोग करें। हालांकि यह रंग बहुत जल्दी गंदा हो जाता है लेकिन नियमित तौर पर सफाई करने से यह रंग सकारात्मक ऊर्जा देता है। किचन में सफेद रंग का प्रयोग करने से धन धान्य की कमी नहीं होती है और घर के सदस्यों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

बेडरूम के लिए चुनें यह रंग

बेडरूम बहुत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यहां दिनभर की थकान से मुक्ति मिलती है। बेडरूम के लिए आप इस बार दिवाली पर हल्के रंग का प्रयोग करें, जैसे – गुलाबी, आसमानी, क्रीम रंग, हल्का हरे रंग का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे कमरे में

पॉजिटिव एनर्जी बनी रहेगी और आपका मन भी प्रसन्न रहेगा। साथ ही इन रंग का प्रयोग करने से दांपत्य जीवन भी मजबूत रहता है।

बाथरूम के लिए चुनें यह रंग

शौचालय या बाथरूम के लिए दिवाली पर इस बार सफेद या गुलाबी रंग का प्रयोग करना सबसे उत्तम रहेगा। खासतौर पर बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग करें, ऐसा करने से घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार होगा और स्वास्थ्य संबंधी समस्या से भी मुक्ति मिलेगी। साथ ही आंतरिक तौर पर आप हल्का महसूस करेंगे और प्रसन्न होंगे।

रंगाई पुताई करवाते समय इन बातों को ना करें नजरअंदाज

– बहुत गहरे या काले रंगों का अधिक इस्तेमाल ना करें, ये घर की रोशनी और सकारात्मकता को कम करते हैं।

शरद पूर्णिमा पर ये दान खोल सकते हैं बंद किस्मत के बंद दरवाजे

शास्त्रों के अनुसार, शरद पूर्णिमा पर किए गए दान से मां लक्ष्मी और चंद्र देव दोनों की कृपा प्राप्त होती है।

खीर का दान- शरद पूर्णिमा पर चांदनी में रखी गई खीर को प्रसाद मानकर दान करना सबसे उत्तम माना जाता है। मान्यता है कि इस खीर में अमृत के गुण समाहित होते हैं। मां लक्ष्मी को खीर अत्यंत प्रिय है। इसका दान करने से आपके घर में अन्न-धन की कमी कभी नहीं होती और परिवार में सुख-समृद्धि आती है।

चावल और गेहूं का दान- चावल का संबंध सीधे चंद्रमा से है, जो मन, शीतलता और समृद्धि के कारक हैं। गेहूं का दान सूर्य देव का आशीर्वाद दिलाता है। दोनों का दान करने से आपकी कुंडली में चंद्रमा और सूर्य की स्थिति मजबूत होती है।

सफेद वस्त्र का दान- इस दिन सफेद वस्त्र, जैसे धोती, कुर्ता, या कंबल का दान करना बहुत शुभ होता है। सफेद रंग शुद्धता, शांति और चंद्रमा का प्रतीक है। मां लक्ष्मी को सफेद रंग अति प्रिय है। सफेद वस्त्र का दान करने से चंद्रमा से जुड़ी सभी दोष दूर होते हैं।

दीपदान- शरद पूर्णिमा की रात दीपदान करने से जीवन का अंधकार दूर होता है। इस रात किसी पवित्र नदी, मंदिर या तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाकर दान करने को दीपदान कहते हैं। यह न केवल मां लक्ष्मी को प्रसन्न करता है बल्कि पितरों का आशीर्वाद भी दिलाता है।

गुड़- अगर आप कुंडली में गुरु और मंगल की स्थिति मजबूत करना चाहते हैं तो गुड़ का दान अत्यंत लाभकारी है। गुड़ दान करने से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। गुड़ के दान से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सभी प्रकार के रोग-दोष दूर होते हैं।

करवा चौथ पर चंद्रमा की पूजा क्यों है जरूरी?

हर साल करवा चौथ का व्रत वक्रतुण्ड संकष्टी के दिन रखते हैं। उस दिन कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि होती है। यह कार्तिक संकष्टी चतुर्थी भी कहलाती है। करवा चौथ के दिन सुहागन महिलाएं सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं। चांद के निकलने पर चंद्रमा की पूजा करती हैं और अर्घ्य देती हैं। करवा चौथ के व्रत में चंद्रमा की पूजा और अर्घ्य देना जरूरी माना जाता है। काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं कि करवा चौथ व्रत में चंद्रमा पूजा और अर्घ्य न दें तो क्या होगा?

करवा चौथ व्रत में चंद्रमा पूजा और अर्घ्य का महत्व ज्योतिषाचार्य भट्ट का कहना है कि करवा चौथ या संकष्टी चतुर्थी के जितने भी व्रत हैं, उनमें रात के समय में चंद्रमा की पूजा करना और अर्घ्य देना महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बिना व्रत पूर्ण ही नहीं होगा। उसके बिना आप पारण भी नहीं कर सकते हैं।

आप सोचें कि केवल गणेश जी, माता गौरी और शिव जी की पूजा कर लें, लेकिन चंद्रमा की पूजा न करें और अर्घ्य न दें तो व्रत हो गया। ऐसा नहीं है। व्रत तब पूरा होता है, जब आप पारण कर लेते हैं। करवा चौथ व्रत में यह अनिवार्य नियम है कि चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही पति के हाथों जल पीकर व्रत को तोड़ना है।

इसलिए करवा चौथ पर होती है चंद्रमा की पूजा

पौराणिक कथा के अनुसार, गणेश जी को जब हाथी का सिर लगा तो चंद्र देव उनके रूप को देखकर हंसने लगे। यह देखकर गणेश जी अपमानित महसूस करने लगे और क्रोधित हो गए। चंद्रमा को अपनी सुंदरता पर अभिमान था। तब गणेश जी ने चंद्र देव को श्राप दिया कि वे अपनी चमक और सुंदरता खो देंगे। उस श्राप के प्रभाव से चंद्र देव कांतिहीन होने लगे। उनको अपनी भूल का एहसास हुआ तो उन्होंने गणेश जी से क्षमा मांगी और श्राप से मुक्त करने की प्रार्थना की। इस पर गणेश जी ने कहा कि श्राप वापस नहीं हो सकता है, लेकिन आपकी कांति कृष्ण पक्ष में 15 दिन कम होगी और शुक्ल पक्ष में 15 दिन बढ़ेगी। पूर्णिमा पर आप पूर्ण रूप से संसार को प्रकाशमय करेंगे।

इसके साथ ही गणेश जी ने चंद्र देव को आशीर्वाद दिया कि जो भी व्यक्ति कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को व्रत रखेगा और गणपति बप्पा की पूजा करेगा, उसे रात में चंद्रमा की पूजा करके अर्घ्य देना होगा, अन्यथा यह व्रत पूरा नहीं होगा। तब से संकष्टी चतुर्थी यानि हर माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के व्रत में चंद्र पूजा और अर्घ्य देना अनिवार्य हो गया। उसके बाद ही पारण किया जाता है। करवा चौथ व्रत भी कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को रखते हैं।

10 अक्टूबर को है करवा चौथ

इस साल करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर को रखा जाएगा। उस दिन चंद्रोदय रात में 08 बजकर 13 मिनट पर होगा। रात 8:13 बजे से चंद्रमा की पूजा होगी और अर्घ्य दिया जाएगा।

'धनश्री को बहुत पसंद करते थे पवन सिंह'

आहाना कुमरा बोलीं- दोनों का रिश्ता बहुत स्वीट था एक-दूसरे से सब कुछ शेयर करते थे

रिएलिटी शो राइज एंड फॉल से एक्ट्रेस आहाना कुमरा बाहर हो चुकी हैं। अब एक इंटरव्यू में उन्होंने धनश्री और पवन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि पवन और धनश्री का रिलेशनशिप काफी अच्छा है। एक इंटरव्यू में आहाना कुमरा से पूछा गया कि अरबाज पटेल, धनश्री और पवन सिंह के बीच कोई लव ट्राएंगल था? इस पर आहाना ने कहा, ये सवाल आप उनसे पूछें मुझसे क्यों पूछ रहे हैं। मैं तो तब बेसमेंट में चली गई थी। मैं ट्रंक कॉल पर उनसे बात करती थी। हालांकि धनश्री और पवन सिंह की बॉन्डिंग अच्छी थी। आहाना ने कहा- उनका बॉन्ड बहुत स्वीट था। वो धनश्री को बहुत पसंद करते थे। उन दोनों का इतना अच्छा रिलेशनशिप रहा कि धनश्री पवन जी के साथ अपनी चीजें शेयर करती थी और पवन भी अपनी बातें धनश्री को बताते थे। तो यह अच्छी बात है।

आहाना ने पवन सिंह को ट्रस्टी के बेटे कहकर टॉन्ट किया था। इस पर दोनों की लड़ाई भी हो गई थी। इस आहाना ने कहा, मुझे नहीं लगता वो बात इतनी बड़ी थी, जितनी बना दी गई थी। उस समय मैं बहुत अकेला फील कर रही थी, सब मुझ पर चढ़े हुए थे। कोई मुझसे नहीं पूछ रहा था कि आपने क्या कहा। सब एक ही इंसान का पक्ष ले रहे थे, कोई मुझसे नहीं पूछ रहा था कि क्या हुआ, आपने क्या कहा। मुझे तब लग रहा था कि ऐसा मैंने क्या कह दिया था कि सब मुझपर कूद रहे हैं। क्योंकि कुछ कहा होता तो मेकर्स भी उस मौके को दिखाने से नहीं चूकते। मैं तब बहुत कंफ्यूज थी ये लोग कौन सी बात कर रहे हैं। तब वो पल आया जब मैं फूट पड़ी लेकिन तब भी मैंने कोई गाली-गलौच नहीं की। हां एक शब्द कहा जिसका तूल बन गया। लेकिन वो इतना बुरा नहीं था। उससे ज्यादा बुरी चीजें मेरे बारे में कही गई हैं। तब ये लोग कहां रहते हैं जब मुझे बातें सुनाई जाती हैं।

ऋषभ शेट्टी ने दी सालों तक याद रहने वाली परफॉर्मेंस

कांतारा चैप्टर 1, ऋषभ शेट्टी की फिल्म, अब सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म 7 भाषाओं में उपलब्ध है और दर्शकों को एक रहस्यमय और सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है। क्या यह फिल्म अपने पहले भाग की तरह ही दर्शकों को प्रभावित कर पाएगी?

फिल्म की कहानी कैसी है?

फिल्म की कहानी कर्नाटक के काल्पनिक गांव कांतारा और उसके आसपास के जंगलों पर घूमती है। गांववासी मानते हैं कि उनकी रक्षा ईश्वर के गण करते हैं, लेकिन गांव और जंगल की भूमि पर कब्जा करने की लालसा रखने वाला राजा और उसका पुत्र कुलसेखर इस शांति को चुनौती देते हैं।

कुलसेखर की कांतारा के लोगों पर अत्याचार करता है। इस बीच, आदिवासी नेता बर्मे अपने साहस और रणनीति से कुलसेखर की योजना को नाकाम करता है, गुलिका अनुष्ठान से उसकी हत्या करता है।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती, इसके बाद शुरू होता है छल और रणनीति का खेल।

साथ ही, कनकवती (रुक्मिणी वसंत) की सरप्राइज एंट्री और जंगल के देवता पनजुरली की शक्ति कहानी में रोमांच और गहराई जोड़ते हैं। क्लाइमेक्स और अनुष्ठान के सीन दर्शकों को अंत तक बांधते हैं।

फिल्म में एक्टिंग कैसी है?

ऋषभ शेट्टी बर्मे के रूप में पूरी तरह सहज और प्रभावी हैं। ऋषभ ने फिल्म में अपना सबकुछ झोंक दिया है जो उनकी अदाकारी में साफ झलकती है, ये उनका सालों तक याद करने वाला परफॉर्मेंस है। रुक्मिणी वसंत की दमदार परफॉर्मेंस और ग्रे शेड कहानी में नया आयाम जोड़ती है। जयराम और गुलशन देवैया ने भी अपने-अपने किरदारों में वजन और मजबूती दिखाई।

फिल्म में डायरेक्शन और तकनीकी पहलू

ऋषभ शेट्टी ने कहानी का टोन रॉ और रियल रखा है। अरविंद एस. कश्यप की सिनेमैटोग्राफी जंगल और गांव की लोकेशन को शानदार ढंग से कैद करती है। प्रोडक्शन डिजाइन भी बहुत प्रभावशाली है, जिसमें आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को सटीक रूप से दर्शाया गया है। एक्शन सीन्स थ्रिल में रखते हैं, जबकि सही जगह पर डाली गई कॉमेडी सीन फिल्म को हल्का और मनोरंजक बनाते हैं। वहीं कुछ सीन फिल्म की गति को धीमा करते हैं; अगर इन्हें थोड़ा कसा गया होता या हटाया गया होता, तो फिल्म और ज्यादा मनोरंजक बन सकती थी। हिंदी डबिंग में कभी-कभी संवाद और भावनात्मक गहराई पूरी तरह नहीं आती।

फिल्म में संगीत और मनोरंजन

फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत (अजनीश लोकनाथ) शानदार हैं। गाने फिल्म की कहानी और माहौल को और असरदार बनाते हैं।

फिल्म का फाइनल वर्डिक्ट

कांतारा चैप्टर 1 सिर्फ़ फिल्म नहीं, बल्कि अनुभव है। यह लोककथाओं, विश्वास और जंगल के रहस्य को शानदार विज़ुअल्स और दमदार अभिनय के साथ पेश करती है। कुछ ग्राफिक्स दूसरे हाफ में कमजोर हैं, लेकिन समग्र रूप से फिल्म देखने योग्य और रोमांचक है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने आशा भोंसले के पर्सनैलिटी राइट्स सुरक्षित किए

सिंगर की आवाज, नाम और पहचान का बिना अनुमति इस्तेमाल पर लगाई रोक

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सिंगर आशा भोसले के नाम, आवाज और पहचान का बिना अनुमति के इस्तेमाल करने पर रोक लगाई है। अब AI प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और दूसरे बिना अनुमति इनका इस्तेमाल नहीं कर सकते। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने कहा कि AI

टूल्स का इस्तेमाल करके सेलिब्रिटी की आवाज की नकल करना उनके पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन है। ये टूल्स बिना अनुमति उनकी आवाज को बदल और दोहरा सकते हैं, जो उनके पब्लिक और पर्सनल आइडेंटिटी का अहम हिस्सा है।

आशा भोसले ने कोर्ट का रुख तब किया जब उन्होंने देखा कि कई जगह उनका नाम और पहचान गलत तरीके से इस्तेमाल हो रही है। शिकायत में AI कंपनी Mayk, ई-कॉमर्स साइट्स अमेजन और फ्लिपकार्ट, टेक प्लेटफॉर्म गूगल और एक स्वतंत्र कलाकार शामिल थे।

स्वतंत्र कलाकार ने आशा भोसले की तस्वीर वाले कपड़े बेचे

शिकायत में कहा गया कि Mayk उनकी आवाज का AI क्लोन बना और वितरित कर रहा था। अमेजन और फ्लिपकार्ट उनकी तस्वीर वाले पोस्टर और मर्चेंडाइज बिना अनुमति बेच रहे थे। गूगल इसलिए शामिल था क्योंकि यूट्यूब पर AI कंटेंट में उनकी आवाज की नकल हो रही थी। स्वतंत्र कलाकार ने उनकी तस्वीर वाली कपड़े की बिक्री की।

आशा भोसले की टीम ने कहा कि इस तरह का बिना अनुमति इस्तेमाल उनके 80 साल के करियर में अर्जित प्रतिष्ठा और गुडविल को नुकसान पहुंचाता है। उनके करियर में उन्होंने पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड और दो ग्रैमी नामांकन भी प्राप्त किए।

कोर्ट ने मामले की समीक्षा के बाद सभी प्रतिवादियों के खिलाफ रेस्ट्रेनिंग ऑर्डर जारी किया। अब कोई भी उनके नाम, तस्वीर या आवाज का बिजनेस या निजी फायदा लेने के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकता। साथ ही कोर्ट ने सभी प्लेटफॉर्म और सेलर्स को सभी कंटेंट और प्रोडक्ट लिस्टिंग हटाने का आदेश दिया। उन्हें आशा भोसले को उन लोगों की जानकारी भी देनी होगी जिन्होंने उनका उल्लंघन किया, ताकि वे आगे की कानूनी कार्रवाई कर सकें।

'स्टार मटेरियल नहीं' कहकर फिल्म से निकाली गईं बाद में हिट फिल्मों से बनीं जुबली गर्ल

यादें

गले मिलने बुर्का पहनकर पहुंचे शशि कपूर

आशा पारेख एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने अपनी अदा, डांस और एक्टिंग से लाखों लोगों के दिल जीते। उन्होंने लगभग 100 बॉलीवुड फिल्मों में काम किया, जिनमें मेरे सनम, तीसरी मंजिल, लव इन टोक्यो, उपकार और कन्यादान जैसी हिट फिल्में शामिल हैं। इसी कारण वे अपने समय की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, उन्होंने टीवी सीरियल्स को डायरेक्ट और प्रोड्यूस भी किया। फिल्मों में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री और दादासाहेब फाल्के पुरस्कार जैसे सम्मान दिए।

आशा पारेख का जन्म 2 अक्टूबर 1942 को मुंबई के सांताक्रूज इलाके में हुआ। उनके पिता गुजराती हिंदू और मां बोहरा मुस्लिम थीं। हालांकि उनकी मां सलमा उर्फ सुधा पारेख ने शादी के बाद हिंदू धर्म अपना लिया था। उनकी मां ने स्वतंत्रता संग्राम में भी हिस्सा लिया था। जब आशा पारेख उनके पेट में थीं, तब भी उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आवाज उठाई और जेल भी गईं।

बचपन में डॉक्टर बनना चाहती थीं आशा पारेख

आशा पारेख बचपन में डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन एक ट्रेन हादसा देखने के बाद उन्होंने अपना मन बदल लिया। उन्हें डांस से भी खास लगाव था। फेमस एक्टर प्रेमनाथ उनके टैलेंट से प्रभावित हुए और उन्हें कथक गुरु मोहनलाल पांडे के पास भेजा। एक स्टेज कार्यक्रम के दौरान डायरेक्टर बिमल रॉय ने आशा पारेख को देखा और उन्हें अपनी फिल्म मां (1952) में चाइल्ड आर्टिस्ट का रोल दिया। हालांकि फिल्म बाप-बेटी की असफलता के बाद उन्होंने पढ़ाई पर ध्यान देने का फैसला किया। इसके बाद 16 साल की उम्र में उन्होंने फिर से फिल्मी दुनिया में कदम रखा।

उन्होंने जब प्यार किसी से होता है, घराना, जिद्दी, मेरे सनम, तीसरी मंजिल, लव इन टोक्यो, आए दिन बहार के, उपकार, कटी पतंग, कारवां, मेरा गांव मेरा देश, हीरा और मैं तुलसी तेरे आंगन की जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया। क्रिटिक्स उन्हें 'ग्लैमरस गर्ल' कहते थे और उन्हें लगता था कि वे अच्छी एक्टिंग नहीं कर सकतीं, लेकिन फिल्म दो बदन में उनकी एक्टिंग को क्रिटिक्स ने बहुत पसंद किया।

आशा पारेख ने बताया कि उनके और हुसैन परिवार के बीच कभी कोई कड़वाहट नहीं रही। उनके बच्चे नुसरत और इमरान, उनकी किताब के लॉन्च पर भी मौजूद थे। नासिर हुसैन के 2002 में निधन के बाद पारेख ने याद किया कि उनकी उनसे आखिरी साल में ज्यादा बातचीत नहीं हुई थी, क्योंकि वे लोगों से दूर हो गए थे, लेकिन निधन से पहले दोनों ने बात की थी।

आशा पारेख से मिलने के लिए शशि कपूर ने बुर्का पहना था

कश्मीर में आशा पारेख फिल्म 'मेरे सनम' की शूटिंग कर रही थीं। वहीं, एक्टर शशि कपूर फिल्म 'जब जब फूल खिले' की शूटिंग कर रहे थे। उस वक्त आशा पारेख टॉप हीरोइन थीं और शशि कपूर बड़े स्टार नहीं थे। शूटिंग के दौरान शशि कपूर, फिल्म की को-एक्ट्रेस शम्मी से कहते थे, कुछ करो, मुझे आशा को झप्पी देनी है। इस पर शम्मी ने प्लान बनाया कि शशि कपूर बुर्का पहनकर औरतों का भेष बनाकर आशा से मिल सकते हैं। शशि कपूर के साथ एक और शख्स भी तैयार हुआ और दोनों ने बुर्का पहना। वे शम्मी के साथ आशा पारेख के कमरे में पहुंचे। आशा ने बड़े अदब से कहा, आइए, बैठिए। तभी फोन आया और वे दूसरे कमरे में चली गईं। इस दौरान शम्मी ने शशि से कहा, जैसे ही वो लौटेंगी, तुम झप्पी दे देना। फिर जब आशा कमरे में लौटीं, तो उन्हें कुछ शक हुआ। पकड़े जाने से पहले शशि नीचे निकल गए और बुर्का उतारते हुए बोले, ये तो मैं हूं! जिस पर आशा ने कहा, वेरी बैड, ऐसे नहीं करना चाहिए। आशा पारेख, शम्मी कपूर को प्यार से चाचा कहकर बुलाती थीं। हालांकि, एक समय ऐसा भी आया जब दोनों की शादी की अफवाहें भी उड़ी थीं।

आशा पारेख को बोरियों में फैंस के लेटर आते थे

अपनी फैन फॉलोइंग के बारे में फिल्मफेयर को 2017 में दिए इंटरव्यू में आशा पारेख ने बताया था कि उन्हें अक्सर बोरियों में फैंस के लेटर मिलते थे। हालांकि एक फैन ने हद कर दी थी। एक चीनी फैन उनके घर के गेट के पास हमेशा खड़ा रहता था और उनके आने-जाने पर नजर रखता था।

आशा पारेख के लिए फिल्म इंडस्ट्री के उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि माता-पिता की मौत बड़ा झटका थी। 2017 में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, "वह मेरे लिए बहुत बुरा समय था। मैंने अपने माता-पिता को खो दिया। मैं बिल्कुल अकेली रह गई और सब कुछ खुद ही संभालना पड़ा। इससे मैं डिप्रेशन में चली गई। मुझे बहुत बुरा लगने लगा और मेरे मन में आत्महत्या जैसे विचार भी आए। फिर मैंने खुद को संभाला। यह एक संघर्ष था, जिसके लिए मुझे डॉक्टरों की मदद लेनी पड़ी।"

सेंसर बोर्ड की पहली महिला चेयरपर्सन बनीं :1998 से 2001 तक आशा पारेख सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) की पहली महिला चेयरपर्सन बनीं।

आशा पारेख के साथ शूटिंग के लिए प्याज खाकर जाते थे धर्मेंद्र

धर्मेंद्र ने रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर में बताया था कि फिल्म आए दिन बहार के की शूटिंग के दौरान वे आशा पारेख के साथ काम कर रहे थे।

शूटिंग खत्म होने के बाद धर्मेंद्र डायरेक्टर और अन्य क्रू मेंबर्स के साथ देर रात तक शराब पीते थे। सुबह जब शूटिंग शुरू होती, तो उनके मुंह से शराब की बू आती थी। इसे छिपाने के लिए वे प्याज खा लिया करते थे। धर्मेंद्र ने कहा था, "एक बार आशा पारेख ने मुझसे शिकायत की कि मेरे मुंह से शराब की बू आ रही है। मैंने उन्हें पूरी सच्चाई बताई। इसके बाद आशा जी ने मुझे शराब छोड़ने की सलाह दी और हम अच्छे दोस्त बन गए।"

वहीं, टीवी शो पर उसी फिल्म को लेकर आशा पारेख ने भी किस्सा शेयर किया था। उन्होंने कहा था, "दार्जिलिंग में फिल्म का एक सीन पानी में शूट हो रहा था। ठंड बहुत थी और जैसे ही धर्मेंद्र बाहर निकलते, लोग उन्हें ब्रांडी ऑफर करते, लेकिन वे मेरी तरफ देखते और ब्रांडी नहीं पीते थे। मैंने उनसे कहा था कि अगर वे शराब पिएंगे तो मैं सेट पर नहीं आऊंगी। मेरे सम्मान के लिए उन्होंने शराब नहीं पी।"

सिंगापुर में जुबीन गर्ग के नाम पर रखा गया द्वीप का नाम, गायक को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

हाल ही में असमिया गायक जुबीन गर्ग का निधन हो गया। उनका निधन तब हुआ जब वह सिंगापुर में एक प्रोग्राम में परफॉर्म करने गए थे। उन्हें कई नामचीन हस्तियों ने श्रद्धांजलि दी। सिंगापुर में भी जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि देते हुए यहां के उस द्वीप का नाम बदलकर 'जुबीन गर्ग द्वीप' कर दिया गया है, जहां उनका निधन हुआ था। गूगल मैप पर इस द्वीप का नाम 'जुबीन गर्ग द्वीप' दिखा रहा है।

नाम बदलने से फैंस खुश

द्वीप का नाम बदलने के बाद दुनिया भर के फैंस खुश हैं। कई यूजर्स सोशल मीडिया पर स्क्रीनशॉट शेयर कर रहे हैं और जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इस कदम को जुबीन के प्रभाव से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि इस कदम से जुबीन की विरासत न केवल असम में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जीवित रहेगी।

नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में गए थे जुबीन

आपको बता दें कि 'या अली' गाने के गायक जुबीन गर्ग 20 सितंबर को सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में शिरकत करने गए थे। इससे पहले 19 सितंबर को वह सेंट जॉन्स द्वीप के पास तैरने गए। बताया जाता है कि इसी दौरान पानी में बेहोश होकर गिरने के बाद उनकी मौत हो गई।

असम में हुआ अंतिम संस्कार

जुबीन गर्ग के निधन के बाद उनका पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद उनके शव को पहले दिल्ली, फिर असम लाया गया। यहां दोबारा उनका पोस्टमार्टम हुआ। इसके बाद उनके पैतृक गांव में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम संस्कार के मौके पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी पहुंचे। इस दौरान उनके परिवार के साथ हजारों की संख्या में उनके फैंस भी मौजूद थे।

जुबीन गर्ग निधन मामले की हो रही जांच

जुबीन गर्ग के निधन मामले में जांच चल रही है। इस मामले में 60 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उन पर हत्या का आरोप लगाया गया है।

वरुण धवन की कॉमिक टाइमिंग जोरदार, कहानी और क्लाइमैक्स में कमी

फिल्म रिव्यू

डायरेक्टर शशांक खेतान और एक्टर वरुण धवन की जोड़ी जब भी साथ आती है तो दर्शकों को हल्की-फुल्की कॉमेडी, रोमांस और मसाला एंटरटेनमेंट की गारंटी मिलती है। फिल्म 'हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया' और 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' के बाद अब यह जोड़ी लौटी 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के साथ लौटी है।

फिल्म दिखने में रंगीन और भव्य है, लेकिन करण जौहर की शादियों पर बनी फिल्मों के प्रति यह ज़्यादा लगाव अब समझ से परे लगता है। कहानी में कई जगह लॉजिक की कमी है, और कुछ सीन्स में जबरदस्ती कोई संदेश डालने की कोशिश साफ नजर आती है।

कैसी है फिल्म की कहानी

कहानी का आधार वही पुराना शादी-ब्याह वाला ड्रामा है। सनी (वरुण धवन) और तुलसी (जाह्नवी कपूर) दोनों अपने-अपने पार्टनर्स से धोखा खा चुके हैं। अब उनके एक्स विक्रम (रोहित सराफ) और अनन्या (सान्या मल्होत्रा) आपस में शादी करने जा रहे हैं। सनी और तुलसी मिलकर इस शादी को तोड़ने और अपना प्यार वापस पाने की कोशिश करते हैं। इस सफर में कॉमेडी, ड्रामा और थोड़ी-बहुत इमोशनल सिचुएशन मिलती है, लेकिन कई बार हालात इतने बनावटी लगते हैं कि दर्शक उनसे कनेक्ट नहीं कर पाते।

फिल्म में एक्टिंग

वरुण धवन पूरी एनर्जी के साथ स्क्रीन पर हैं। उनका अंदाज मजेदार है और उनकी

कॉमिक टाइमिंग अच्छी लगती है, लेकिन कहीं-कहीं लगता है जैसे वे अपने ही पुराने अंदाज को दोहरा रहे हों। गोविंदा की इमेज भी उनकी एक्टिंग में झलकती है। जाह्नवी कपूर स्क्रीन पर अच्छी दिखती हैं, मगर कई जगह उनकी परफॉर्मेंस कमजोर पड़ जाती है। उन्हें अभी इमोशनल और कॉमिक सीन्स पर मेहनत करनी होगी। सान्या मल्होत्रा उनके मुकाबले ज्यादा नेचुरल और असरदार लगी हैं। रोहित सराफ का रोल उतना गहराई वाला नहीं था, इसलिए उनका असर भी साधारण ही रहा।

फिल्म का डायरेक्शन और तकनीकी पहलू

शशांक खेतान फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन की क्लासिक चमक-दमक के साथ पेश किया। जिसमें बड़े सेट्स, भव्य शादी, रंग-बिरंगे गाने और खूबसूरत लोकेशन शामिल है, लेकिन कहानी की पकड़ बार-बार ढीली पड़ जाती है। कुछ सीन बिल्कुल जरूरत से ज्यादा और बेमेल लगते हैं जैसे महिलाओं के वॉशरूम वाला सीक्वेंस, जो न मजाकिया है और न ही कहानी में योगदान करता है। फिल्म का क्लाइमैक्स भी उम्मीद पर खरा नहीं उतरता और बहुत जल्दबाजी में खत्म कर दिया गया है।

फिल्म का म्यूजिक

गानों पर मेहनत दिखती है, लेकिन न तो म्यूजिक नया है और न ही याद रह जाने लायक। वरुण धवन के डांस सीक्वेंस एंटरटेन करते हैं, लेकिन गाने थिएटर से बाहर निकलते वक्त साथ नहीं रहते।

फिल्म का फाइनल वर्डिक्ट

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' एक हल्की-फुल्की एंटरटेनर है। वरुण धवन की एनर्जी और सान्या मल्होत्रा की परफॉर्मेंस फिल्म को संभालते हैं,

लेकिन कहानी की पुरानी रफ्तार, मजबूरी में डाले गए संदेश और जल्दबाजी में निपटाए गए क्लाइमेक्स मजा बिगाड़ देते हैं। भव्य शादी और ग्लैमर देखने के शौकीनों के लिए यह फिल्म टाइमपास है, लेकिन नई कहानी या गहराई चाहने वालों के लिए नहीं।

विदेशी पैसों के दम पर कूद रहा है ट्रंप का अमेरिका!

शेयर बाजार में रेकॉर्ड पर पहुंच गई फॉरेन होल्डिंग्स

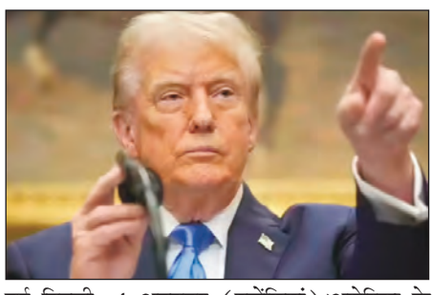

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)।अमेरिका के शेयर बाजार में हाल में काफी तेजी आई है। विदेशी निवेशक इसमें जमकर पैसा लगा रहे हैं। अमेरिका की इक्विटीज में फॉरेन होल्डिंग्स रेकॉर्ड 20 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुकी है। पिछले कुछ महीनों में इसमें 2.5 ट्रिलियन डॉलर की तेजी आई है। अमेरिका का इक्विटी बाजार 60 ट्रिलियन डॉलर का है जिसमें विदेशी निवेशकों का हिस्सा 30% पहुंच चुका है जो इतिहास में सबसे अधिक है। इसका डेटा रखने का काम 1945 में शुरू हुआ था। अमेरिका में गवर्नमेंट शटडाउन के बावजूद शेयर बाजार में शुक्रवार को तेजी आई और यह कारोबार के दौरान रेकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। डाउ जोंस 239 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 530 अंक तक ऊपर गया। हालांकि एस एंड पी 500 लगभग फ्लैट बंद हुआ। इस बीच नैस्डैक कंपोजिट में 0.28% की गिरावट आई। कंपनियों की मजबूत कमाई, एआई को लेकर उत्साह और फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की संभावना से हाल में अमेरिकी शेयरों में काफी तेजी आई है।क्या होगी मुश्किल? ऐतिहासिक आंकड़ों को देखें तो साफ है कि शटडाउन से अमेरिकी बाजार पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन अगर शटडाउन लंबे समय तक रहता है और सरकारी आंकड़े सामने नहीं आते हैं तो लेबर मार्केट और महंगाई को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित हो सकती है। खासकर नौकरी का मंथली डेटा फेड के लिए काफी अहम है जो नीतिगत फैसलों के लिए इसी पर निर्भर है। जानकारों का कहना है कि सरकारी आंकड़े नहीं होने से फेड को आंख बंद करके फैसले लेने पड़ सकते हैं।

बैंकों में 1.84 लाख करोड़ की संपत्तियां पड़ी हैं अनक्लेम्ड

सीतारमण ने बताया कैसे मिलेगा हकदारों को हक

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बैंकों और नियामकों के पास 1.84 लाख करोड़ रुपए की वित्तीय संपत्ति बिना दावे के पड़ी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकरियों को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि ये सही मालिकों तक पहुंचें। सीतारमण ने गुजरात के गाधीनगर से तीन महीने लंबी 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई और बैंकों व वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सीतारमण ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे तीन ए, जागरूकता, पहुंच और कार्यवाही पर काम करें ताकि यह राशि सही हकदारों तक पहुंचे। पहला 'ए' जागरूकता फैलाएं। उन्हें बताएं कि आपका पैसा वहां पड़ा है, इस दस्तावेज के साथ आएं और इसे ले जाएं। आप राजदूत बन सकते हैं और लोगों को बता सकते हैं कि क्या उन्होंने अभी तक अपनी जायज संपत्ति का दावा नहीं किया है।

बस उनसे कहें कि वे अपने दस्तावेज ढूंढें और पोर्टल पर पंजीकरण कराएं। मंत्री ने आगे कहा कि, आरबीआई के यूडीजीएएम पोर्टल या इस उद्देश्य के लिए बैंकों द्वारा बनाए गए स्टॉलों के माध्यम से, उन सही दावेदारों तक पहुंच प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि तीसरा ए एक्शन है, जहां आप (अधिकारी) जो कुछ भी आपके पास है, जैसे कागज के छोटे टुकड़े, उस पर कार्रवाई करते हैं। उन्होंने कहा कि एकजुट प्रयास से अभियान सफल होगा। आरबीआई ने उदगम पोर्टल बनाया है, जिसके जरिए लोग अपनी अनक्लेम्ड जमा राशि का पता लगा सकते हैं। सीतारमण ने अधिकारियों से लोगों में जागरूकता फैलाने और उन्हें पोर्टल या बैंक स्टाल के माध्यम से संपत्ति वापस लेने में मदद करने का आग्रह किया।वित्त मंत्री ने बताया कि अनक्लेम्ड राशि बैंक, आरबीआई या आईईपीएफ में सुरक्षित है और उचित दस्तावेज पेश करने पर इसे लिया जा सकता है। अगर संपत्ति लंबे समय तक दावा न की जाए तो यह एक संस्था से दूसरी संस्था में ट्रांसफर हो जाती है। सीतारमण ने गुजरात ग्रामीण बैंक की भी सराहना की, जिसने उन्हें आश्वासन दिया था कि उसके अधिकारी राज्य के प्रत्येक गांव में जाकर बैंक में पड़ी लावारिस जमा राशि के असली मालिकों की तलाश करेंगे।

भारत-ईयू एफटीए की 14वीं वार्ता कल से

साल के अंत तक समझौते का लक्ष्य

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुफ्त व्यापार समझौते को लेकर 14वें दौर की वार्ता 6 अक्तूबर से शुरू होने जा रही है। दोनों पक्ष इस वर्ष के अंत तक समझौते को अंतिम रूप देने के लक्ष्य के साथ तेजी से बातचीत को आगे बढ़ा रहे हैं।

भारत में यूरोपीय कंपनियों की भूमिका मजबूत हो रही

ईयू के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया की दूसरी वार्षिक आम बैठक में कहा कि यूरोपीय कंपनियों की भारत में भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि हमने हाल ही में भारत में ईयू व्यवसायों की भूमिका पर एक सर्वे किया है। वर्तमान में भारत में लगभग 6,000 यूरोपीय कंपनियां काम कर रही हैं, जिनकी संख्या पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। ये कंपनियां विनिर्माण, व्यावसायिक सेवाओं और सूचना व संचार प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हैं।

यूरोपीय कंपनियों ने भारत में 30 लाख रोजगार सृजित किए

उन्होंने आगे बताया कि यूरोपीय कंपनियों ने भारत में 30 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। वर्ष 2024 में भारत में इन कंपनियों का कुल टर्नओवर 186 अरब यूरो रहा, जो भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग पांच प्रतिशत है। डेल्फिन ने कहा कि यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन और प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल के अंत तक एफटीए को अंतिम रूप देने का लक्ष्य रखा है। वार्ता दल इसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, हम अगले दौर की वार्ता और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते की दिशा में आगे की वार्ताओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

दिवाली से पहले बंपर कमाई का मौका

अगले हफ्ते खुल रहे 28,500 करोड़ के आईपीओ

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईपीओ मार्केट में पैसा लगाने वालों के लिए अगला हफ्ता काफी व्यस्त रहने वाला है। इस दौरान अलग-अलग सेक्टर की कई दिग्गज कंपनियों के आईपीओ खुलने जा रहे हैं जिनका कुल साइज 28,500 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इनमें टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के आईपीओ सबसे बड़े होंगे। इसके अलावा दवा कंपनी रुबिकॉन रिसर्च और अनंतम हाईवेज ट्रस्ट इनविट भी अपना ऑफर ला रही हैं। ये सभी आईपीओ मेनबोर्ड के हैं।

टाटा कैपिटल का आईपीओ सबसे खास ऑफर होगा। यह आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ है जिसका साइज 15,512 करोड़ रुपये का है। यह 6 अक्टूबर को खुलेगा और 8 अक्टूबर को बंद होगा। इसके शेयर की कीमत 310 रुपये से 326 रुपये के बीच तय की गई है। टाटा कैपिटल एक एनबीएफसी है। यह कंपनी आम लोगों और बड़ी कंपनियों को कर्ज देती है। इसका कर्ज देने का काम बहुत मजबूत है। जानकार मानते हैं कि इसमें निवेशकों की अच्छी रुचि होगी। इसकी वजह टाटा ग्रुप का शानदार रिकॉर्ड है। साथ ही इस सेक्टर में भी आगे अच्छी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

एलजी का आईपीओ

टाटा कैपिटल के एक दिन बाद एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया भी अपना आईपीओ ला रही है जो 11,607 करोड़ रुपये का होगा।

यह 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक खुला रहेगा। इसके एक शेयर की कीमत 1,080 रुपये से 1,140 रुपये के बीच रखी गई है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत की सबसे बड़ी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों में से एक है।

यह कंपनी विदेशी है। भारत में यह किसी विदेशी कंज्यूमर ड्यूरेबल कंपनी की सबसे बड़ा लिस्टिंग होगी। मेनबोर्ड पर एक और आईपीओ अगले हफ्ते आ रहा है। यह रूबिकॉन रिसर्च नाम की फार्मा कंपनी का है।

यह कंपनी अपने आईपीओ से 1,377 करोड़ रुपये जुटाएगी। यह इश्यू 9 अक्टूबर को खुलेगा और 13 अक्टूबर को बंद होगा। इसके शेयर का दाम 461 रुपये से 485 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। मेनबोर्ड पर अनंतम हाईवे ट्रस्ट इनविट भी अपना ऑफर ला रही है। यह 400 करोड़ रुपये का आईपीओ होगा जो 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक खुला रहेगा। यह निवेशकों को भारत की सड़कों और इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में निवेश का मौका देगा।

'भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती का विकल्प खुला रखा', क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना खुली रखी है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की हालिया रिपोर्ट के अनुसार मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने महंगाई के अपने पूर्वानुमान को भी घटा दिया है। बता दें कि केंद्रीय बैंक ने टैरिफ अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए 1 अक्तबूर को अपनी नीतिगत ब्याज दरों को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर अपवरिवर्तित रखने का फैसला किया।

अमेरिकी टैरिफ से दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम बरकरार

रिपोर्ट में कहा गया है कि एमपीसी ने स्वीकार किया कि अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा। हालांकि, क्रिसिल ने कहा कि जीएसटी सुधारों से समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की जरूरत है। इस वित्तीय वर्ष में मुद्रास्फीति अब चिंता का विषय नहीं रही और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती शुरू होने से आरबीआई के लिए दरों में कमी करने की संभावना बनी है।

इस साल आरबीआई कर चुका है 100 आधार अंकों की कटौती

फरवरी 2025 से, आरबीआई नीतिगत दरों में 100 आधार अंकों की कटौती कर चुका है। जून में अपनी पिछली नीति समीक्षा में, उसने रेपो दर को 50 आधार अंकों की कटौती करके 5.5 प्रतिशत कर दिया था। सरकार ने केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे।

एमपीसी की सिफारिश के आधार पर, आरबीआई ने खुदरा मुद्रास्फीति में कमी के बीच फरवरी और अप्रैल में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती की व जून में 50 आधार अंकों की कटौती की। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत से नीचे चल रही है। खाद्य कीमतों में कमी और अनुकूल आधार प्रभाव के कारण अगस्त में यह छह साल के निचले स्तर 2.07 प्रतिशत पर आ गई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने, ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-10
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-59
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - आश्विन शुक्ल रविवार 05 October
तिथि - त्रयोदशी 15-04 तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - शतभिषा 08-01 तक उपरान्त पूर्वाभाद्रपद
योग - गण्ड 16-34 तक उप वृद्धि
करण - तैतिल 15-04 तक उप गर

पंचक

गृह स्थिति	
सूर्य	कन्या
चंद्र	कुंभ
मंगल	तुला
बुध	कन्या
गुरु	मिथुन
शुक्र	सिंह
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय	
कन्या	04-56 बजे
तुला	07-01 बजे
वृश्चिक	09-11 बजे
धनु	11-25 बजे
मकर	13-32 बजे
कुंभ	15-22 बजे
मीन	17-00 बजे
मेष	18-35 बजे
वृष	20-21 बजे
मिथुन	22-21 बजे
कर्क	00-34 बजे
सिंह	02-45 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-31 से 18-01 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
उत्पात	06-10 - 07-37	अशुभ
चंचल	07-37 - 09-06	शुभ
लाभ	09-06 - 10-35	शुभ
अमृत	10-35 - 12-04	शुभ
काल	12-04 - 13-33	अशुभ
शुभ	13-33 - 15-02	शुभ
रोग	15-02 - 16-31	अशुभ
उत्पात	16-31 - 17-59	अशुभ

रात का चौघड़िया		
शुभ।	17-59 - 19-32	शुभ
अमृत	19-32 - 21-02	शुभ
चंचल	21-02 - 22-33	शुभ
रोग	22-33 - 00-04	अशुभ
काल	00-04 - 01-35	अशुभ
लाभ	01-35 - 03-06	शुभ
उत्पात	03-06 - 04-37	अशुभ
शुभ	04-37 - 06-10-	शुभ

चीन समेत ये 3 देश स्टील उत्पाद भेज रहे हैं? भारत की बढ़ी टेंशन, शुरू कर दी जांच

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन, इंडोनेशिया और वियतनाम ने भारत की टेंशन बढ़ा दी है। इसकी वजह इन तीन देशों से भरभरकर आने वाले कुछ स्टील उत्पाद हैं। भारत ने इस मामले में डंपिंग की जांच शुरू कर दी है। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई डीजीटीआर ने यह कदम उठाया है। ऐसा घरेलू कंपनियों की शिकायत के बाद किया गया है।

कंपनियों ने आरोप लगाया है कि इन देशों से सस्ते आयात के कारण उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। डीजीटीआर अब ये पता लगाएगा कि क्या वास्तव में डंपिंग हो रही है। साथ ही इससे भारतीय उद्योगों को कितना नुकसान हुआ है। अगर जांच में डंपिंग और नुकसान साबित होता है तो डीजीटीआर इन आयातों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की सिफारिश करेगा। इस पर अंतिम फैसला वित्त मंत्रालय लेगा। भारतीय स्टेनलेस स्टील डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईएसएसडीए) ने घरेलू कंपनियों की ओर से यह शिकायत दर्ज की थी। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि इन तीन देशों से 'कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद (300 और 400 सीरीज के)' की डंपिंग हो रही है। डंपिंग का मतलब है कि विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों को भारत में बहुत कम कीमत पर बेच रही हैं जो उनके अपने घरेलू बाजार की कीमत से भी कम है।

एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की मांग

आईएसएसडीए ने इन आयातों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की मांग की है। डीजीटीआर ने इस शिकायत को गंभीरता से लिया है। डीजीटीआर ने एक नोटिफिकेशन जारी किया। इसमें कहा, 'घरेलू उद्योग की ओर से विधिवत आवेदन और प्रथम दृष्टया सबूतों के आधार पर खुद को संतुष्ट करने के बाद, जो डंपिंग और घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को प्रमाणित करते हैं, प्राधिकरण डंपिंग की एंटी-डंपिंग जांच शुरू करता है।'इस जांच के दौरान डीजीटीआर यह तय करेगा कि डंपिंग हुई है या नहीं। वह यह भी देखेगा कि डंपिंग किस हद तक हुई है। इसका क्या असर पड़ा है। अगर यह साबित हो

जाता है कि डंपिंग के कारण घरेलू खिलाड़ियों को 'सामग्री क्षति' (यानी बड़ा नुकसान) हुआ है तो डीजीटीआर इन सभी वस्तुओं के आयात पर ड्यूटी लगाने की सिफारिश करेगा। यह ड्यूटी एक तरह का टैक्स है। हालांकि, ड्यूटी लगाने का अंतिम फैसला वित्त मंत्रालय ही करता है। एंटी-डंपिंग ड्यूटी का मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को सुनिश्चित करना है। यह घरेलू उत्पादकों और विदेशी उत्पादकों तथा निर्यातकों के बीच एक 'समान अवसर' बनाने में मदद करता है।

चीन से आने वाले कई अन्य सामानों की भी जांच

यह पहली बार नहीं है जब डीजीटीआर ऐसी जांच कर रहा है। डीजीटीआर चीन से कई अन्य सामानों की डंपिंग की भी जांच कर रहा है। इनमें वॉलपेपर, बोरोसिलिकेट टेबल और किचन ग्लासवेयर और नायलॉन शामिल हैं। इसी तरह की एक और जांच मलेशिया और थाईलैंड से आने वाले मेडिकल टेस्ट रबर दस्ताने के खिलाफ भी चल रही है। देश एंटी-डंपिंग जांच इसलिए करते हैं ताकि यह पता चल सके कि क्या सस्ते आयात के कारण उनके घरेलू उद्योगों को नुकसान हुआ है। ऐसे नुकसान से बचने के लिए वे जिनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन की बहुपक्षीय व्यवस्था के तहत ये ड्यूटी लगाते हैं। भारत और ये सभी देश (चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम, मलेशिया, थाईलैंड) डब्ल्यूटीओ के सदस्य हैं। भारत ने पहले भी अलग-अलग देशों से आने वाले सस्ते आयातों से निपटने के लिए कई उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाई हैं।

कैश ऑन डिलीवरी या खुल्लम-खुल्ला लूट?

गुमराह करने वाला ये 'डार्क पैटर्न' होश उड़ाने वाला है

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार ने 'कैश-ऑन-डिलीवरी' पर सख्त रुख अपनाया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर सख्त एक्शन का ऐलान किया है। ये प्लेटफॉर्म कैश-ऑन-डिलीवरी (सीओडी) के लिए ग्राहकों से अतिरिक्त चार्ज वसूलते हैं। अब इस मामले की सरकारी जांच शुरू होने जा रही है। आरोप है कि ये चार्ज ग्राहकों को गुमराह करके वसूले जाते हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय का यह कदम एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद आया है।

उस पोस्ट में ऐसे अनाप-शनाप के चार्जेस का खुलासा हुआ था। इससे लोगों में गुस्सा फूटा। इसके बाद 'डार्क पैटर्न' कहे जाने वाले इस मुद्दे पर बड़ी बहस छिड़ गई है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब इस हफ्ते की शुरुआत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट वायरल हुआ। इसमें एक ग्राहक ने फ्लिपकार्ट के एक ऑर्डर पर 226 रुपये के अतिरिक्त सीओडी चार्ज पर पर चिंता जताई थी। इस चार्ज के विवरण में 'ऑफर हैंडलिंग फीस', 'पेमेंट हैंडलिंग फीस' और 'प्रोटेक्ट प्रॉमिस फीस' जैसे नाम शामिल थे। ग्राहक ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'जोमेटो / स्विगी / जेप्टो की रेन फीस को भूल जाएं। फ्लिपकार्ट का मास्टरस्ट्रोक देखें: ऑफर हैंडलिंग फीस (मुझे वह छूट देने के लिए जिसका आपने विज्ञापन किया था?); पेमेंट हैंडलिंग फीस (मुझे आपको भुगतान करने देने के लिए?) और प्रोटेक्ट प्रॉमिस फीस (मुझे किस संतुष्टि से बचाना है?)'। ग्राहक ने क्विक-कॉमर्स और फूड-डिलीवरी ऐप्स की ओर से लिए जाने वाले अतिरिक्त चार्जेस पर भी कटाक्ष किया था।केंद्रीय मंत्री जोशी ने सीधे पोस्ट का जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'उपभोक्ता मामलों के विभाग को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के खिलाफ शिकायतें मिली हैं जो कैश-ऑन-डिलीवरी के लिए अतिरिक्त चार्ज ले रहे हैं। यह एक डार्क पैटर्न के रूप में वर्गीकृत प्रैक्टिस है जो उपभोक्ताओं को गुमराह करता है। उनका शोषण करता है।' जैसे-जैसे ज्यादा भारतीय ऑनलाइन खरीदारी पर निर्भर हो रहे हैं। वैसे-वैसे बिलिंग में पारदर्शिता बड़ी उपभोक्ता चिंता बन गई है। कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देते हैं। लेकिन सीओडी चुनने पर जुर्माना लगाना अनुचित और भ्रामक माना जा रहा है। यह एक व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला विकल्प है।ये धोखेबाजी के लिए डिजाइन तकनीकें या मूल्य निर्धारण रणनीतियां हैं। इनका इस्तेमाल ग्राहकों के व्यवहार में हेरफेर करने के लिए किया जाता है। इन तरीकों में ऐसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं जो दिखाते हैं कि किसी वस्तु के केवल एक या दो पीस बचे हैं। ऐसा वे ग्राहक के खरीदने के फैसले को तेज करने के लिए करते हैं। जबकि असल में स्टॉक में कई और पीस होते हैं। या फिर वे एक नकली समय सीमा तय करते हैं। मसलन, 'ऑफर 10 मिनट में समाप्त हो रहा है'। इसका मकसद भी ग्राहक को जल्दी खरीदारी करने के लिए मजबूर करना होता है।

श्रीधर वेम्बू के देसी वॉट्सऐप को मिला दिग्गज उद्योगपति आनंद महिंद्रा का साथ, अरट्टाई में ऐसा क्या है खास?

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म के मैसेंजर ऐप वॉट्सऐप को टक्कर देने के लिए जोहो ने अरट्टाई लॉन्च किया है। यह ऐप धीरे-धीरे अपनी जगह बना रहा है। कई जानी-मानी हस्तियां इस ऐप से जुड़ चुकी हैं। अब इसमें दिग्गज उद्योगपति आनंद महिंद्रा का नाम भी जुड़ चुका है। अरट्टाई ने खुद महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन के ऑनबोर्ड होने की पुष्टि की है। इस ऐप को सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी जोहो कॉरपोरेशन ने विकसित किया है। कंपनी के फाउंडर श्रीधर वेम्बू अपनी सादगी के लिए जाने जाते हैं।

अरट्टाई ने आनंद महिंद्रा का स्वागत करते हुए कहा, 'मिस्टर महिंद्रा का अरट्टाई में स्वागत है। हम आपको अपने साथ पाकर सचमुच सम्मानित महसूस कर रहे हैं और आपके समर्थन के लिए आभारी हैं।' महिंद्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं आपकी महान सफलता की कामना करता हूं।' विदेशी ऐप्स को लेकर सबसे बड़ी समस्या डेटा की रहती है। ये ऐप्स भारतीय ग्राहकों के डेटा विदेशों में स्थित सर्वर में सेव करते हैं। लेकिन अरट्टाई के साथ ऐसा नहीं है। जोहो का कहना है कि भारतीय ग्राहकों का

डेटा भारत में ही होस्ट किया जाता है। जोहो कॉर्प का बिजनस तेजी से बढ़ रहा है। पिछले साल कंपनी का रेवेन्यू 1.4 अरब डॉलर पहुंच गया और इसके कस्टमर्स की संख्या 2.5 लाख हो गई। चेन्नई की इस कंपनी की वैल्यूएशन 1.04 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है जो 2023 की तुलना में 58% अधिक है। इसके साथ ही कंपनी की लिस्टिंग की डिमांड भी उठ रही है। लेकिन वेम्बू का कहना है कि फिलहाल इसकी कोई योजना नहीं है।उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'जोहो के पब्लिक होने की बात चल रही है, यह हम समझते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर जोहो एक सार्वजनिक कंपनी होती तो उसे हर तिमाही वित्तीय दबाव झेलना पड़ता। तब शायद अरट्टाई जैसा प्रोजेक्ट कभी नहीं बन पाता। यह एक पूरी तरह से मूर्खतापूर्ण प्रोजेक्ट था। यहां तक कि हमारे अपने कर्मचारियों को भी शक था कि अरट्टाई कभी सफल हो पाएगा या नहीं।'

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) — आपके करियर को बेहतर भावनात्मक बुद्धिमत्ता से लाभ मिलता है, जिससे आपको पेशेवर रिश्तों को अधिक सहानुभूति और अंतर्दृष्टि के साथ आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। जानकारी को प्रभावी ढंग से आत्मसात करें और संरेखित सोच और भावना पर ध्यान केंद्रित करें। आपके सावधान दृष्टिकोण से कई तरह की तरक्की मिलती है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है , तो आपको अपने करियर के संदर्भ में कीमत चुकानी पड़ सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह) — आपका करियर और पढ़ाई आत्मविश्वास और अंतर्दृष्टि से ऊर्जावान महसूस करते हैं। अंतर्ज्ञान आपको स्मार्ट विकल्प बनाने में मदद करता है, जबकि स्थिर योजना दीर्घकालिक लक्ष्यों का समर्थन करती है। सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण वास्तविक प्रगति की ओर ले जाते हैं, और आपके प्रयासों का भुगतान होने की संभावना है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) — काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था । आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा । ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) — आज आप अपने आस-पास के बारे में अधिक जागरूक होने के साथ व्यावहारिक मामलों के प्रति अधिक सजग महसूस कर सकते हैं। भावनात्मक तीव्रता के कारण ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है, लेकिन शांत, जानबूझकर कार्रवाई करने से मदद मिलेगी। तर्क और भावना के बीच संतुलन बनाने का लक्ष्य रखें।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) — आज आप अपने काम में आत्मविश्वास और जोश महसूस कर रहे हैं, साथ ही नए विचार आपको समस्याओं को सुलझाने में मदद कर रहे हैं। आपकी ऊर्जा बहुत अधिक है, लेकिन बहुत जल्दी प्रतिक्रिया न करें या बहस न करें। ध्यान केंद्रित रखें और अपनी ताकत का बुद्धिमानी से उपयोग करें। संतुलन और नियंत्रण के साथ, आप मजबूत प्रगति कर सकते हैं।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) — आज आप आत्मविश्वास और सकारात्मक रहेंगे । आज किसी भी साक्षात्कार या ग्राहक के साथ किसी भी सौदे को तय करने के लिए एक अच्छा दिन है। आपको आज एक अछा लाभ मिल सकता है । आप दिन के उत्तरार्ध में किसी कार्य को लेकर कुछ अटक सकते है। कल के लिए मनोरंजन या मनोरंजन के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करे एवं अपने सहयोगी से आज मदद ले ।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यु) — आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है ।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) — आज आप अपने पेशेवर जीवन में एक तीव्र प्रेरणा महसूस कर सकते हैं, जो बढ़े हुए आत्मविश्वास और गहरी भावनात्मक अंतर्दृष्टि से प्रेरित है। आपका ईमानदार दृष्टिकोण दूसरों को चौंका सकता है, इसलिए चतुराई से काम लें। जबकि ऊर्जा के विस्फोट से अचानक उपलब्धियाँ मिल सकती हैं, थकान के क्षणों को नज़रअंदाज़ न करें।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आपका करियर पथ रोशन है, जो काम के प्रति एक पोषण दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। विवरण पर अपना ध्यान दें और इससे उत्पादकता बढ़ेगी। काम पर आपका आकर्षण उजागर होगा। आपके अपरंपरागत विचार आपको अलग पहचान दिलाएंगे। शुरुआत और अंत को गले लगाओ, क्योंकि वे ताज़ा बदलाव लाते हैं।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) — अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) — आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर को रायपुर पुलिस ने किया नजरबंद

अपनी ही सरकार के खिलाफ धरने पर बैठने वाले थे, कोरबा–कलेक्टर को हटाने पर अड़े

रायपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर पुलिस ने पूर्व गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर को गहोई भवन में नजरबंद कर दिया है। वो अपने ही सरकार के खिलाफ सीएम हाउस के बाहर धरने पर बैठने वाले थे। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने उन्हें एम्स के पास रोक लिया।

लेकिन वे गेट कूदकर निकलने की कोशिश करते रहे। उनका कहना है कि, अगर यही रवैया रहा तो अगली बार भाजपा की सरकार नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि, जनता बोल रही है कि, अगली बार 15 सीट से ज्यादा सीटें बीजेपी को नहीं मिलेगी।

दरअसल, पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर ने भ्रष्टाचार को लेकर कोरबा कलेक्टर अजित वसंत हटाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि 4 अक्टूबर तक कार्रवाई नहीं हुई तो वे रायपुर में धरने

पर बैठेंगे। इसके लिए वो शुक्रवार देर शाम रायपुर पहुंचे थे।

उन्होंने धरने को लेकर रायपुर जिला प्रशासन को पत्र भी दिया था। शनिवार सुबह के 10.30 बजे से वो धरने पर बैठने वाले थे। जब वो होटल से धरना स्थल के निकले, इस दौरान पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें रोक लिया।

आदेश मिलते ही जांच कर रिपोर्ट सौंपेंगे अफसर

राज्य शासन ने ननकीराम कंवर के शिकायती पत्र पर बिलासपुर संभागायुक्त सुनील जैन से जांच प्रतिवेदन मांगा है। हालांकि, सुनील जैन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, शासन की ओर से उन्हें अभी तक लिखित आदेश नहीं मिला है।

आदेश मिलते ही वे जांच कर रिपोर्ट सौंप देंगे। यह भी बताया जा रहा है कि इस मामले में शासन ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ननकीराम कंवर ने आरोप लगाया है कि, कोरबा में कलेक्टर हिटलरशाही तरीके से प्रशासन चला रहे हैं। उनके खिलाफ सैकड़ों भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप है। उन्होंने कहा कि 40,000 स्व-सहायता समूह की महिलाओं से अरबों की ठगी, मालगांव और रलिया में फर्जी मुआवजे के नाम पर करोड़ों रुपए की अनियमितता जैसे मामलों में कलेक्टर की सीधी संलिप्तता है।

पहले भी पूर्व मंत्री को कलेक्टर ने भेजा था नोटिस

पूर्व मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि, भाजपा कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को कोरबा कलेक्टर टारगेट कर रहे हैं। इसमें एक पत्रकार का मकान गिराने, पार्टी कार्यकर्ताओं के राइस मिल और पेट्रोल पंप को सील किए जाने की घटनाएं शामिल हैं।

यह विवाद पहले भी चर्चा में रहा है, जब कलेक्टर अजित वसंत ने पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को एक फेसबुक पोस्ट के लिए नोटिस भेजा था। कलेक्टर का कहना था कि, पोस्ट प्रशासन की छवि खराब करती है।

दो पक्षों में मारपीट 6 लोग घायल

जमीन विवाद में भिड़े दोनों पक्ष घटना सीसीटीवी में कैद, दोनों पक्षों ने थाने में दिया आवेदन

गिरिडीह, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के देवरी थाना क्षेत्र के भोजपुरो गांव में शनिवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से ईंट-पत्थर और लाठी-डंडे चलने लगे। घायलों को तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के संबंध में माला देवी ने देवरी थाना में राजेश यादव सहित आठ अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए आवेदन दिया है। वहीं, दूसरे पक्ष से राजेश यादव ने भी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सूचना मिलते ही देवरी थाना प्रभारी सोनू कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया।

गन-प्वाइंट पर डेढ़ करोड़ की चांदी की लूट

यूपी के कारोबारी के फ्लैट में घुसे, बेहोश कर हाथ–पैर बांधे, 86किलो जेवर लेकर भागे

रायपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शनिवार सुबह 4 बजे के करीब 1 करोड़ 50 लाख की चांदी की लूट हुई है। लुटेरों ने सराफा कारोबारी की कनपटी पर गन टिकाकर 86 किलो चांदी लूटकर भाग गए। वारदात के बाद सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी ले गए। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक सराफा कारोबारी का नाम राहुल गोयल है, जो यूपी के आगरा के रहने वाले हैं। लुटेरों ने कारोबारी को दवा सुंघाकर बेहोश कर दिया था। इसके बाद वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि बदमाश पहले से कारोबारी और जेवरों के बारे में जानते थे।

दरअसल, शनिवार सुबह 2 नकाबपोश बदमाश गन लेकर सदर बाजार के जैन मंदिर के पीछे स्थित राजधानी पैलेस पहुंचे। यहां किराए के फ्लैट में रह रहे सराफा

कारोबारी राहुल गोयल के दरवाजे को खटखटाया।राहुल गोयल ने जैसे ही दरवाजा खोला लुटेरों ने कनपटी पर गन टिका दिया।

इसके बाद लुटेरों ने कारोबारी को दवा सुंघाकर बेहोश कर दिया। कारोबारी के हाथ-पैर भी भी बांध दिए, फिर घर में रखे चांदी के जेवरों को लेकर भाग गए। जाते-जाते सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी ले गए।कारोबारी को शनिवार सुबह 11 बजे के करीब होश आया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

सर्राफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने बताया कि राहुल गोयल आगरा के रहने वाले हैं। यहां किराए के फ्लैट में रहते हैं। सदर बाजार में जेवरात बेचते हैं। बदमाशों ने गन प्वाइंट पर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। इससे सराफा कारोबारियों में डर का माहौल है।

वहीं एडिशनल एसपी लखन पटले ने बताया कि सूचना मिलते ही हमारी टीम मौके पर पहुंची। कारोबारी के पैर-हाथ बांधे गए थे। फ्लैट से बदमाश करीब 86 किलो चांदी के आभूषण लूटकर ले गए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है।

गांजा-ब्राउन शुगर तस्करी का भंडाफोड़

तीन तस्कर गिरफ्तार, पहले से रहा है आपराधिक इतिहास, 11 .940 किलो गांजा बरामद

बोकारो, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने शनिवार को गांजा और ब्राउन शुगर तस्करी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से कुल 11.940 किलोग्राम गांजा सहित अन्य नशीले पदार्थ और सामग्री बरामद की गई। एसपी हरविंदर सिंह ने इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सिजुआ तालाब के पास दो युवक मोटरसाइकिल से गांजा और ब्राउन शुगर की पुड़िया बनाकर बेच रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने घेराबंदी कर दो युवकों को मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा। तलाशी में उनके पास से 1.540 किलोग्राम गांजा,

10 पुड़िया ब्राउन शुगर और 850 रुपए नगद मिले।

पूछताछ में गिरफ्तार युवकों ने बताया कि वे बारी कोऑपरेटिव कॉलोनी निवासी अनिरुद्ध साव उर्फ हित से गांजा खरीदते थे। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने अनिरुद्ध साव के घर छापा मारा। वहां से 10.400 किलोग्राम गांजा, एक वेन्यू कार, 7939 रुपए नगद, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और अन्य सामग्री जब्त की गई।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अनिरुद्ध साव (47), गीत फैज अकरम उर्फ बॉबी (25) और गतजुब आलम (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इन सभी के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। कुल बरामद सामग्री में 11.940 किलोग्राम गांजा, 10 पुड़िया ब्राउन शुगर, दो इलेक्ट्रॉनिक तराजू, एक कार, एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन, 450 ग्राम कटा पॉलिथिन, 1.2 किलोग्राम प्लास्टिक रैपर और कुल 8789 रुपए नगद शामिल हैं।

एसटीएफ जवान सहित तीन दोस्तों की मौत

धमतरी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में एक सड़क हादसे में एसटीएफ जवान सहित तीन दोस्तों की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार को नगरी रोड पर कुकरेल के पास हुई, जब उनकी बुलेट बाइक भारत माला परियोजना के राखड़ से भरे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बुलेट की ट्रेलर से टक्कर इतनी भीषण थी कि एसटीएफ जवान बाइक में ही फंस गया, जबकि उनके दोनों दोस्त सड़क पर दूर जा गिरे। पुलिस ने घटना की जानकारी लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

यह मामला केरेगांव थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, यह हादसा नगरी रोड पर कुकरेल में माकरदोना मोड़ के पास शुक्रवार शाम करीब 7 बजे हुआ। तीनों दोस्त किसी काम से बुलेट से धमतरी आए थे और काम खत्म होने के बाद वे वापस अपने-अपने घर लौट रहे थे। उस वक्त अंधेरा हो चुका था और हल्की बारिश भी हो रही थी। शाम करीब 7 बजे, बाइक अचानक ट्रेलर में जा घुसी।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री लगाएंगे दिव्य दरबार

आज से 8 अक्टूबर तक कथा सुनाएंगे बागेश्वर बाबा, 5 हजार बाउंसरों का रहेगा पहरा

रायपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज (4 अक्टूबर) से आस्था और संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। गुढियारी इलाके में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री दिव्य दरबार लगाएंगे। वो हनुमंत कथा भी सुनाएंगे। इसमें लाखों भक्त शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं।

सुरक्षा की दृष्टि से भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है। इस कार्यक्रम में किसी भी तरह का विवाद ना हो, इसलिए पुलिस के अलावा 5 हजार बाउंसर्स भी तैनात रहेंगे।

4 से 8 अक्टूबर तक आयोजन

यह आयोजन 4 अक्टूबर से शुरू होगा और 8 अक्टूबर तक चलेगा। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के हनुमंत कथा कार्यक्रम के लिए आयोजकों की तरफ से सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। अनुमान है कि इस दिव्य दरबार में प्रदेशभर से भारी संख्या में लोग पहुंचेंगे।

समाजसेवी चंदन-बसंत अग्रवाल के नेतृत्व में 'स्व. पुरुषोत्तम अग्रवाल स्मृति फाउंडेशन' के देखरेख में यह आयोजन किया जा रहा है। पिछले दिनों 14 सितंबर को कार्यक्रम स्थल का पूजन-अर्चन के साथ शुभारंभ किया गया।

मुख्य आयोजक बसंत अग्रवाल ने बताया कि, कार्यालय आयोजन की सभी व्यवस्थाओं का केंद्र पॉइंट होगा।

पंडाल, भंडारा, सुरक्षा, यातायात और भक्तों के बैठने जैसी व्यवस्थाओं का संचालन और समन्वय यहीं से किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में समाज के वरिष्ठ प्रतिनिधि और भक्तगण मौजूद रहे।

'स्व. पुरुषोत्तम अग्रवाल स्मृति फाउंडेशन' के मीडिया कोऑर्डिनेटर सौरभ कुमार ने बताया कि, आयोजन के दौरान लाखों श्रद्धालु आएंगे।

श्रद्धालुओं को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में बुजुर्गों और दिव्यांगों को परेशानी ना हो, इसलिए 4 से 8 अक्टूबर तक निःशुल्क 200 ई-रिक्शा चलाया जाएगा।

इन रिक्शों से कहीं से भी कथा स्थल तक आना-जाना कर सकते हैं। भक्तों के लिए रोजाना रात 9 और सुबह 10 बजे भोजन (भंडारा) की व्यवस्था निःशुल्क की गई है। वहीं 8 हजार से ज्यादा लोग सेवा देंगे।

यहां खड़ी कर सकेंगे गाड़ियां

कथा सुनने के लिए पहुंचने वाली श्रद्धालुओं के लिए समिति ने पॉर्किंग की व्यवस्था की है। साइंस कॉलेज मैदान, कोटा मैदान, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित मैदान में कार-बाइक श्रद्धालु खड़ी कर सकेंगे।

कथा सुनने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कौशल्या देवी साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, वीणा सिंह, मंत्रिमंडल के सहयोगी, रायपुर के चारों विधायक सहित निगम, मंडल के सदस्य, नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर सहित अन्य गणमान्य नागरिक जन शामिल होंगे।

झरिया में हवलदार पर हमला, भीड़ ने टीओपी तोड़ी

प्रेम प्रसंग विवाद में बस्तीवासियों ने किया पथराव, एक युवक गिरफ्तार

धनबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद जिले के झरिया बस्ताकोला टीओपी क्षेत्र में शनिवार को प्रेम प्रसंग के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सूचना पर पहुंचे आरक्षी ललित कुमार यादव पर भीड़ ने हमला कर दिया, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह घटना तब हुई जब प्रेमी-प्रेमिका और पति के बीच कहासुनी और मारपीट की खबर पर आरक्षी ललित कुमार यादव मौके पर पहुंचे थे। आरोप है कि प्रेमी नीतिश पंडित ने आरक्षी पर हमला कर उनकी पिटाई की।

आरक्षी द्वारा नीतिश को हिरासत में लेने की खबर फैलते ही बस्ती के सैकड़ों महिला-पुरुष आक्रोशित हो गए। भीड़ ने टीओपी (टाउन आउट पोस्ट) पहुंचकर पथराव और हंगामा शुरू कर दिया। उपद्रवियों ने टीओपी परिसर में तोड़फोड़ भी की।

घटना की सूचना मिलते ही झरिया इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी शशि रंजन भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया और घटनास्थल से एक बाइक बरामद की।

घायल आरक्षी ललित कुमार यादव को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड में 10 अक्टूबर के बाद मानसून की वापसी

पिछले 11 वर्षों का रिकॉर्ड टूटा, कल के बाद मौसम साफ होने के आसार

रांची, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का असर झारखंड में साफ दिख रहा है। रांची में दुर्गा पूजा के दौरान लगातार दो दिन बारिश हुई। शुक्रवार को भी सुबह से देर रात तक रुक-रुक कर बरसात होती रही। 21 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दो दिन और ऐसे ही हालात बने रहने का पूर्वानुमान जताया है। 5 अक्टूबर के बाद आसमान साफ होने की संभावना है, जबकि मानसून की वापसी 10 अक्टूबर के बाद मानी जा रही है।

इस साल रांची में पिछले 11 वर्षों का रिकॉर्ड टूटा है। 2014 के बाद पहली बार मानसून के दौरान 1550 मिमी से अधिक बारिश हुई। जून में जहां सामान्य वर्षापात 197.6 मिमी होता है, वहां इस बार 587.8 मिमी बारिश दर्ज हुई।

जुलाई में सामान्य 324 मिमी की तुलना में 386 मिमी बरसात हुई।

सितंबर में भी 212.3 मिमी के मुकाबले 276 मिमी वर्षा हुई। शहर में ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक बारिश देखने को मिली।

4 अक्टूबर को उत्तरी और मध्यवर्ती जिलों जैसे पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, लोहरदगा और सिमडेगा में भारी बारिश की संभावना है। रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी और रामगढ़ में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान 30–40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और वज्रपात की आशंका है।

5 अक्टूबर को देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में कहीं-कहीं भारी बारिश के आसार हैं। 6 अक्टूबर को राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और वज्रपात की संभावना जताई गई है। रांची में दुर्गा पूजा के दौरान लगातार बारिश से लोग प्रभावित हुए, लेकिन दीपावली पर ऐसी स्थिति नहीं रहेगी।

महिला ने सल्फास खाकर दी जान

पलामू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। गढ़वा जिले के धुरकी थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपनी देवरानी के मोबाइल में पति का फोटो देखने के बाद जहर खा लिया। मंगल सिंह की पत्नी 35 वर्षीय शशिकला देवी की पलामू में इलाज के दौरान शुक्रवार रात मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, शशिकला ने अपनी देवरानी जयंती देवी से विवाद के बाद जहरीला पदार्थ (सल्फास) खा लिया था। गंभीर हालत में उसे पहले गढ़वा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) रेफर कर दिया गया। एमएमसीएच पहुंचने के कुछ देर बाद शुक्रवार रात उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों से पूछताछ शुरू की। शनिवार दोपहर को शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। मृतका के पति ने बताया कि उसकी फोटो भाई की पत्नी के मोबाइल फोन में था।

मुस्लिम युवक ने शिव मंदिर के पास पेशाब किया

देर रात बवाल, हिंदू संगठन ने मुस्लिम बस्ती में तोड़फोड़ की, भारी पुलिस बल तैनात

बिलासपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शुक्रवार देर रात माहौल तनावपूर्ण हो गया। हिंदू संगठन का आरोप है कि एक मुस्लिम युवक ने शिव मंदिर के पास पेशाब कर धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लिया है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी युवक का नाम अशरफ खान है। आरोप है कि उसने अशोक नगर के दुर्गा मंदिर में स्थित शिव मंदिर के पास पेशाब किया है। जिसकी खबर फैलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया।

इस घटना से नाराज लोगों ने मुस्लिम बस्ती में पथराव और तोड़फोड़ की। घटना की जानकारी मिलते ही फौरन पुलिस मौके पर पहुंची और नाराज लोगों को समझाइश दी। तब जाकर मामला शांत हुआ। हालांकि, इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस ने फ्लैग मार्च भी किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पेशाब करने की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। नाराज भीड़ ने हंगामा करते हुए आसपास की मुस्लिम बस्ती में पथराव और तोड़फोड़ की। कई घरों के शीशे टूट गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

उन्होंने यह भी बताया कि माहौल इतना गरमाया कि स्थिति को संभालने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। इधर, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी से पूछताछ जारी है।

बिना अनुमति 3 मंजिला बिल्डिंग बनाई, चला रहा था ओयो होटल

बिलासपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर के बहतराई रोड स्थित गीतांजलि सिटी फेस-1 में निगम की बिना अनुमति तीन मंजिला भवन बना लिया गया। जिसमें ओयो होटल चलाया जा रहा था। जांच हुई तब बोर्ड को हटा दिया गया, लेकिन संचालन जारी रहा। अब निगम ने इस अवैध बिल्डिंग को सील कर दिया है।

पार्षद रेखा पांडेय की शिकायत के बाद निगम ने शुक्रवार को यह कार्रवाई की है। बिल्डिंग मालिक बाकायदा ओवाईओ का बोर्ड लगाकर यहां अवैध रूप से होटल संचालित कर रहा था।

जांच में पाया गया कि, यह बिल्डिंग गायत्री केडिया की है, लेकिन इसका नक्शा निगम से पास नहीं कराया गया है। बावजूद इसके यहां 17 कमरों वाला होटल तैयार कर लिया गया था। लंबे समय से इसका संचालन ओयो होटल के रूप में हो रहा था।

पार्षद रेखा पांडेय ने इस पर आपत्ति जताते हुए निगम कमिश्नर से शिकायत की थी। उनका कहना था कि होटल के कारण क्षेत्र में सामाजिक माहौल खराब हो रहा है। शिकायत के बाद जब निगम की भवन शाखा ने स्थल निरीक्षण किया तो पता चला कि होटल का संचालन अवैध है।

पहले यहां ओयो का बोर्ड भी लगा हुआ था, लेकिन विरोध के बाद इसे हटा दिया गया। फिर भी होटल का संचालन जारी था।

सरेंडर ही अब लास्ट विकल्प, नक्सली के टॉप कमांडर का लेटर

जवानों के एक्शन से दहशत में माओवादी संगठन

रायपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नक्सलियों के खिलाफ हो रही सैन्य कार्रवाई से माओवादी संगठन बैकफुट पर हैं। कभी माओवादी संगठनों के शांति अपील के लेटर सामने आ रहे हैं तो कभी सरकार से युद्ध विराम घोषित करने की मांग। इस बीच एक और लेटर सामने आया है। इस बार माओवादी संगठनों ने अपने साथ काम करने वालों को लेटर लिखा है। जिसमें साफ-साफ कहा गया है कि अगर आपको किसी तरह से डर लगता है को हथियार छोड़ सकते हैं।

नक्सली संगठन के द्वारा जो लेटर जारी किया है उसमें प्रवक्ता अभय और विकल्प का नाम दिया गया है। सरेंडर कर रहे नक्सलियों को यह लेटर लिखा गया है। जिसमें कहा गया है कि जिन लोगों को डर लगता है वह अपने हथियार छोड़ दें लेकिन हम अपनी विचारधारा को नहीं छोड़ेंगे।

दरअसल, कुख्यात नक्सली कमांडर वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू ने अपने संगठन को एक लेटर लिखा था। इस लेटर में उसने सरेंडर की बात लिखी थी। उसने अपने लेटर में लिखा था कि अब केवल सरेंडर ही एक बेहतर विकल्प है और अब समय आ गया है कि जनता के वास्तविक मुद्दों के लिए आवाज उठाई जाए। उसके इस लेटर के बाद संगठन में फूट पड़ गई थी। कुछ माओवादियों ने इस लेटर का विरोध किया तो कुछ ने कहा कि हम अपनी विचारधारा को नहीं छोड़ सकते हैं। बता दें कि सोनू कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) के सेंट्रल कमेटी के मेंबर है। सोनू के इस लेटर के बाद माओवादी संगठनों के सामने विरोध बढ़ गया है। जिसके बाद अब प्रवक्ता अभय और विकल्प के नाम से एक लेटर जारी कर कहा गया है कि वह अफनी विचारधारा को नहीं छोड़ेंगे जिन लोगों को डर लग रहा है वह हथियार छोड़ दें। बता दें कि हाल ही में नक्सली संगठन ने यह स्वीकार किया था कि उनके बड़े नेताओं के एनकाउंटर के पीछे बड़ी संख्या में नक्सलियों का सरेंडर शामिल है। उन्होंने यह कहा था कि कई नक्सलियों को बड़े नेताओं के मूवमेंट के बारे में जानकारी होती है जिसकी सूचना वह सरेंडर के बाद पुलिस को देते हैं।

नक्सलियों के पास केवल सरेंडर ही विकल्प

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबल के जवान मिशन 2026 के तहत कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं। सुरक्षाबल के जवानों ने नक्सलियों के कई टॉप लीडरों को मार गिराया है। वहीं, बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि नक्सलियों के पास अब केवल एक ही रास्ता बचा है। उन्हें सरेंडर कर मुख्यधारा में लौटना चाहिए।

दुंदीबाग बाजार में आग, 7 दुकानें खाक

बोकारो, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बोकारो के दुंदीबाग बाजार में शनिवार को आग लगने से सात दुकानें जलकर खाक हो गईं। इस घटना में रुई, अलमारी, दो बाइक और प्लास्टिक सहित लाखों का सामान जल गया। आग लगने के बाद बाजार में अफरातफरी का माहौल बन गया।

शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास की कई दुकानें भी खतरे में आ गईं।

दुकानदारों ने तेजी से अपना सामान बाहर निकालना शुरू कर दिया। त्योहारी सीजन होने के कारण दुकानों में बड़ी मात्रा में सामान भरा हुआ था, जिससे आग पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण रहा।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया। हालांकि, अभी तक नुकसान का सही आकलन नहीं हो पाया है, लेकिन अनुमान है कि लाखों रुपए का माल जलकर खाक हो गया है।

ट्रम्प चौथी बार फंडिंग बिल पास कराने में फेल

अमेरिका में शटडाउन जारी, डेमोक्रेट्स समर्थन देने को राजी नहीं

वॉशिंगटन, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शुक्रवार को लगातार चौथी बार फंडिंग बिल पास नहीं करा पाए। इस वजह से देश में लगातार चौथे दिन भी शटडाउन जारी है।

संसद के ऊपरी सदन (सीनेट) में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के फंडिंग बिल को 54 वोट मिले, जबकि इसे 60 वोट की जरूरत थी। वोटिंग के बाद विपक्षी डेमोक्रेट्स सांसद हॉल छोड़कर चले गए।

दरअसल, डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि कोविड के समय दी गई टैक्स क्रेडिट्स (हेल्थ केयर सब्सिडी) बढ़ाई जाए। जिससे लाखों अमेरिकियों को सस्ता स्वास्थ्य बीमा मिल सके।

अमेरिका में मंगलवार को वोटिंग के बाद बुधवार से शटडाउन लागू हुआ था। यहां, सरकारी संस्थान फिलहाल बंद हैं। सीनेट में सोमवार से पहले कोई वोटिंग नहीं करेगा।

हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स (निचला सदन) में भी अगले हफ्ते की सभी वोटिंग 14 अक्टूबर तक के लिए रद्द हो चुकी है। यानी अब अमेरिका में 14 अक्टूबर तक शटडाउन जारी रहने की आशंका है।

वहीं, अमेरिकी सरकार ने करीब साढ़े 7 लाख सरकारी कर्मचारियों को छुट्टी (फरलो) पर भेज दिया गया है। इनमें से 3 लाख की छंटनी भी हो सकती है।

बिल पास होने के लिए डेमोक्रेट्स का समर्थन जरूरी

100 सदस्यों वाली सीनेट में 53 रिपब्लिकन और 47 डेमोक्रेट हैं। 2 निर्दलीय सांसद बिल का समर्थन कर चुके हैं।

रिपब्लिकन पार्टी के लिए डेमोक्रेट्स का समर्थन जरूरी है, लेकिन फिलहाल वे बिल के पक्ष में वोट देने को राजी नहीं हैं।

रिपब्लिनक नेता जॉन थ्यून का आरोप है कि डेमोक्रेट्स ने कट्टर समर्थकों के दबाव में आकर सरकार को बंद कर दिया। सेना, बॉर्डर एजेंट और एयर ट्रैफिक कंट्रोलर बिना वेतन काम कर रहे हैं।

वहीं डेमोक्रेट नेता चक शूमर कह चुके हैं कि ट्रम्प अमेरिका के हेल्थ केयर प्रोग्राम को सिक्योर करने से इनकार कर रहे हैं और शटडाउन के लिए जिम्मेदार हैं।

स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा, सरकार का खुला रहना पूरी तरह डेमोक्रेट्स के हाथ में था। फंडिंग बिल पास होता तो शटडाउन टल सकता था।

अमेरिका में सरकार को हर साल अपना बजट पास कराना

पड़ता है। अगर संसद बजट पर सहमत नहीं होती, तो फंडिंग बिल पास नहीं होता और सरकार को मिलने वाला पैसा रुक जाता है।

इस वजह से कुछ सरकारी विभागों और सेवाओं को पैसे नहीं मिलते। गैर-जरूरी सेवाओं को बंद कर दिया जाता है। इसे ही सरकारी शटडाउन कहा जाता है।

रिपब्लिकन पार्टी सीनेट में आज देर रात एक बार फिर से फंडिंग बिल पर वोट कराने की तैयारी में है। रिपब्लिकन नेताओं ने कहा है कि जब तक डेमोक्रेट्स बिल को समर्थन नहीं देंगे, तब तक इस बिल को रोजाना पेश किया जाएगा।

ट्रम्प ने इस शटडाउन के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। वे पहले ही सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी दे चुके हैं। अमेरिका में 2019 के बाद सरकारी शटडाउन लगा है। इससे पहले ट्रम्प के कार्यकाल में ही 35 दिन का शटडाउन लगा था।

हेल्थ केयर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई

अमेरिका के दोनों प्रमुख दल डेमोक्रेट और रिपब्लिकन में ओबामा हेल्थ केयर सब्सिडी प्रोग्राम को लेकर ठन गई थी। डेमोक्रेट्स चाहते थे कि हेल्थ केयर (स्वास्थ्य बीमा) की सब्सिडी बढ़ाई जाए।

रिपब्लिकन को डर था कि अगर सब्सिडी बढ़ाई गई तो सरकार को खर्च करने के लिए और पैसे की जरूरत पड़ेगी, जिससे बाकी सरकारी काम प्रभावित होंगे।

शटडाउन रोकने के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प और डेमोक्रेटिक नेताओं ने सोमवार को व्हाइट हाउस में बैठक की थी, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला।

ट्रम्प को शटडाउन लगने से फायदा या नुकसान

शटडाउन के दौरान, ट्रम्प प्रशासन ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (ओएमबी) के जरिए जरूरी और गैर-जरूरी सेवाओं का फैसला कर सकता है।

इससे वे डेमोक्रेट समर्थित प्रोग्राम्स जैसे शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य सब्सिडी को गैर-जरूरी कर सकते हैं, जबकि डिफेंस और इमिग्रेशन को जरूरी का दर्जा दे सकते हैं। ट्रम्प ने खुद कहा है शटडाउन से कई अच्छी चीजें होंगी।

शटडाउन के चलते बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी से निकाला जा सकता है। 2025 में पहले ही संघीय नौकरियों में 3 लाख की कटौती का जा चुकी है। यह ट्रम्प की नीति का हिस्सा है।

ट्रम्प इसे डेमोक्रेट्स पर दोष डालने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने फेडरल एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराएं, जो नैतिकता कानूनों का उल्लंघन हो सकता है।

छोटे शटडाउन से ट्रम्प को ज्यादा फायदा होगा, क्योंकि वे अपने एजेंडे को आगे बढ़ा सकते हैं, लेकिन लंबा खिंचने पर आर्थिक नुकसान से उनकी छवि खराब हो सकती है।

अमेरिका का फिस्कल ईयर यानी खर्च का साल 1 अक्टूबर से शुरू होता है। यह एक तरह से सरकार का आर्थिक साल होता है, जिसमें वह अपना पैसा खर्च करने और बजट बनाने की योजना बनाती है।

पाकिस्तान का प्रस्ताव- अमेरिका बलूचिस्तान के पसनी में पोर्ट बनाए

इससे खनिजों तक पहुंच आसान होगी, ये चीन के ग्वादर पोर्ट से सिर्फ 112 किमी दूर

इस्लामाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव शेयर किया है।

रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं।

प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका को यहां सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी। पासनी, ग्वादर पोर्ट (चीन का बंदरगाह) से सिर्फ 112 किमी दूर है। यह बंदरगाह अमेरिका को पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों जैसे तांबा और एंटीमनी तक आसान पहुंच देगा। इस प्रस्ताव के तहत एक नई रेल लाइन भी बनेगी जो इस बंदरगाह को पश्चिमी प्रांतों से जोड़ेगी। इसकी लागत करीब 1.2 अरब डॉलर (11 हजार करोड़ रुपए) हो सकती है। अमेरिकी विदेश विभाग,

व्हाइट हाउस या पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह प्रस्ताव पाकिस्तान के लिए आर्थिक फायदा ला सकता है, लेकिन रीजन में चीन, ईरान और अफगानिस्तान के साथ तनाव बढ़ सकता है। यह प्रस्ताव सितंबर में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, आसिम मुनीर और ट्रम्प की बैठक के बाद दिया गया है। व्हाइट हाउस में हुई इस बैठक में शरीफ ने ट्रम्प से पाकिस्तान के एग्रीकल्चर, तकनीक, माइनिंग और एनर्जी प्रोजेक्ट में इन्वेस्ट करने की अपील की थी। इसी साल मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और अमेरिका के रिश्तों में काफी मजबूत हुए हैं। ट्रम्प ने 10 मई को दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने का दावा किया था, पाकिस्तान ने इस दावे का सपोर्ट किया और ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट भी किया।

वहीं, जून में पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने ट्रम्प से सीक्रेट मुलाकात की थी।

इसके बाद सितंबर में शहबाज शरीफ और मुनीर ने व्हाइट हाउस में ट्रम्प के साथ बैठक की थी, इस बैठक में शरीफ ने ट्रम्प को शांति दूत कहा था।

अमेरिका में हैदराबादी छात्र की गोली मारकर हत्या

डेंटल सर्जरी की कर रहा था पढ़ाई, सदमे में परिवार

वाशिंगटन, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के डलास में एक 27 वर्षीय भारतीय छात्र की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई है। हैदराबाद निवासी चंद्रशेखर पोल कल रात एक गैस स्टेशन पर पार्ट-टाइम काम कर रहे थे, तभी एक अज्ञात बंदूकधारी ने उनकी हत्या कर दी।

चंद्रशेखर टेक्सास में डेंटल सर्जरी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहे थे। हैदराबाद से डेंटल सर्जरी में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद, वह 2023 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गए थे। बीआरएस विधायक सुधीर रेड्डी और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने हैदराबाद में छात्र के घर जाकर उसके परिवार से मुलाकात की। उन्होंने इसे एक दुखद घटना बताते हुए सरकार से पोल के शव को अमेरिका से वापस लाने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। हरीश राव ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए एक ऑनलाइन पोस्ट में कहा, माता-पिता जिस पीड़ा से गुजर रहे हैं, यह जानकर कि उनका बेटा, जिसके बारे में उन्हें विश्वास था कि वह ऊंचाइयों तक पहुंचेगा, अब नहीं रहा।

यह देखना हृदय विदारक है। उन्होंने आगे कहा, हम, बीआरएस की ओर से राज्य सरकार से मांग करते हैं कि वह पहल करे और चंद्रशेखर के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द उनके गृहनगर लाने का प्रयास करे।

पाकिस्तानः रास्ते में पड़े बम को खिलौना समझकर ले आया चौथी कक्षा का छात्र

स्कूल में विस्फोट से चार घायल

इस्लामाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के एक निजी स्कूल में बम विस्फोट हुआ है। इस घटना में कम से कम चार छात्र घायल हुए हैं। स्थानीय पुलिस ने बताया है कि एक छात्र के नासमझी में बम स्कूल के अंदर ले आने से ये धमाका हुआ है। बच्चे ने एक पुराने मोर्टार के गोले को सड़क किनारे से उठाकर बैग में रख लिया था। इसे उसने स्कूल में जाकर अपने साथी बच्चों को दिखाया तो यह फर्श पर गिर गया और फट गया।

अफगानिस्तान की सीमा से सटे खैबर जिले के जमरोद तहसील में शुक्रवार को ये धमाका हुआ है। स्कूल प्रशासन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि चौथी कक्षा का एक छात्र स्कूल आते समय रास्ते से एक 'खिलौना बम' उठा लाया। इसे वह बैग में रखकर उसे अपनी कक्षा के अंदर ले गया, जहां धमाका हुआ। केपी के ग्रामीण इलाकों में खिलौना बम पुराने मोर्टार गोलों को कहा जाता है। ये गोले इस पूरे क्षेत्र में खासतौर से अफगानिस्तान से सटे सीमावर्ती इलाकों में लावारिस पड़े रहते हैं। इन्हें बच्चे नई चीज की तरह देखकर उठा लेते हैं। पूर्व में भी ऐसा हुआ है, जब ये गोले धमाकों की वजह बने हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने बताया है कि स्कूल में धमाके के बाद घायल छात्रों को पेशावर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया है कि चार बच्चे घायल हुए लेकिन किसी भी चोट गंभीर नहीं है। इलाज के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई है। घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों ने क्षेत्र की घेराबंदी करते हुए अन्य संभावित गैर-विस्फोटित गोलों का पता लगाने के लिए अभियान चलाया है। पुराने मोर्टार गोलों को ढूंढ़कर उन्हें निष्क्रिय करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

तौकीर रजा के करीबी पर बुलडोजर एक्शन

इंस्पेक्टर को हाथ काटने की धमकी देने वाले का मैरिज हॉल गिरा रहे

बरेली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली बवाल के बाद मौलाना तौकीर रजा और उसके करीबियों पर बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। शनिवार दोपहर 3 बजे 5 थानों की फोर्स के साथ बरेली विकास प्राधिकरण की टीम डॉ नफीस के मैरिज हॉल पहुंची।

पीएसी और आरएएफ के जवानों को भी तैनात किया गया। शाम 4 बजे 1000 जवानों की मौजूदगी में 3 बुलडोजर भवन को ढहाने लगे।

करीब 1 घंटे बाद एक और बुलडोजर मंगाया गया। करीब ढाई घंटे की कार्रवाई के बाद शाम 6.30 बजे तक 70 प्रतिशत हिस्सा गिराया जा चुका है। मंडप (मोंटी) और बाउंड्री वॉल गिराई जा चुकी हैं। 5 कमरे पूरी तरह से

ढहा चुके हैं।

हॉल का अधिकतर हिस्सा टूट चुका है। साथ ही बचे हुए 5 कमरों का कुछ हिस्सा भी गिरा दिया है।

अंधेरा होने के कारण लाइट जलाकर बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है। ये कार्रवाई किला के जखीरा क्षेत्र में रजा पैलेस पर की जा रही है।

डॉ नफीस तौकीर रजा की पार्टी इत्तेहाद मिल्लत काउंसिल (आइएमसी) का राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता है। पुलिस नफीस को उसके बेटे के साथ गिरफ्तार करके पहले ही जेल भेज चुकी है। नफीस ने लोगों को प्रोटेस्ट के लिए बुलाया था। इसके अलावा इंस्पेक्टर को हाथ काटने की धमकी दी थी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, डॉ. नफीस का बारात घर एक हजार वर्ग गज (10 हजार स्क्वायर फीट) में बना है। यहां जमीन की अनुमानित कीमत 50 हजार/प्रति वर्ग गज है। इसमें 10 कमरे बने हैं। इसकी कीमत करीब 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

ईरान ने दी छह कैदियों को फांसी

इजरायल के लिए हमले का आरोप, मानवाधिकार समूहों ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान ने शनिवार को छह कैदियों को मौत की सजा दी। इन पर आरोप था कि उन्होंने देश के तेल-समृद्ध दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में इजरायल के लिए हमले किए। ये कैदी इस साल के बढ़ते हुए फांसी के मामलों में शामिल हैं, जिसे दशकों में सबसे अधिक माना जा रहा है। ये फांसी जून में 12 दिनों तक चले ईरान-इजरायल युद्ध के बाद दी गई हैं, जिसमें तेहरान ने अपने दुश्मनों को देश में और बाहर निशाना बनाने की चेतावनी दी थी।

हालांकि, मानवाधिकार कार्यकर्ता चेतावनी देते हैं कि ईरान अक्सर अपने मृत्युदंड के मामलों में, खासकर इजरायल से जुड़े मामलों में, जबरन लिए गए बयान और बंद कमरे में सुनवाई का सहारा लेता है।

ईरान ने कहा कि इन लोगों ने पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा बलों की हत्या की और ईरान के अशांत खुजस्तान प्रांत के खोर्रमशहर के आसपास के ठिकानों को निशाना बनाकर बम विस्फोटों की योजना बनाई। उनके नाम तुरंत पहचाने नहीं जा सके और ईरानी सरकारी टेलीविजन ने हमलों के बारे में बात करते हुए एक व्यक्ति का फुटेज प्रसारित किया, जिसमें कहा गया कि यह पहली बार है जब विवरण सार्वजनिक किए जा रहे हैं।

खुजस्तान करती आ रही भेदभाव की शिकायत

खुजस्तान की अरब आबादी लंबे समय से ईरान की केंद्र सरकार द्वारा भेदभाव की शिकायत करती रही है, और विद्रोही समूहों ने निम्न-स्तरीय विद्रोह के तहत वहां तेल पाइपलाइनों पर हमले किए हैं। हाल के वर्षों में देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों की लहरों ने ईरान के अन्य हिस्सों की तरह इस क्षेत्र को भी प्रभावित किया है।

ईरान लंबे समय से मौत की सजा देता आ रहा

ईरान ने शनिवार को एक अन्य कैदी को मौत की सजा दे दी, जिस पर 2009 में ईरान के कुर्दिस्तान प्रांत में अन्य अपराधों के अलावा एक सुन्नी धर्मगुरु की हत्या का आरोप था। विरोध प्रदर्शनों और जून के युद्ध के जवाब में, ईरान 1988 के बाद से तेजी से कैदियों को मौत की सजा दे रहा है, जब ईरान-इराक युद्ध के अंत में उसने हजारों लोगों को मौत की सजा दी थी।

संयुक्त राष्ट्र ने की ईरान की आलोचना

ओस्लो स्थित समूह ईरान ह्यूमन राइट्स और वाशिंगटन स्थित अब्दुर्रहमान बोरौमंद सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स इन ईरान ने अनुमान लगाया है कि 2025 में फांसी दिए जाने वाले लोगों की संख्या 1,000 से अधिक होगी। यह संख्या और भी अधिक हो सकती है, क्योंकि ईरान हर फांसी की रिपोर्ट नहीं देता है। संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञों ने भी ईरान की फांसी की आलोचना की है।

पाकिस्तान से नेपाल तक एक्टिव

भारत के पड़ोस में एर्दोगन ने बिछाया जाल, तुर्की की चाल से दिल्ली को कितना खतरा

अंकारा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। तुर्की ने इस साल मई में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया था। तुर्की का भारत विरोधी रुख कई मौकों पर सामने आता रहा है। यह विरोध सिर्फ पाकिस्तान को मदद और वैश्विक मंचों पर बयान देने तक सीमित नहीं है। तुर्की ने पिछले दो दशकों में रणनीतिक रूप से भारत के पड़ोस में अपने प्रभाव का विस्तार किया है। हालांकि तुर्की भारत के निकटतम पड़ोस का हिस्सा नहीं है, इसके बावजूद उसकी नीतियां दिल्ली के लिए चिंता का सबब बन रही हैं।

फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, रेसेप तैयप एर्दोगन ने तुर्की का राष्ट्रपति बनने के बाद से एक नव-तुर्क विदेश नीति (नव-

खिलाफत) अपनाई है। इसमें दक्षिण एशिया में तुर्की की भागीदारी को रणनीतिक, सैन्य, आर्थिक और वैचारिक स्तर पर बढ़ाया जा रहा है। ये ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में देखा गया। इसके बाद भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को शामिल करते हुए ग्रेटर बांग्लादेश के मानचित्र ढाका से सामने आए। इसके पीछे तुर्की समर्थित एक संगठन था। पाकिस्तान और बांग्लादेश के अलावा तुर्की ने नेपाल, म्यांमार और मालदीव में भी अपना विस्तार किया है। इन देशों में उसकी उपस्थिति पाकिस्तान या बांग्लादेश की तुलना में बहुत कम है। फिर भी भारत के लिए उनके रणनीतिक महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ये वे गतिविधियां शुरुआत राजनयिक संबंधों को मजबूत करने वाली प्रतीत होती हैं लेकिन पर्यवेक्षकों इसे चिंता का सबब मान रहे हैं। तुर्की एक संगठित प्रयास के तहत क्षेत्रीय गठबंधनों को नया रूप देने और इस्लामी दुनिया में वैचारिक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारत के पड़ोसी देशों में अस्थिरता का फायदा उठाने की कोशिश करते हुए तुर्की दिख रहा है। भारत के सामने यह सुनिश्चित करने की चुनौती है कि उसके पड़ोस में तुर्की का बढ़ता प्रभाव अस्थिरता और कट्टरपंथ बढ़ने की वजह ना बने। भारत के पड़ोस में तुर्की के सबसे गहरे संबंधों में से एक पाकिस्तान के साथ है। मई में भारत के साथ चार दिवसीय सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के तुर्की से मिले ड्रोन इस्तेमाल करने की बात सामने आई थी।

अगले हफ्ते भारत आ रहे यूके के पीएम स्टार्मर

पीएम मोदी ने दिया था न्योता

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर 8 और 9 अक्टूबर 2025 को भारत की यात्रा पर होंगे। यह प्रधानमंत्री स्टार्मर का भारत का पहला आधिकारिक दौरा होगा, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने का अवसर माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय (एमइए) ने इस दौरे की पुष्टि की है।

दौरे के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता होने की संभावना है, जिसमें व्यापार, रक्षा, जलवायु परिवर्तन, और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा की जाएगी। एमइए के बयान के अनुसार, इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और स्टार्मर भारत-यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर प्रगति का जायजा लेंगे, जो 'विजन 2035' के तहत निर्धारित 10 वर्षीय रोडमैप से जुड़ी है।

खत्म हो जाएगा गाजा युद्ध ?

ट्रंप के योजना के तहत इजरायली सेना ने भी तेज की तैयारी, बंधकों की रिहाई पर जोर

तेल अवीव, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच 23 महीनों से चल रहे संघर्ष में गाजा की स्थिति दिन-प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। ऐसे में इस संघर्ष से संबंधित एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां इजरायली सेना का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा युद्ध समाप्ति योजना के पहले चरण की तैयारी तेज कर दी गई है। इस योजना के तहत सभी बचे हुए बंधकों को छुड़ाया जाएगा। इजरायल के नेताओं ने सेना को इस बात को लेकर तैयारी तेज करने का आदेश दिया है। मामले में एक अधिकारी ने बताया कि गाजा में अब इस्राइल केवल रक्षात्मक स्थिति में रहेगा और सक्रिय हमले नहीं करेगा, लेकिन सैनिकों को हटाया नहीं गया है।

बता दें कि इजरायल के तरफ से यह घोषणा ट्रंप के उस आदेश के कुछ घंटे बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि गाजा पर बमबारी रोक दी जाए क्योंकि हमास ने उनकी योजना के कुछ हिस्से स्वीकार कर लिए हैं।

ट्रंप ने हमास के बयान का स्वागत करते हुए कहा कि मुझे लगता है वे स्थायी शांति के लिए तैयार हैं। मामले में ट्रंप ने युद्ध को खत्म करने और बंधकों को लौटाने का वादा किया है, जो इस महीने की मंगलवार को हमले की दूसरी वर्षगांठ से पहले पूरा करना चाहते हैं। उनकी योजना को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इसे मंजूरी दी है। मामले में नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा था कि इजरायल इस युद्ध को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो हमास के अक्तूबर 2023 के हमले के बाद शुरू हुआ था। उन्हें अमेरिकी प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण इस योजना के लिए तैयार होना पड़ा।

केजरीवाल के सीएम आवास को गेस्ट हाउस बनाने की तैयारी

मुख्यमंत्री के तौर पर 9 साल रहे, भाजपा ने इसे 45 करोड़ का 'शीशमहल' कहा था

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार राज्य के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के बंगले (सीएम हाउस) को स्टेट गेस्ट हाउस में बदलने की तैयारी में है। इसके रेनोवेशन के लिए केजरीवाल पर 45 करोड़ खर्च करने का आरोप लगाया गया था। ये बंगला 6, फ्लैग रोड पर मौजूद है।

अधिकारियों के मुताबिक, बंगले के गेस्ट हाउस में तब्दील होने के बाद इसमें पार्किंग स्पेस, कैफेटेरिया, वेटिंग हॉल, मीटिंग रूम समेत अन्य सुविधाएं होगीं। अन्य गेस्ट हाउस की तरह ही

अधिकारी-मंत्री भी यहां ठहर सकेंगे और किराया भी भरेंगे।

इसके अलावा अन्य स्टेट हाउस की तरह यहां ट्रेडिशनल फूड मिलेगा, जिसका लुत्फ आम जनता भी ले सकेगी। फिलहाल इस प्रोजेक्ट को अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। बंगले की देखरेख के लिए 10 कर्मचारी तैनात हैं, जो साफ-सफाई और दूसरी व्यवस्थाएं संभालते हैं।

अरविंद केजरीवाल साल 2015 से 2024 तक, पूरे 9 साल इस बंगले में परिवार समेत रहे थे।

किसानों की होने वाली अन्नदाता हुंकार रैली स्थगित

उच्चाधिकारियों से किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट से बनी सहमति

टोंक, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में जयपुर में आयोजित होने वाली अन्नदाता हुंकार रैली की तैयारियों को देखते हुए राजस्थान सरकार रैली से पहले ही घुटनों पर आती नजर आई। सरकार और किसान नेताओं के बीच आज जयपुर में संभागीय आयुक्त पुनम और अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ लगभग चार घंटे लंबी वार्ता हुई। इस दौरान टोंक जिले से जुड़ी आधा दर्जन मांगों और प्रदेश भर के किसानों से जुड़े कई मुद्दों पर सहमति बन गई।

असल में, अन्नदाता हुंकार रैली 6 अक्टूबर को जयपुर शिप्रा पथ मानसरोवर में आयोजित होने वाली थी। उससे तीन दिन पहले

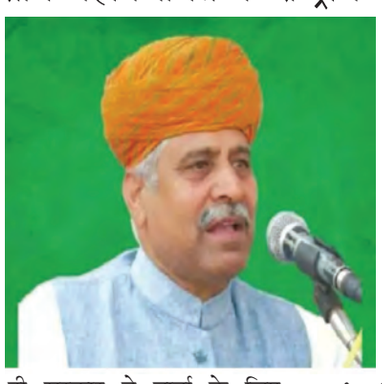

ही सरकार ने वार्ता के लिए किसान नेता रामपाल जाट को राजस्थान पदाधिकारियों के साथ बैठक के लिए बीजू जॉर्ज, पुलिस कमिश्नर जयपुर के माध्यम से आमंत्रित किया।

पिछले तीन महीनों से राजस्थान भर में किसान महापंचायत पदाधिकारी तैयारियों और पुलिस गुप्त रिपोर्ट के आधार पर पिछले दो दिनों से रामपाल जाट को सरकार की ओर से वार्ता का आमंत्रण मिलने की चर्चाएँ चल रही थीं। इसके बाद किसान महापंचायत प्रतिनिधियों ने मुख्य सचिव सुधांशु पंथ से वार्ता की सहमति दी। मुख्य सचिव के विदेशी दौरे से लौटने के उपरांत 6 अक्टूबर 2025 को वार्ता का दूसरा दौर होगा।

सरकार का प्रतिनिधित्व इस बैठक में संभागीय आयुक्त पुनम (आईएएस), आयुक्त जयपुर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर प्रथम, कृषि विपणन विभाग, कृषि विभाग, जल संसाधन विभाग, सहकारिता विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी कर रहे थे। किसानों की ओर से प्रतिनिधित्व में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घासीराम फगोडिया, प्रदेशाध्यक्ष मुसद्दीलाल यादव, युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी, प्रदेश महामंत्री सुन्दर लाल, जगदीश नारायण खुडियाला, प्रदेश प्रवक्ता सुरेश बिजारणियां, जिला अध्यक्ष अजमेर प्रहलाद खुरड़िया, खेरथल तिजारा जिला अध्यक्ष विरेन्द्र चौधरी, दूदू जिला अध्यक्ष बलदेव महरिया, उपाध्यक्ष सीताराम खादवाल, तहसील अध्यक्ष निवाई दशरथ सिंह चौहान, तहसील महामंत्री नवल सिंह राजावत शामिल थे।

बीजेपी सरकार की मिलीभगत ने बच्चों की जान ली

डोटासरा ने लगाए गंभीर आरोप; मां को दोषी बताने पर सुनाई खरी-खोटी

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी योजना के तहत वितरित कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत और बीमारी के मामलों ने विवाद खड़ा कर दिया है। अब तक तीन बच्चों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद दवा की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। पीसीसी प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने इस मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधा है।

वहीं, स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने दावा किया कि दवा पूरी तरह सुरक्षित है और इसकी जांच करवाई जा चुकी है। जांच रिपोर्ट में दवा के सभी सॉल्ट्स की मात्रा मानक के अनुरूप पाई गई और किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया गया। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया कि कफ सिरप डॉक्टर द्वारा प्रिस्क्राइब नहीं किया गया था। वहीं, सीकर के एक मामले में डॉक्टर द्वारा दवा प्रिस्क्राइब करने की बात सामने आई है, जिसके बाद फार्मासिस्ट और डॉक्टर पर कार्रवाई की बात कही जा रही है। बता दें, भरतपुर और सीकर में डेक्सट्रोमेथारपन कफ

सिरप के सेवन से दो बच्चों की मौत हुई थी। सीकर के हाथीदेह पीएचसी में एक बच्चे को यह प्रतिबंधित दवा दी गई थी, जिसका मामला अब जांच के दायरे में है।

पीसीस चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि जमीर मारकर कुर्सियों से चिपके हुए लोग, जब सत्ता में बैठें हो तो शर्म और संवेदना कहां बचेगी! जिस मां की गोद उजड़ गई, जिसका कलेजा छिन गया, भाजपा सरकार उस मां को अपने बच्चे की मौत का जिम्मेदार बता रही है। शर्मनाक!

उन्होंने कहा कि क्या उस मां का यही गुनाह है कि उसने डॉक्टर के कहने पर सरकारी अस्पताल से मिली दवा अपने बच्चे को पिलाई? 3 मासूमों की जान चली गई, कई बच्चों की किडनी हमेशा के लिए खराब हो गई और भाजपा की संवेदनहीन सरकार अब भी कुतर्क करने में लगी है।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि जिस कफ सिरप 'डेक्स्ट्रोमेथोर्फन हाइड्रोब्रोमाइड' से बच्चों की जान गई, वो पहले से ही ब्लैकलिस्टेड थी। जिस केयसन्स फार्मा कंपनी को नकली दवाएं बनाने के आरोप में बैन किया गया, उसी की दवा सप्लाई हो रही है। बैन के बावजूद जहरीली दवा राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में 'मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना' के तहत बांटी जाती रही।

उन्होंने कहा कि पूरा मामला सामने आ गया तो सरकार बच्चों की मां को दोषी बताकर दवा कंपनी को बचाने में लगी है, उसे क्लीन चिट दे रही है। भाजपा सरकार की मिलीभगत, भ्रष्टाचार और लापरवाही ने बच्चों की जान ली है। हत्या के गुनहगारों को कड़ी सज़ा और ज़हर बांटने वाले जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

जमवारामगढ़ में विक्रम मीणा आत्महत्या का मामला

सहमति बनने के बाद फिर से हंगामा, नरेश मीणा ने दी चेतावनी

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर के जमवारामगढ़ के रायसर थाना क्षेत्र के कुशलपुरा गांव निवासी विक्रम मीना के वनकर्मियों के साथ विवाद के बाद आत्महत्या करने के मामले में ग्रामीण और परिजन पुलिस थाने पहुंचे और प्रदर्शन करने लगे। थाने का घेराव करने पर पुलिस ने भीड़ को खदेड़ने के लिए लाठियां भांजी और आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया। पुलिस-ग्रामीणों की झड़प में कई लोग घायल हुए।

बता दें, विक्रम के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए नरेश मीणा भी कल शाम को रायसर पहुंचे थे। देर रात नरेश मीणा अपने समर्थकों के साथ रायसर पहुंचे और धरना देकर बैठे। वहीं, अब नरेश मीणा ने ऐलान किया कि अगर शनिवार 3 बजे तक विक्रम मीणा के परिजनों से प्रशासन बातचीत नहीं करता है तो शव के साथ सीएम आवास की तरफ कूच करेंगे।

तीन वनकर्मियों से हुआ था विवाद

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को विक्रम मीणा जंगल में बकरियां चराने गया था, जहां तीन वनकर्मियों के साथ उसका विवाद हुआ। युवक शिकायत लेकर

रायसर थाना पहुंचा और 100 नंबर पर भी मदद मांगी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना के बाद जमवारामगढ़ के पूर्व विधायक गोपाल मीणा और प्रधान मानसी मीणा के नेतृत्व में गुरुवार रात से ही वन विभाग कार्यालय रायसर के सामने धरना शुरू हो गया।

प्रदर्शनकारी मनोहरपुर-दौसा मार्ग पर जाम लगाने पहुंचे, लेकिन अधिकारियों की समझाइश पर धरनास्थल लौट गए। दोपहर में प्रदर्शनकारी पुलिस थाने पहुंचे और थाने का घेराव कर दिया। भीड़ के थाने में घुसने पर पुलिस ने लाठियां भांजी और आंसू गैस का प्रयोग किया। कई लोग घायल हुए। जयपुर ग्रामीण के अन्य थानों से भी अतिरिक्त पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा और थाने को छावनी मेंबदल दिया।

पहले मांगों पर सहमति, फिर हुए असंतुष्ट

रायसर थाने में मृतक के परिजनों व ग्रामीणों के साथ जमवारामगढ़ विधायक, पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में मृतक के परिजनों को 18 लाख की आर्थिक सहायता राशि, 1 जने को संविदा पर नौकरी, एक डेयरी बूथ, हत्या की धाराओं में मामला दर्ज, हिरासत में लिए गए लोगों को बिना पुलिस कार्रवाई छोड़ने पर सहमति के बाद शव का पोस्टमार्टम करवा दिया था, लेकिन शव के घर पहुंचने के बाद परिजन ने दबाव में सहमति करवाने का आरोप लगाया। इस दौरान मौके पर पहुंचे नरेश मीना भी समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए।

हनुमान बेनीवाल का ज्योति मिर्धा पर जुबानी हमला

बोले- कब आ रहे हो कांग्रेस में

नागौर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागौर सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के राष्ट्रीय संयोजक हनुमान बेनीवाल ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिर्धा पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक रूप से अस्थिर रुख अपना रही हैं। बेनीवाल ने सवाल उठाया कि जब उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था, तो उसका कारण यही बताया था कि उनकी सरकार ने डीएमएफटी फंड को लेकर कोई सुनवाई नहीं की।

बेनीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वर्ष 2023 में उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र नागौर और डीडवाना-कुचामन जिले के लिए

डीएमएफटी फंड का 91 करोड़ रुपये स्वीकृत करवाया था। उस समय डॉ. ज्योति मिर्धा ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि उनकी कांग्रेस सरकार ने इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया, इसी कारण उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन की। बेनीवाल का कहना है कि अब जबकि भाजपा की सरकार है, तब भी उन्होंने ही बकाया फंड जारी करवाया है।

मिर्धा पर कांग्रेस लौटने का तंज

बेनीवाल ने तंज कसते हुए कहा कि जब उनकी सरकार ने फंड जारी नहीं किया, तो उन्होंने पार्टी बदली और अब जब भाजपा सरकार में भी उन्होंने ही फंड स्वीकृत करवाया, तो क्या इसका मतलब है कि मिर्धा फिर कांग्रेस में वापसी की तैयारी कर रही हैं।

3 दिन ओले और तूफानी बारिश का अलर्ट

दिवाली पर बारिश का साया

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार अक्टूबर के महीने में बारिश का दौर कुछ लंबा चलने वाला है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो आगामी 6, 7 और 8 अक्टूबर को जयपुर समेत 7 से ज्यादा जिलों में मेघगर्जन के साथ बारिश होने और कुछ भागों में ओलावृष्टि होने की प्रबल आशंका है। आगामी 6 अक्टूबर को मौसम का मिजाज सर्वाधिक बिगड़ने की आशंका है। बंगाल की खाड़ी में बने कम वायुदाब क्षेत्र से राजस्थान में आ रही ठंडी हवाओं के कारण कई जिलों में बारिश का दौर सक्रिय रहा है। प्रदेश के छह से ज्यादा जिलों में शनिवार को हल्की से मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान मौसम विभाग जता रहा है।

इन जिलों में तूफानी बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट

मौसम केंद्र जयपुर से मिली जानकारी के अनुसार बंगाल की खाड़ी से होकर ठंडी हवाएं प्रदेश तक पहुंच रही हैं। जिसके असर से दिन के तापमान में बढ़ोतरी होने के साथ ही बादलों की आवाजाही बढ़ने और हल्की से मध्यम बारिश का दौर सक्रिय है। आगामी 6 अक्टूबर को जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, हनुमानगढ़, सीकर, झुंझुनूं और अलवर जिले में बन रहे लो प्रेशर एरिया के असर से कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि होने का अलर्ट है। माना जा रहा है कि ओलावृष्टि और बारिश होने पर प्रदेश में इस बार अक्टूबर के महीने में सर्दी का जोर बढ़ने वाला है।

पाकिस्तान की तरफ से पश्चिमी विक्षोभ की दस्तक

मौसम विज्ञानियों के अनुसार पश्चिमी पाकिस्तान की तरफ एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। जिसके असर से हिमालय के तराई क्षेत्र में बर्फबारी शुरू होने लगी है। वहीं राजस्थान के दक्षिण पश्चिमी जिले सिरोही, राजसमंद, बांसवाड़ा, उदयपुर और डूंगरपुर समेत आसपास के जिलों में 7 और 8 अक्टूबर को कहीं मध्यम तो कहीं तेज बारिश होने की आशंका है।

अरब सागर में चक्रवात 'शक्ति' पड़ा सुस्त

अरब सागर में सक्रिय चक्रवात 'शक्ति' सक्रिय है लेकिन विंड पैटर्न बदलने के कारण फिलहाल चक्रवात सुस्त है। हालांकि मौसम विज्ञानियों का मानना है कि विंड पैटर्न बदलने पर देश के दक्षिण पश्चिम और उत्तर के कुछ भागों में चक्रवाती के असर से अक्टूबर माह में बारिश का दौर सक्रिय रहने की संभावना है।

अक्टूबर माह में बारिश का दौर सक्रिय

मौसम विज्ञानियों के अनुसार अक्टूबर माह के दूसरे पखवाड़े में भी इस बार बारिश का दौर सक्रिय रहने की संभावना है। हालांकि दूसरे पखवाड़े से पहले दो चार दिन तक दिन के तापमान में बढ़ोतरी होने के आसार हैं लेकिन इसके बाद फिर से बादलों की आवाजाही बढ़ने और फिर से झमाझम बारिश का दौर सक्रिय होने का अनुमान है। अक्टूबर के दूसरे पखवाड़ में दिवाली पर्व पर भी इस बार बारिश का साया मंडरा रहा है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता रामेश्वर डूडी का निधन, ब्रेन हैमरेज के बाद से कोमा में थे

बीकानेर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेसी और पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी का शुक्रवार देर रात तकरीबन एक बजे निधन हो गया। वे अगस्त 2023 में ब्रेन हैमरेज होने के बाद से कोमा में चल रहे थे। उन्हें पहले जयपुर ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया था। कुछ दिन पहले ही डूडी को दिल्ली से बीकानेर लाया गया था। तब से उनकी हालत स्थिर थी। 62 वर्ष की उम्र में रामेश्वर डूडी ने शुक्रवार देर रात घर पर ही आखिरी सांस ली। रामेश्वर डूडी मूलतः नोखा के रायसर गांव के रहने वाले थे। वर्तमान में उनकी पत्नी सुशीला डूडी नोखा से विधायक हैं। पश्चिमी राजस्थान के किसानों की बुलंद आवाज रहे डूडी राजनीतिक जीवन में पंचायत समिति प्रधान, जिला प्रमुख, विधायक और सांसद के साथ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रहे। भतीजे अतुल डूडी ने बताया कि अंत्येष्टि बीकानेर में शनिवार दोपहर बाद एक बजे जाट बगीची में होगी। अगस्त, 2023 में डूडी को ब्रेन हैमरेज हुआ था, तब से वे कोमा में थे। उनका इलाज पहले जयपुर में चल रहा था और बाद में उन्हें बेहतर उपचार के लिए दिल्ली ले जाया गया। तबीयत में कोई सुधार न होते देख हाल ही में उनके परिजन उन्हें बीकानेर वापस लेकर आए थे। यहां बीकानेर के वैध मघाराम कॉलोनी में उनके निवास पर उनके लिए बाकायदा एक आईसीयू वार्ड तैयार किया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा था। इस बीच शुक्रवार रात उनकी तबीयत बिगड़ी और रात करीब 1 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। रामेश्वर डूडी के निधन की परिजनों ने पुष्टि की है। डूडी का इतनी कम उम्र में चले जाना राजस्थान की राजनीति के लिए बड़ी क्षति माना जा रहा है। बीकानेर सहित प्रदेश भर में उनके समर्थक और राजनीतिक साथी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त कर रहे हैं।

ओडिशा से राजस्थान पहुंचा 5 करोड़ का गांजा

कंटेनर के गुप्त तहखाने में छिपाकर लाए; पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

झुंझुनू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) जयपुर और झुंझुनूं पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने एक कंटेनर ट्रक से 1014 किलो अवैध गांजा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5 करोड़ रुपए आंकी गई है।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि गुरुवार रात को एजीटीएफ टीम व पुलिस ने स्टेट हाईवे 37बी पर झुंझुनूं-सीकर बोर्डर के पास नाकाबंदी की। इसी दौरान सीकर की तरफ से आ रहे एक कंटेनर को रुकवाने का प्रयास किया गया। लेकिन चालक कंटेनर को भगा ले गया। पुलिस पीछा करती रही और रात करीब दो बजे ताल बस स्टैंड से आगे मंडावरा की तरफ देव पशु आहार दुकान के सामने ट्रक को रोक लिया गया।

तलाशी लेने पर कंटेनर के भीतर गुप्त तहखाने में बनाई गई

लेयरिंग में रखे 34 कट्टों से पार्सलनुमा पैकेट बरामद हुए। जिनमें गांजा भरा हुआ था। पुलिस ने गांजा ला रहे सुभाष गुर्जर पुत्र सांवरमल गुर्जर निवासी गोविंदपुरा, जाजोद व प्रमोद गुर्जर पुत्र भंवरलाल गुर्जर निवासी निमावास दांतारामगढ़ को गिरफ्तार किया।

सुभाष के खिलाफ पहले भी आपराधिक प्रकरण दर्ज है। जबकि प्रमोद का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला। इस ऑपरेशन में एजीटीएफ जयपुर व झुंझुनूं टीम के साथ नवलगढ़ वृताधिकारी राजवीर सिंह, उदयपुरवाटी थानाधिकारी कस्तूर वर्मा, गोठड़ा थानाधिकारी हेमराज, हैडकांस्टेबल विक्रम सिंह सहित 25 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे।

जिले में यह सबसे बड़ी कार्रवाई

उदयपुरवाटी थानाक्षेत्र में गांजा बरामदगी की यह सबसे बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले पुलिस ने 29 जुलाई 2025 को चिड़ावा थानाक्षेत्र 46.9 किलो गांजा जब्त जीप जब्त की थी।

पचेरी कलां थानाक्षेत्र में नागालैंड से आ रही 31.5 किलो गांजा की खेप बरामद की थी। सूरजगढ़ थानाक्षेत्र में 22.5 किलो गांजा बरामद कर दो को गिरतार किया गया था। पिलानी थाना क्षेत्र में छोटे सप्लाई मामलों में 500 ग्राम के साथ स्थानीय सप्लायर पकड़े थे।

राजस्थान के 18 आईएएस-आईपीएस बिहार विधानसभा चुनाव में ऑब्जर्वर लगाए गए

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में प्रस्तावित उपचुनावों को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों (ऑब्जर्वर्स) की नियुक्ति की है। आयोग की ओर से कुल 425 अधिकारियों को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है, जिनमें 287 आईएएस, 58 आईपीएस और 80 अन्य केंद्रीय सेवाओं के अधिकारी शामिल हैं। इस सूची में राजस्थान से 15 भारतीय प्रशासनिक सेवा और 3 भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों को चुनावी ड्यूटी पर लगाया गया है। इनमें हाल में एपीओ की गईं आईएएस अर्चना सिंह भी शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे चुनावी कानूनों, नियमों और आयोग की गाइडलाइंस का अध्ययन करें और उन्हें सख्ती से लागू करें। साथ ही, वे अपने क्षेत्र में मतदान केंद्रों का दौरा करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि मतदाताओं की सुविधा के लिए की गई तैयारियों का पालन हो रहा है। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना इनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी।

सरकार ने ड्रग कंट्रोलर को किया निलंबित

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने कफ सिरप विवाद के बाद बड़ा कदम उठाते हुए राज्य ड्रग कंट्रोलर राजाराम शर्मा को निलंबित कर दिया है और जयपुर स्थित कायसन फार्मा द्वारा बनाई गई सभी 19 दवाओं का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। यह निर्णय तब लिया गया है जब मध्यप्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौतों की खबरें आईं।

स्वास्थ्य और चिकित्सा विभाग ने कहा कि दवा मानक तय करने की प्रक्रिया में कथित रूप से अनियमितता पाए जाने के कारण ड्रग कंट्रोलर को निलंबित किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मामले की गहन जांच के निर्देश दिए हैं। इसके तहत एक विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह ने भी मामले पर संज्ञान लेते हुए

आमजनहित में जांच और रोकथाम के उपाय सुनिश्चित करने को कहा था। विभाग ने एडवाइजरी जारी कर डेक्सट्रोमैथोरपन दवा के इस्तेमाल को लेकर सख्ती बरती है। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार पहले ही 2021 में 4 साल से छोटे बच्चों को यह दवा नहीं देने की एडवाइजरी जारी कर चुकी है। अब ड्रग कंट्रोलर ऑफ इंडिया ने दोबारा स्पष्ट किया है कि सामान्यतः 5 साल से बड़े बच्चों को ही यह दवा दी जाए और 2 साल से छोटे बच्चों को किसी भी स्थिति में यह दवा नहीं दी जानी चाहिए।

इसके अलावा, बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक दवाओं पर चेतावनी अंकित करने की कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है। वहीं सीओपीडी जैसी गंभीर बीमारियों में उपयोग की जाने वाली दवाओं की खरीद-फरोख्त और आपूर्ति पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

आरएमएससीएल के प्रबंध निदेशक पुखराज सेन ने बताया कि 2012 से अब तक कायसन फार्मा की दवाओं के 10 हजार 119 सैंपल जांचे गए, जिनमें से 42 सैंपल अमानक पाए गए हैं। एहतियात के तौर पर इस कंपनी की सभी दवाओं के वितरण पर रोक लगाई गई है। इस मामले में विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

कार ट्रेलर में जा घुसी

दो की मौत; तीन घायल

दौसा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दौसा जिले के सदर थाना इलाके में दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियां गम में बदल दीं। नेशनल हाईवे 21 पर हाईवे किंग होटल के सामने तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में जा घुसी। हादसे में कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी दोस्त जयपुर से नई कार बुक करवा कर घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की स्पीड काफी तेज थी और अचानक खड़े ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया और उसमें सवार युवक बुरी तरह फंस गए। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के ढाणियों और होटल से लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

असली सोने का टुकड़ा दिखाकर बेच देता था चमचमाती ईंटें

ठग गिरोह का मुख्य आरोपी अरबाज गिरफ्तार

दौसा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दौसा सदर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई कर नकली सोने से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर भाण्डारेज क्षेत्र में नाकेबंदी कर मुख्य आरोपी अरबाज मेव को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी कम कीमत पर सोना बेचने का झांसा देकर लोगों को फंसाता था।

zवह शुरुआत में असली सोने का टुकड़ा दिखाकर भरोसा दिलाता और सौदा पक्का होने पर पैसे लेकर असली की जगह नकली सोने की ईंट थमा देता। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी से दो नकली सोने की ईंटें, एक असली सोने का छोटा टुकड़ा और वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की गई।

थानाधिकारी हनुमान सहाय ने बताया कि भाण्डारेज रोड पर सरकारी अस्पताल के पास पुलिस को देखकर आरोपी का एक साथी मौके से भाग निकला, जबकि अरबाज को दबोच लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी का नाम चवन मेव बताया। उसने कबूला कि वह अपने गांव के साथियों के साथ संगठित गिरोह बनाकर ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। आरोपी की जेब से नकली सोने की ईंटों के साथ हस्ताक्षरशुदा 500 रुपये का नोट भी बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी अरबाज को गिरफ्तार कर नकली और असली सोने के टुकड़े व स्विफ्ट कार जब्त की है।

प्रारंभिक पूछताछ में उसने कई वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की। फिलहाल पुलिस फरार आरोपी और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

मंत्री ने कांग्रेस विधायकों और प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती रंगा रेड्डी ज़िले के प्रभारी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने रंगा रेड्डी और विकाराबाद ज़िलों के कांग्रेस विधायकों और निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में चल्ला नरसिम्हा रेड्डी (रंगारेड्डी जिला कांग्रेस अध्यक्ष), विधायक मल रेड्डी रंगारेड्डी (इब्राहिमपट्टनम), टी. राम मोहन रेड्डी (परिगी), कासिरेड्डी नारायण रेड्डी (कलवाकुर्ती), के. शंकर यादव (शादनगर), बी. मनोहर रेड्डी (तंदूर), और कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी के.एल.आर. (महेश्वरम) और भीम भारत (चेवेल्ला) सहित अन्य लोग शामिल हुए। मंत्री ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण और उन प्रमुख मुद्दों पर रणनीतिक दिशा-निर्देश दिए जिन्हें जमीनी स्तर पर जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने की आवश्यकता है। पार्टी की ताकत, कमजोरियों और पिछले चुनावों के परिणामों की निर्वाचन क्षेत्रवार समीक्षा की गई। मंत्री ने सभी नेताओं से आगामी चुनावों में पूर्ववर्ती रंगा रेड्डी जिले की प्रत्येक सीट पर कांग्रेस का परचम लहराने के एकमात्र उद्देश्य के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच पूर्ण समन्वय सुनिश्चित करने और चुनाव प्रक्रिया के दौरान आंतरिक मतभेदों की कोई गुंजाइश न छोड़ने के स्पष्ट निर्देश दिए। मंत्री ने कार्यकर्ताओं को कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई छह गारंटियों के साथ-साथ पिछली सरकार की विकासात्मक पहलों और विफलताओं व अनियमितताओं को जनता के बीच मजबूती से ले जाने का निर्देश दिया।

यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में जमीनी स्तर पर सर्वेक्षण करने के बाद ही उम्मीदवारों के चयन को अंतिम रूप दिया जाएगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि चयन प्रक्रिया में विधायकों और निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों की राय पर विचार किया जाएगा, लेकिन अंतिम निर्णय पार्टी आलाकमान का होगा।

मंत्री पोन्नम ने जुबली हिल्स खंड में विकास कार्यों की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आज जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के यूसुफगुडा संभाग में कई विकास कार्यों की आधारशिला रखी, जो नागरिक बुनियादी ढांचे में सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम है। इन परियोजनाओं में हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्लूएसएसबी) द्वारा 70 लाख रुपये की लागत से श्री कृष्णा नगर ए ब्लॉक में 600 मिमी सीवरेज मुख्य लाइन पर क्षतिग्रस्त मैनहोल का पुनर्निर्माण शामिल है।

इसके अतिरिक्त, कृष्णा नगर बी और सी ब्लॉक, माधुरी हॉस्पिटल लेन, शालिवाहन नगर, चर्च लेन और येल्लारेड्डीगुडा के साथ-साथ लक्ष्मीनरसिंह नगर और यूसुफगुडा बस्ती में क्षतिग्रस्त 200 मिमी सीवरेज पाइपलाइनों को बदला जाएगा। मंत्री ने एलएन नगर, कमलापुर कॉलोनी, इंजीनियर्स कॉलोनी, नवोदय कॉलोनी और कृष्णा नगर वेंकट गिरि में सीसी सड़कों के निर्माण की आधारशिला भी रखी, जिसकी कुल लागत 7.18 करोड़ रुपये है। कृष्णा नगर और वेंकट गिरि में सामुदायिक भवनों का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार 'जन-केंद्रित शासन के तहत विकास और कल्याण' के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हमने शुक्रवार को हैदराबाद में एक नए फ्लाईओवर का उद्घाटन किया, जिससे शहरी विकास पर हमारा ध्यान केंद्रित हुआ। कांग्रेस सरकार हैदराबाद की ब्रांड छवि को पुनर्स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मैं नागरिकों से आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं ताकि यह प्रगति जारी रहे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले एक दशक से उपेक्षित इस निर्वाचन क्षेत्र में अब बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी आएगी। कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, सह-अध्यक्ष इनागला वेंकट रामी रेड्डी, सेटविन के अध्यक्ष गिरिधर रेड्डी, जीएचएमसी की उप-महापौर मोटे श्रीलता और अन्य स्थानीय नेता और अधिकारी शामिल हुए।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.40 /2025, दि.3-10-2025
भंडारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

PUB/1937

निम्न निविदाओं को आनलाइन पर प्रदर्शित किया गया है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें एवं अपने आफर्स को आनलाइन पर प्रस्तुत करें। तत्संबंधित वेबसाइट पर निविदा विवरण, मात्रा, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा, एसडी को दर्शाया गया है। मैन्युएल रूप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य हैं। डाक द्वारा प्रस्तुत आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी या इन्डिगेनस आफर्स, पूधरा को, केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटः www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
एलएस235597बी	हेवी ड्यूटी टर्निंग लाथे
एलएस255231बी	बीआरएसटी/बीओएम/ बीडब्ल्यूटी वैगान हेतु सेकण्डरी लैशिंग चैन
46251024	डिसकनेक्टिंग एवम् एर्थिंग डिवाइस, 8 पोल 2 वे
33231010सी	फियाट बोगीज के मैन्युफैक्चरिंग हेतु 25 आयटम्स का सेट
66257690	प्लासर मेक के ट्रैक मशीन स्पेयर्स
38255013	10 इंच व 11 इंच बीएमबीएस ब्रेक सिलेंडर के प्रति उपयुक्त रैम एसेंबली

टिप्पणी : निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां – क्रम सं.01- दि.10-10-2025, क्रम सं.02- दि.17-10-2025, क्रम सं.03- दि.20-10-2025, क्रम सं.04- दि.27-10-2025, क्रम सं.05- दि.3-11-2025, क्रम सं.06- दि.23-10-2025
उपरोक्त निविदाओं के अतिरिक्त रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं। विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

तेलंगाना में चार नए केंद्रीय विद्यालयों की मंजूरी

खम्मम, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चार नए केंद्रीय विद्यालयों (केवी) की स्थापना के लिए केंद्र ने मंजूरी दी है। यह सफलता खम्मम के पूर्व सांसद नामा नागेश्वर राव के प्रयासों का परिणाम है।

नागेश्वर राव ने जिलों के पुनर्गठन के बाद शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री को पत्र लिखकर नए केवी की स्थापना की मांग की थी। नए केंद्रीय विद्यालय कोत्तागुडेम, मुलुगु, वानापर्थी और जगतियाल जिलों में बनाए जाएंगे। तेलंगाना में अब केंद्रीय विद्यालयों की संख्या 39 हो गई है। कोत्तागुडेम जैसे पिछड़े और आदिवासी जिलों में केवी की स्थापना से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी और साक्षरता दर बढ़ेगी। स्थानीय लोग नागेश्वर राव के प्रयासों के लिए उनका धन्यवाद कर रहे हैं।

हैदराबाद बीसीए ने भक्तिभाव से मनाई 52वीं दुर्गा पूजा

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंगाली सांस्कृतिक संघ (बीसीए), हैदराबाद ने 52वीं दुर्गा पूजा सफलतापूर्वक मनाई, जिसका समापन 2 अक्टूबर को जीवंत और पारंपरिक 'सिंदूर खेला' समारोह के साथ हुआ।

27 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित छह दिवसीय समारोह में बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स और आसपास के इलाकों से प्रतिदिन 5,000 से 7,000 दर्शकों की उत्साही भीड़ उमड़ी- जिससे यह स्थल भक्ति, कला और आनंद का एक जीवंत केंद्र बन गया। इस वर्ष की थीम, 'एसो गोल्पो पोरी' (जो बंगाली शिशु साहित्य (बाल साहित्य) से प्रेरित है) ने अपनी रचनात्मक कहानी और दृश्य डिजाइन से दर्शकों का मन मोह लिया। इस अनोखे ढंग से डिज़ाइन किए गए पंडाल की शहर के सबसे कल्पनाशील पंडालों में से एक के रूप में व्यापक रूप से प्रशंसा की गई। उल्लेखनीय है कि बीसीए हैदराबाद का एकमात्र दुर्गा पूजा पंडाल है जहां देवी को कमल के फूल चढ़ाए जाते हैं, जिससे अनुष्ठानों में एक दुर्लभ और पवित्र स्पर्श जुड़ जाता है। सप्तमी, अष्टमी और नवमी पर हज़ारों भक्तों को पारंपरिक भोग परोसा गया, जिससे एसोसिएशन की सामुदायिक भोजन की प्रिय परंपरा जारी रही। शामें कोलकाता और हैदराबाद के प्रशंसित कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीवंत हो उठीं, जिसका समापन नवमी पर "वरिष्ठ नागरिकों के फैशन शो" के साथ हुआ जिसने दर्शकों को आनंदित किया और शाश्वत भावना का जश्न मनाया। समारोह का समापन 'सिंदूर खेला' के साथ हुआ, जहां विवाहित महिलाओं ने एक-दूसरे और देवी को सिंदूर लगाया- प्रेम, शक्ति और बहनत्व की एक मार्मिक अभिव्यक्ति।

कार्यक्रम समन्वयक और बीसीए की कार्यकारी समिति की सदस्य त्रिशिता मुखर्जी ने कहा, इस साल हमने बहुत अच्छा समय बिताया- यहा तक कि गैर-बंगाली भी उत्सव में शामिल हुए। हमने सोचा था कि चूंकि पूजा सप्ताह के दिनों में थी, इसलिए भीड़ कम होगी, लेकिन दुर्गा माँ ने हमें भारी संख्या में लोगों की भागीदारी का आशीर्वाद दिया। हमारी थीम 'एसो गोल्पो पोरी' सभी को पसंद आई, और हमें गर्व है कि हमारा पंडाल अपनी रचनात्मकता और विशिष्टता के लिए सबसे अलग रहा। इस साल देवी को कमल के फूल चढ़ाने वाला हम एकमात्र पंडाल भी थे।

नगरपालिका कर्मचारियों की रचनात्मक प्रदर्शनी का उद्घाटन

आदिलाबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राजर्षि शाह ने शनिवार को गांधी पार्क में नगरपालिका कर्मचारियों की रचनात्मकता को प्रदर्शित करने वाली 'वेस्ट टू वंडर' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में प्लास्टिक की बोतलों, शीतल पेय की बोतलों, वाहनों के पहियों और अन्य कचरे से बनाई गई कलाकृतियां दिखाई गईं। शाह ने कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और कचरे की परिभाषा बदल सकती है। नगर आयुक्त सी.वी.एन. राजू, एस.सी. निगम के कार्यकारी निदेशक मनोहर और अन्य अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रेम रावत को डाक्टर आफ लेटर्स की उपाधि

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जिष्णु देव वर्मा ने विश्वविद्यालय (ब्राउ) के 26वें दीक्षांत समारोह में लेखक प्रेम रावत को डॉक्टर ऑफ लेटर्स की उपाधि से सम्मानित किया। यह सम्मान प्रेम रावत को शांति और मानवीय क्षमता को बढ़ावा देने के प्रति उनके आजीवन समर्पण के लिए प्रदान किया गया। अपनी पुस्तकों, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संसद जैसे वैश्विक मंचों पर दिए गए व्याख्यानों तथा पीस एजुकेशन प्रोग्राम जो आज 80 देशों के 1,500 शैक्षणिक संस्थानों और 890 जेलों में चल रहा है- के माध्यम से उन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। प्रेम रावत ने अब तक 110 से अधिक देशों में अपना शांति-संदेश दिया है। वे न्यूयॉर्क टाइम्स के बेस्टसेलिंग पुस्तक के लेखक हैं और बड़े पैमाने पर जनसंपर्क कार्यक्रमों के लिए तीन गिनीज वर्ल्ड रिकार्डर्स उनके नाम दर्ज हैं।

देवी विसर्जन के दौरान बरसे पत्थर

दो युवक घायल, 3 को मामूली चोटें

निर्मल, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के भैंसा मंडल के मिर्जापुर गांव में देवी विसर्जन शोभा यात्रा पर रात 10.30 बजे एक घर के ऊपर से पत्थर बरसने से 2 युवकों को गहरी चोटें आई जब कि 3 लोग भी मामूली चोट के शिकार हुए हैं।

गहरी चोट लगने से घायलों को भैंसा क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया। 3 नाबालिक लड़कों को गांव में फर्स्ट एड उपचार किया गया। भैंसा अस्पताल में एक के सिर 4 टांके लगे हैं एक को पीठ में अंदरूनी चोट आई है। गांव वासियों ने यात्रा वही पर 2 घंटे रोक कर उपद्रवियों के खिलाफ करवाई की मांग की। घटना स्थल पर ग्रामीण पुलिस सहित एएसपी अविनाश कुमार पहुंचे। उन्होंने गांव वासियों को आश्वासन दिया कि घटना के पीछे जो कोई भी होगा उसे कड़ी सजा दी जाएगी। बाद में पुलिस बंदोबस्त में देवी विसर्जन किया गया।

हैदराबाद शमशाबाद हमीदुल्ला नगर स्थित जाट समाज तेलंगाना सर्वे नंबर 4971 में वीर तेजाजी महाराज मंदिर प्रांगण में एक शाम वीर तेजाजी महाराज के भव्य तेजा गायन की जोरों से तैयारीयां चल रही है। समस्त जाट समाज तेलंगाना की निगरानी में सजावट, टेंट, लाइटिंग व अन्य कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के बाद चर्चा करते समाज के वरिष्ठजन।

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से)

PUB/1938

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीइ/सी-वी/एससी & सीइ/सीआईआई/एससी निर्माण संगठन, द.म.रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

1. एनआयटी संख्याः 23-सीएओ-सी-एससी-2025, दि.29-09-2025, कार्य विवरणः एससीआर कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन-नांदेड डिवीजन-अकोला-अकोट स्टेशनों के बीच एमजी से बीजी तक ट्रैक का रूपांतरण या कनर्वशनः अकोट स्टेशन पर टर्मिनल स्टेशन, टीटीएम साइडिंग प्लेटफार्म्स, टीटीएम टेस्ट रूम्स का यथावत निर्माण कर तत्संबंधित कार्यरत के संपूर्ण ब्लाक के कार्यरत केवल एक ट्रेन सिस्टम का रुपांतरण, क्रासिंग स्टेशनों से जुडे कार्य तथा उगवे, पटसल, गांधी स्मारक एवं अकोट के मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग्स, सीओपी, एफओबी, प्लेटफार्म्स आदि से संबंधित अन्य छिटपुट कार्य। महाराष्ट्र राज्य के उगवे, पटसल, गांधी स्मारक एवं अकोट में रेलों, स्लीपर्स व पी-वे मटेरियल्स का परिवहन, बीजी ट्रैक एसेंबलिंग को बिछाना व जोडना, इनसर्शन आफ पाइंट्स तथा क्रासिंग्स एवम् एमपी स्टेट में सरफेस कनेक्शन/नई क्रासिंग स्टेशन व्यवस्था। अनुमानित मूल्य रु.20,83,39,574.55, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.11,91,700.00, पूरा करने की अवधिः 18 (अठारह) महिने, खोलने की तिथिः 21-10-2025 के 15.00 बजे

2. एनआयटी संख्याः 24-सीएओ-सी-एससी-2025, दि.29-09-2025, कार्य विवरणः एससीआर कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन-सिकंदराबाद-गुंटूर सेक्शनः पगिडीपल्ली स्टेशन पर रेल ओवर रेल (आरओआर) पुल का निर्माण कार्य, एम्बैन्कमेंट में एर्थवर्क या मिट्टी कार्य का निष्पादन, आरडीएसओ स्टैन्डर्ड्स नुसार तत्संबंधित कट्टिंग, ब्लैंकेटिंग, मुख्य पुलों व छोटे पुलों व पुलों के नीचे सडकें (आऱ्युबीज) का निर्माण कार्य, बल्लास्ट की आपूर्ति व डम्पिंग या ढेर लगाना, पी.वे मटेरियल्स का परिवहन, बीजी ट्रैक को बिछाना व जोडना, पीएण्डसी की एसेंबलिंग एण्ड इनसर्शन, लूप लाइन्स का सीटीआर कार्य एवं छिटपुट सिविल कार्यों का निष्पादन सहित बीबीनगर (यार्ड को मिलाकर) तथा बोम्मइपल्ली (यार्ड को छोडकर) स्टेशनों के बीच रेल ओवर रेल लाइन सहित तत्संबंधित बिजली कार्य। अनुमानित मूल्य रु. 83,51,75,248,84, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.43,25,900.00, पूरा करने की अवधिः 24 (चौबीस) महिने, खोलने की तिथिः 23-10-2025 के 15.00 बजे

I) बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट:https://ireps.gov.in पर लागिन करें।
II) निविदादाता अपने आफर्स को, आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने के पहले, पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
III) निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य प्रशासन अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद

राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार और बस की टक्कर

जोगुलम्बा गदवाल, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर शनिवार सुबह जिंकलपल्ली में एक तेज़ रफ्तार कार ने वानापर्थी डिपो की आरटीसी बस को पीछे से टक्कर मार दी। बस पूरी तरह भरी हुई थी, हर सीट पर यात्री बैठे थे और कई यात्री खड़े थे। हालांकि, केवल कुछ यात्रियों को मामूली खरोंचें आईं और कोई गंभीर चोट नहीं आई।

निविदा सूचना संख्या एनइडी/इ-23&24/2025-26,दि.18-09-2025

PUB/1939

निविदा सूचना संख्या एनइडी/इ-23&24/2025-26,दि.18-09-2025

1.निविदा संख्याः एनइडी/इ-23/2025-26, कार्य विवरणः तत्संबंधित कार्यों के प्रति बिजली व्यवस्थाएं 1) अदिलाबाद स्टेशन पर कवर ओवर प्लेटफार्म का विस्तार करना ताकि, सभी प्लेटफार्म्स की समस्त लम्बाई को ढका जा सके। 2) किनवट स्टेशन पर कवर ओवर प्लेटफार्म का विस्तार करना ताकि, सभी प्लेटफार्म्स की समस्त लम्बाई को ढका जा सके। अनुमानित मूल्य रु.31,37,524.00, बोली सुरक्षा रु.62,800.00, आफर वैधः 60 दिनों तक, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, तत्संबंधित विवरणः www.ireps.gov.in पर नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 10-10-2025 के 15.00 बजे

2. निविदा संख्याः एनइडी/इ-24/2025-26, कार्य विवरणः वाशीम स्टेशन पर कवर ओवर प्लेटफार्म का विस्तार करना ताकि, सभी प्लेटफार्म्स की समस्त लम्बाई को ढका जा सके-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.30,56,943.00, बोली सुरक्षा रु.61,100.00, आफर वैधः 60 दिनों तक, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, तत्संबंधित विवरणः www.ireps.gov.in पर नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 10-10-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज,योग्यता मानदण्ड, खास शर्तें आदि हेतु हमारे उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है, यह जांच लें कि, इस आफर प्रस्तुति के पहले, यदि कोई शुध्दिपत्र तो प्रकाशित हुवा है, की पुष्टि कर लें।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), नांदेड
ए1559

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु हमारा वेबसाइट्स:https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखे।

रामेश्वरपल्ली गांव में पीने के पानी के लिए संघर्ष

ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर धरना देकर तुरंत सुरक्षित पेयजल की मांग की

कामारेड्डी, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामेश्वरपल्ली गांव के डबल बेडरूम वाले घरों के निवासी हाल ही में हुई भारी बारिश के बावजूद पीने के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पिछले 20 दिनों से वे पास के कृषि कुओं से पानी के बर्तन लाकर इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकारी उदासीनता से नाराज ग्रामीणों ने शनिवार को कामारेड्डी-राजन्ना सिरसिला मुख्य मार्ग पर धरना दिया और तुरंत सुरक्षित पेयजल आपूर्ति की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी समस्या का समाधान नहीं कर पाए। मौके पर पहुंचे अधिकारी और पुलिस ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या जल्द सुलझाई जाएगी। इसके बाद प्रदर्शनकारी लौट गए, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र पर्याप्त पेयजल आपूर्ति नहीं की गई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

बीआरएस नेता ने सिरपुर क्षेत्र में उपेक्षा का आरोप लगाया

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने शनिवार को कागजनगर मंडल के लाइनगुडा और आसपास के गांवों का दौरा करते हुए पंचायत राज मंत्री डी. सीतक्का और उनकी सहयोगी जुपल्ली कृष्णा राव पर सिरपुर (टी) विधानसभा क्षेत्र के विकास की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। प्रवीण कुमार ने कहा कि मंत्री केवल अपने विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित हैं और दूरदराज के आदिवासी बहुल गांवों की समस्याओं की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने आईटीडीए-उटनूर अधिकारियों और स्थानीय विधायक डॉ. हरीश बाबू की सड़क, पुल और बुनियादी ढांचे के निर्माण में लापरवाही के लिए आलोचना की।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/1240

आरयु गुण्टकल पर पीसीइटी की लीजिंग हेतु आईआरइपीएस माध्यम से ई-निविदा आमंत्रण

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुण्टकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा https://www.ireps.gov.in माध्यम से अठारह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के भारतीय नागरिकों तथा क्लोज्ड एन्ड ई-टेंडर पर कंपनियों/भारत में पंजीकृत फर्मों से ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः	ई-निविदा संख्या	श्रेणी	कैटलाग का लोकेशनः	निविदा बंद करने की तिथि	बंद करने का समय
1	पीसीइटी-2025-26-01	पीसीइटी की लीजिंग	आरयु-एसएनएल-आरयु	15-10-2025	15-00
2	पीसीइटी-2025-26-02	पीसीइटी की लीजिंग	आरयु-एनसीटीपी-आरयु	15-10-2025	15-15

इच्छुक पार्टियों तथा ठेकेदारों को इस बात पर ध्यान देना होगा कि, ई-निविदा प्रक्रिया को अवगत होने एवं इसमें सहभागिता हेतु आईआरइपीएस साइट के होम पेज की बायीं ओर के नेवीगेशन बार पर उपलब्ध लर्निंग सेंटर (यूजर मैन्युएल्स) लिंक द्वारा डाउनलोड की गयी यूजर मैन्युएल पर जाएं। एवम् अधिक स्पष्टीकरणों, बोलीदाता या बिड्डर्स -वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, गुंटकल स्थित कार्यालय पर संपर्क करें।

ए 1563 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल

कांग्रेस पार्टी और सरकार के प्रति सकारात्मक है जनता : दामोदर

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त महबूबनगर जिले में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी शानदार जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि जनता पार्टी और सरकार के प्रति सकारात्मक है।

जिला प्रभारी मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने शनिवार शाम बंजारा हिल्स स्थित अपने आवास पर संयुक्त महबूबनगर जिले के विधायकों और कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, वक्ति श्रीहरि, विधायक वीरलापल्ली शंकरैया, पर्णिका रेड्डी, राजेश रेड्डी, गविनोला मधुसूदन रेड्डी, मेघा रेड्डी, येन्नम श्रीनिवास रेड्डी, कासिरेड्डी नारायण रेड्डी और अन्य ने भाग लिया। बैठक में स्थानीय निकाय चुनावों में अपनाई जाने वाली रणनीतियों, उम्मीदवारों के चयन, प्रचार शैली, सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने, समय-समय पर विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब देने, सोशल मीडिया पर झूठे प्रचार का सामना करने और लोगों को सच्चाई से अवगत कराने जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने इन मुद्दों पर विधायकों और नेताओं को कई सुझाव दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि टिकट आवंटन में उन कार्यकर्ताओं और नेताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिन्होंने पार्टी के लिए कड़ी मेहनत की है और जो जनता के लिए सुलभ भी हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि टिकट आवंटन में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की राय को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि नेताओं के बीच समन्वय में कमी से बचने के लिए सावधानी बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को हर घर तक पहुंचाया जाना चाहिए।

दलबदल विरोधी जांच में दो कांग्रेस विधायकों की जिरह पूरी

सभा अध्यक्ष ने गुडेम महिपाल और बंडला कृष्ण मोहन से पूछताछ की

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने शनिवार को बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हुए दो प्रमुख विधायकों-पाटनचेरु के गुडेम महिपाल रेड्डी और जोगुलाम्बा गदवाल के बंडला कृष्ण मोहन रेड्डी की दलबदल विरोधी जांच के तहत जिरह पूरी की।

सुनवाई स्पीकर के कक्ष में बंद कमरे में हुई और सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार गोपनीय रखी गई। दोनों विधायकों ने किसी भी तरह के दलबदल से इनकार किया और कहा कि कांग्रेस नेताओं के साथ उनकी मुलाकात केवल निर्वाचन क्षेत्र के विकास के उद्देश्य से थी।

बीआरएस अधिवक्ताओं ने पार्टी में शामिल होने के समारोह के वीडियो और नेताओं के बयान जैसे प्रति-साक्ष्य पेश किए। महिपाल रेड्डी 15 जुलाई 2024 को सार्वजनिक रूप से कांग्रेस में शामिल हुए थे। सत्र के बाद बीआरएस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि विधायकों ने स्वेच्छा से बीआरएस की सदस्यता छोड़ी और आठ अन्य आरोपी विधायकों ने पार्टी के प्रति अपनी निरंतर वफादारी की पुष्टि की। अध्यक्ष की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण अगली सुनवाई 24 अक्टूबर तक स्थगित कर दी गई है। बीआरएस ने संबंधित बैठक की फुटेज सुरक्षित करने के लिए औपचारिक याचिका दायर करने की योजना बनाई है।

वोलाराम डॉ. गौतम मुनी गौशाला में तेलंगाना राज्य बीजेपी सहकोषाध्यक्ष मनोनित होने पर विजय सुराणा को सम्मानित करते हुए जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान, अशोक मुथा, गौतम गांधी, संजय कटारीया एवं अन्य।

तेलंगाना भाजपा ने जुबली हिल्स उपचुनाव उम्मीदवार तय करने के लिए समिति गठित की

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आज पार्टी नेताओं से राय लेने और आगामी जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार तय करने हेतु तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। समिति के सदस्यों में पूर्व विधायक एम. धर्मा राव, पूर्व सांसद पोथागंती रामुलु और वरिष्ठ भाजपा नेता कोमल अंजनेयुलु शामिल थे।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने अहमदाबाद टेस्ट पारी और 140 रन से जीता

वेस्टइंडीज दूसरी पारी में 146 रन पर ऑलआउट; जडेजा ने 4 विकेट झटके

अहमदाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में अपना दबदबा कायम रखा और पहले मैच में पारी और 140 रनों के अंतर से जीत दर्ज की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने तीसरे दिन ही जीत हासिल कर ली। भारत ने दिन के खेल की शुरुआत से पहले अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 448 रन पर घोषित की थी और 286 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। वेस्टइंडीज की टीम शनिवार को पूरे दो सत्र भी बल्लेबाजी नहीं कर सकी और उसकी दूसरी पारी 146 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने इस तरह दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। भारत के लिए रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी की और चायकाल से पहले ही वेस्टइंडीज की पारी ढेर कर दी। दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज में यह 17वीं बार है जब कोई टीम पारी के अंतर से जीती है। इसमें से 20वीं सदी में वेस्टइंडीज ने नौ बार जीत दर्ज की है, जबकि 21वीं सदी में भारत ने सभी आठ मैच जीते हैं। यानी भारत ने वेस्टइंडीज को आठवीं बार पारी के अंतर से हराया है। वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दोनों ही पारी में काफी खराब रही है। पिछली 15 पारियों को देखें तो वेस्टइंडीज सिर्फ दो बार 200 रन का आंकड़ा पार कर पाया है और इस दौरान उसका सर्वोच्च टोटल 253 का रहा है।

हाल के वर्षों में वेस्टइंडीज का भारतीय सरजमीं पर टेस्ट में रिकॉर्ड काफी खराब रहा है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच भारत में खेले गए पिछले पांच टेस्ट मैच की बात करें तो चार बार वेस्टइंडीज को पारी की हार झेलनी पड़ी है, जबकि एक मैच में भारत ने उसे 10 विकेट से हराया था। भारत ने कोलकाता में 2013 में खेले गए टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को पारी और 51 रनों से हराया था। वहीं, 2013 में ही मुंबई में खेले गए मैच में भारतीय टीम ने पारी और 126 रनों से जीत दर्ज की थी। 2018 में राजकोट टेस्ट में भारत ने वेस्टइंडीज को पारी और 272 रनों से हराया था, जबकि उसी साल हैदराबाद टेस्ट में 10 विकेट से जीत दर्ज की थी। अब अहमदाबाद में भी वेस्टइंडीज की स्थिति नहीं बदली और उसे पारी की हार झेलनी पड़ी। दिलचस्प बात यह है कि ये सभी पांच मैच तीन दिन के अंदर ही खत्म हुए हैं।

इस मैच में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दोनों पारी में खराब रही और तीनों दिन भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। वेस्टइंडीज के लिए दूसरी पारी में एलिका अथानाजे ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए, जबकि जस्टिन ग्रीव्स ने 25, जेडन सील्स ने 22, जोहान लेन ने 14, जॉन कैंबेल ने 14, तेगनारायण चंद्रपॉल ने 8, ब्रेंडन किंग ने 5, रोस्टन चेज ने 1 और शाई होप ने 1 रन बनाए। वहीं, खैरी पियरे 13 रन बनाकर नाबाद लौटे। वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दूसरी पारी में इतनी खराब रही कि टीम सिर्फ चार घंटे ही भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक सकी।

भारत के लिए अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इस मैच में बल्ले के बाद गेंद से भी दम दिखाया। जडेजा ने पहली पारी में नाबाद शतक लगाया था और दूसरी पारी में उन्होंने चार विकेट लिए। जडेजा का साथ सिराज ने निभाया और वह तीन विकेट अपने नाम करने में सफल हुए। वहीं, कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने दो और वाशिंगटन सुंदर को एक विकेट मिला। जसप्रीत बुमराह दूसरी पारी में एक भी सफलता हासिल नहीं कर सके। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा और अंतिम मुकाबला 10 अक्तूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी छीनी गई

शुभमन गिल नए कप्तान, श्रेयस उपकप्तान

ऑस्ट्रेलिया में वनडे सीरीज खेलेंगे रोहित-विराट

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान हो गया है. जिस खबर का फैंस को इंतजार था, उस पर भी मुहर लग गई है. रोहित शर्मा और विराट कोहली 7 महीने बाद टीम इंडिया में लौट आए हैं. मगर इनकी वापसी के अलावा ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए एक बड़ा ऐलान हो चुका है. बीसीसीआई ने वनडे फॉर्मेट में कप्तानी के बदलाव का ऐलान कर दिया है. टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जिताने वाले रोहित शर्मा अब टीम के कप्तान नहीं रहे. उनकी टेस्ट टीम के कप्तान और स्टार ओपनर शुभमन गिल को ही वनडे फॉर्मेट में भी टीम की कप्तानी मिल गई है. 19 अक्टूबर से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शनिवार 4 अक्टूबर को बीसीसीआई की सीनियर मेंस सेलेक्शन कमेटी की मीटिंग हुई. इस मीटिंग में खिलाड़ियों के सेलेक्शन के अलावा भविष्य की जरूरत को देखते हुए कप्तानी को लेकर भी फैसला हुआ और आखिरकार कई हफ्तों की अटकलों के बाद इस बदलाव का ऐलान हो गया. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली सेलेक्शन कमेटी ने शुभमन गिल को ही वनडे टीम का भी कप्तान नियुक्त किया है. इंग्लैंड दौरे पर गिल की कप्तानी, बल्ले से प्रदर्शन और ओडीआई फॉर्मेट में उनकी टीम में इंडिया में पक्की जगह को देखते हुए ये फैसला लिया गया. शुभमन गिल को इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान ही टीम इंडिया का उप-कप्तान बना दिया गया था, जिसके बाद से ही ये अनुमान लगाया जाने लगा था कि वो ही रोहित के बाद टीम के कप्तान हो सकते हैं. हालांकि उनकी दावेदारी को ज्यादा मजबूती मिली इंग्लैंड दौरे से, जहां उन्हें टेस्ट टीम का नया कप्तान बनाया गया और वहां उन्होंने न सिर्फ सीरीज 2-2 से ड्रॉ करवाई, बल्कि कप्तानी का बोझ संभालने के साथ ही रिकॉर्ड 754 रन बनाकर सबसे सफल बल्लेबाज बने. जाहिर तौर पर इस प्रदर्शन ने ही सेलेक्टर्स और कोच गौतम गंभीर को ओडीआई फॉर्मेट के लिए भी उन पर ही दांव लगाने का हौसला दिया.

मोहम्मद सिराज का बड़ा कारनामा : करियर में पहली बार

दूसरी पारी में विकेट लेकर लंबे इंतजार को खत्म किया

अहमदाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा. पहली पारी में वह भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे, जहां उनकी रफ्तार और सटीक लाइन-लेंथ ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को खासा परेशान किया. दूसरी पारी में भी सिराज ने अपनी धार दिखाई और वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल को आउट करके मेहमान टीम को शुरुआती झटका दिया. ये विकेट सिराज के लिए काफी खास रहा.

मोहम्मद सिराज का बड़ा कारनामा

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मोहम्मद सिराज ने वो कर दिखाया दो वह अभी तक नहीं कर सके थे. दरअसल, तेजनारायण चंद्रपॉल का विकेट उनके लिए काफी खास रहा. क्योंकि यह पहला मौका था जब उन्होंने भारत में किसी टेस्ट मैच की दूसरी पारी में विकेट हासिल किया. सिराज ने अपने टेस्ट करियर में अब तक 100 से ज्यादा विकेट लिए हैं, लेकिन भारत में खेले गए अपने पिछले 14 टेस्ट मैचों में वह कभी भी दूसरी पारी में विकेट नहीं ले सके थे. लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने इस लंबे इंतजार को खत्म किया.

इस मुकाबले से पहले मोहम्मद सिराज ने भारत में 14 टेस्ट मैच खेले थे और 11 बार ऐसा मौका आया था जब उन्होंने मैच की तीसरी और चौथी पारी में गेंदबाजी की थी. लेकिन इस दौरान वह एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके थे. उन्होंने इन मैचों में 50 ओवर गेंदबाजी की थी, लेकिन विकेट चटकाने में नाकाम रहे थे. हालांकि, इस बार वह खाली हाथ नहीं रहे.

पहली पारी में झटके 4 विकेट

वेस्टइंडीज की टीम इस मुकाबले की पहली पारी में सिर्फ 162 रन ही बना सकी थी और ऑलआउट हो गई थी. वेस्टइंडीज के इस खराब प्रदर्शन की सबसे बड़ी वजह मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी थी. मोहम्मद सिराज ने पहली पारी में 14 ओवर फेंके थे और सिर्फ 40 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे. उन्होंने वेस्टइंडीज के टॉप ऑर्डर को पूरी तरह से ढेर कर दिया था. सिराज ने पहली पारी में भी तेजनारायण चंद्रपॉल को आउट किया था. उनके अलावा एलिक अथानाजे, ब्रैंडन किंग और रोस्टन चेज को भी अपना शिकार बनाया था.

रजत पाटीदार को मिली नई जिम्मेदारी

मध्य प्रदेश की रणजी टीम के बनाए गए कप्तान

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को चैंपियन बनाने वाले कप्तान रजत पाटीदार सभी की नजरें टिकी हुई हैं. आईपीएल जीतने के बाद से रजत पाटीदार का कद घरेलू क्रिकेट में बहुत ज्यादा बढ़ गया है. जिसके कारण ही बीसीसीआई ने पहले सेंट्रल जोन की कप्तानी सौंपी. जिसके बाद इंडिया ए और रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी पाटीदार को मिली है. जहां पर उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करके खुद को साबित किया है. इसी के साथ अब रजत पाटीदार को एक और टीम की कप्तानी मिली है.

सेंट्रल जोन और रेस्ट ऑफ इंडिया के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाले रजत पाटीदार को अब मध्य प्रदेश की रणजी टीम का भी कप्तान बना दिया गया है. मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने इस फैसले के बारे में फैंस को बताया. रणजी ट्रॉफी 2025-26 इस बार भी 2 चरणों में खेला जाएगा. जिसमें से एक 15 अक्टूबर से शुरू होगा और 19 नवंबर तक खेला जाएगा. वहीं दूसरा चरण 22 जनवरी से 1 फरवरी के बीच खेला जाएगा. टूर्नामेंट में नॉकआउट मुकाबले 6 से 28 फरवरी के बीच खेले जाएंगे. मध्य प्रदेश की टीम ने साल 2022 में आखिरी बार रणजी ट्रॉफी जीता है. पाटीदार अच्छी कप्तानी करने के साथ ही साथ बल्लेबाजी में भी तहलका मचा रहे हैं. पाटीदार इस घरेलू सत्र में बल्ले से कमाल का प्रदर्शन करके भारतीय टेस्ट टीम में धमाकेदार कमबैक कर सकते हैं. हाल के समय में वो बड़ी पारी खेलते हुए नजर आए हैं.

मध्य प्रदेश की रणजी टीम : रजत पाटीदार (कप्तान), यश दुबे, हर्ष गवली, शुभम शर्मा, हिमांशु मंत्री, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, कुमार कार्तिकेय, सारांश जैन, अधीर प्रताप, आर्यन पांडे, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल और कुलदीप सेन.

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को हराकर टी-20 सीरीज जीती

शोरिफुल इस्लाम प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए

शारजाह, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को दूसरे टी-20 में 2 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। इस मैच में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ने ऑलराउंडर प्रदर्शन किया। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 13 रन दिए और एक विकेट लिया, साथ ही नाबाद 11 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 5 विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश ने 19.1 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

शोरिफुल ने दिलाई जीत

बांग्लादेश 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय मुश्किल स्थिति में पहुंच गई थी। 102 रन पर 4 विकेट से वे 129 रन पर 8 विकेट खो चुके थे। लेकिन नुरुल हसन (31* रन, 21 गेंद) और शोरिफुल इस्लाम (11* रन, 6 गेंद) ने आखिरी पलों में संयम रखकर टीम को जीत दिलाई।

19वें ओवर में नुरुल ने नूर अहमद की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। इसके बाद कुछ वाइड और एक चौ के के साथ शोरिफुल ने रन जोड़ दिए। अब आखिरी ओवर में सिर्फ 2 रन चाहिए थे। शोरिफुल ने ओमरजई की पहली गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच खत्म कर दिया।

शमीम-जाकिर ने बांग्लादेश की पारी संभाली पारी

148 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश के दोनों ओपनर तंजीद हसन और परवेज इमोन पहले ही ओवर में आउट हो गए। इसके बाद सैफ हसन ने दो छक्के लगाया। मुजीब उर रहमान ने उन्हें पवेलियन भेज दिया।

स्कोर 24/3 पर था, तभी शमीम हसन (33 रन) और जाकिर अली ने चौथे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी कर टीम को संकट से बाहर निकाला।

अफगानिस्तान की ओर से इब्राहिम जादरान ने 38 रन बनाए

अफगानिस्तान ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी की और उनकी शुरुआत धीमी रही। सलामी बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल (23) और इब्राहिम जादरान (38) ने पहले विकेट के लिए 55 रन जोड़े। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने 30 रन की तेज पारी खेली। मोहम्मद नबी (20*) और अज़मतुल्लाह ओमरजाई (17*) की मदद से अफगानिस्तान ने निर्धारित ओवरों में 147 रन बनाए।

बांग्लादेश की गेंदबाजी में शोरिफुल इस्लाम ने चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर एक विकेट लिए। वहीं रिशाद ने दो विकेट लिए।

विश्व पैरा एथलेटिक्स : सिमरन और निशाद ने जीता सोना

भारत के खाते में अब छह स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। निशाद कुमार और सिमरन शर्मा ने चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऊंची कूद और 100 मीटर की रेस में स्वर्ण पदक जीता। प्रीति पाल और प्रदीप कुमार ने 200 मीटर और डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीते। भारत के खाते में अब छह स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक हो गए हैं। प्रतियोगिता में दो दिन और शेष हैं। भारत जापान के कोबे में हुई पिछली चैंपियनशिप के 17 पदकों के रिकॉर्ड से महज तीन पदक दूर है।

पिता ने बढ़ाया हौंसला

दिल्ली की सिमरन ने महिलाओं की टी-12 की 100 मीटर की रेस में 11.95 के अपने श्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन के साथ खिताब जीता। वह 200 मीटर की रेस में भी हिस्सा लेंगी। जापान में हुई पिछली चैंपियनशिप में उन्होंने 200 मीटर में स्वर्ण और 2024 पैरालंपिक में कांस्य पदक जीता था। चीन की लियांग (12.11) ने स्वर्ण और स्पेन की नागोरे ने कांस्य पदक जीता। समय से पहले साढ़े छह महीने की उम्र में जन्मी 25 वर्षीय सिमरन दृष्टिबाधित होने के कारण जेएलएन स्टेडियम में प्रशिक्षण लेती हैं। सिमरन छह महीने तक इनक्यूबेटर में थी और यह उसके पिता मनोज शर्मा ही थे जिन्होंने उन्हें खेल में आगे बढ़ने के लिए समर्थन दिया।

जन्मदिन पर निशाद ने जीता सोना

हिमाचल के ऊना में रहने वाले निशाद के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि उन्होंने अपने 26वें जन्मदिन पर पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा जीती। जब वह छह साल के थे तो हादसे में घास काटने वाली मशीन में उन्हें दायां हाथ गंवाना पड़ा। उन्होंने 2.14 मीटर के प्रदर्शन के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया। निशाद ने टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में रजत और 2019 की विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और 2023 में रजत पदक जीता। महिलाओं की 200 मीटर टी 35 के फाइनल में प्रीति ने 30.03 के साथ कांस्य पदक जीता। डिस्कस थ्रो में प्रदीप ने 46.23 मीटर के साथ कांस्य पदक लिया।

मुक्केबाज हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने जीते अपने-अपने मुकाबले; बीएफआई कप के अगले दौर में जगह बनाई

चेन्नई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (सर्विसेज) ने बीएफआई कप एलीट पुरुष मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में अपने शुरुआती मुकाबले में सर्विसेज के हर्ष को 5:0 से हराकर शानदार जीत हासिल की। एलीट महिला प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। अंडर-22 एशियाई कांस्य पदक विजेता भावना शर्मा (रेलवे) ने 48-51 किग्रा वर्ग में सिमरन (हरियाणा) को कड़े मुकाबले में 3:2 के विभाजित निर्णय से हराया। पार्थवी ग्रेवाल (राजस्थान) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

पुरुषों के ड्रॉ में, हुसामुद्दीन के अलावा, सर्विसेज के मुक्केबाजों ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया और अपनी टीम की गति को और मजबूत किया। महिलाओं के मुकाबलों में गहराई और संभावनाएं दिखाई दीं, क्योंकि भावना और पार्थवी की जीत ने प्रतिभा की बढ़ती लहर को उजागर किया। एलीट नेशनल्स में शीर्ष 8 में स्थान पाने वाले राज्य इकाइयों और बोर्डों के मुक्केबाज बीएफआई कप में भाग ले रहे हैं, जिसमें साई एनसीओई और मेजबान राज्य तमिलनाडु के मुक्केबाज भी शामिल हैं। इस सूची में पिछली दो एलीट राष्ट्रीय चैंपियनशिप के प्रतिभागी, 2024 और 2025 एशियाई अंडर-22 चैंपियनशिप के भारतीय टीम के सदस्य और 2022 से अब तक की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेता भी शामिल हैं।

गोवा और उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों तथा छठे युवा राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेता इस प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना रहे हैं। सभी प्रविष्टियां आधिकारिक राज्य इकाइयों और बोर्डों के माध्यम से भेजी जाएंगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) 1 से 7 अक्टूबर तक चेन्नई में पहले बीएफआई कप का आयोजन कर रहा है। विश्व मुक्केबाजी मानकों के अनुरूप 10-10 भार वर्गों में एलीट पुरुष और महिला दोनों के लिए प्रतियोगिताएं होंगी। आयोजन के स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को एलीट राष्ट्रीय शिविर में प्रवेश मिलेगा।

बांग्लादेश की टीम से हुई दिग्गज की छुट्टी!

नई सीरीज के लिए हुआ वनडे टीम का ऐलान

बांग्लादेश की टीम ने हाल के समय में औसत प्रदर्शन किया है. एशिया कप 2025 में बुरी तरह से हारने के बाद बांग्लादेश की टीम ने अफगानिस्तान को टी20 सीरीज में हरा दिया. टी20 सीरीज के बाद इन दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है. जिसके लिए बांग्लादेश के चयनकर्ताओं ने टीम का ऐलान कर दिया है. जहां पर मैनेजमेंट ने बड़ा फैसला करके स्टार खिलाड़ी को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. इसके अलावा युवा खिलाड़ी को भी मौका मिला है.

टी20 सीरीज जीतने के बाद अब बांग्लादेश की टीम वनडे सीरीज की तैयारी कर रही है. जिसके लिए टीम का ऐलान हुआ तो कुछ चौंकाने वाले फैसले भी लिए गए हैं. एशिया कप 2025 में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सैफ हसन को पहली बार वनडे टीम में मौका मिला है. वहीं नूरुल हसन की भी लगभग 2 सालों के बाद वनडे टीम में वापसी हुई है. नूरुल ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में कमाल का प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है.

कप्तान लिटन दास इंजरी के कारण इस सीरीज का भी हिस्सा नहीं रहने वाले हैं. जिसके कारण ही उनक गैरमौजूदगी में मेहदी हसन मिराज को कप्तानी सौंपी गई है. टीम मैनेजमेंट ने परवेज हुसैन इमोन को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. बांग्लादेश के कुछ खिलाड़ी वीजा नहीं मिलने के कारण इस सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाए हैं. जिसमें सौम्य सरकार के साथ ही साथ मोहम्मद नईम का नाम शामिल है.

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम : मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तंजीद हसन, मोहम्मद नईम, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, नुरुल हसन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, हसन महमूद, नाहिद राणा.

पेगुला चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी अमेरिकी

नवारो को हराया; अब नोसकोवा से सामना

बीजिंग, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जेसिका पेगुला चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अमेरिका की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया और अंतिम चार में जगह बनाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया।

पेगुला ने कहा, 'मैंने खुद से कहा कि ज्यादा निराश मत हो और सिर्फ शांत बनी रहो। मैंने रिलेक्स होने की कोशिश की और गेम प्लान पर आगे बढ़ने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। इससे मुझे खुलकर खेलने का मौका मिला।' 20 साल की नोसकोवा डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चेक गणराज्य की युवा खिलाड़ी हैं। एक अन्य सेमीफाइनल में गत चैंपियन कोको गॉफ का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा से होगा।

आरआरआर उत्तरी भाग के लिए निविदाएं दो महीने में : कोमटिरेड्डी

> जनवरी 2026 में काम शुरू होगा

हैदराबाद , 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज घोषणा की कि प्रस्तावित क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) उत्तरी भाग के लिए निविदा प्रक्रिया दो महीने के भीतर शुरू हो जाएगी और जनवरी 2026 तक काम शुरू होने की उम्मीद है।

कार्यों को शीघ्र शुरू करने के लिए निविदा प्रक्रिया इस दिसंबर के अंत तक पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि 161.5 किलोमीटर लंबा यह खंड, जिसे छह लेन वाली सड़क के रूप में पुनः डिजइन किया गया है, संगारेड्डी, नरसापुर, तूप्रान, गजवेल, जगदेवपुर, भोंगीर और चौटुप्पल से होकर गुजरेगा। संवाददाताओं से बात करते हुए, कोमटिरेड्डी ने पिछली बीआरएस सरकार पर 2017-18 में केंद्र की मंजूरी के बावजूद आरआरआर परियोजना की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब मैंने कार्यभार संभाला था, तब केवल छह प्रतिशत भूमि अधिग्रहण हुआ था। अब यह 98 प्रतिशत से अधिक हो गया है। केसीआर सरकार ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के प्रति कोई चिंता नहीं दिखाई। उन्होंने आगे कहा कि भूमि अधिग्रहण के लिए 6,000 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जो राज्य और केंद्र द्वारा समान रूप से साझा किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि राज्य का 3,000 करोड़ रुपये का हिस्सा हुडको के माध्यम से पहले ही व्यवस्थित किया जा चुका है। किसानों को आश्वस्त करते हुए, कोमटीरेड्डी ने कहा कि "आरआरआर दक्षिण भाग" के बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। हम किसानों की सहमति से ही आगे बढ़ेंगे। एक किसान पुत्र होने के नाते, मैं अन्याय नहीं होने दूंगा। आरआरआर संरेखण में कोई अन्याय नहीं होगा- अमीर हो या गरीब, सभी के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। नलगोंडा की धरती का पुत्र होने के नाते, अगर हमारे किसानों या हमारे क्षेत्र के साथ कोई अन्याय होता है, तो मैं कभी चुप नहीं रहूंगा। भूमि अधिग्रहण और संरेखण से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए मुख्यमंत्री के साथ परामर्श के बाद जल्द ही एक मंत्रिस्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तेलंगाना की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के समर्थक हैं और उन्होंने 'गौरेली-भद्राचलम राजमार्ग और एलबी नगर-मलकापुरम रोड' को मंजूरी दे दी है। उन्होंने आगे कहा कि 8-लेन वाले हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग का काम फरवरी 2026 तक शुरू हो जाएगा।

बारिश की चेतावनी पर उस्मान और हिमायत सागर से पानी छोड़ा

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईएमडी द्वारा बारिश की भविष्यवाणी करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी करने के बाद, एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने उस्मान सागर और हिमायत सागर से पानी छोड़ना शुरू किया। एचएमडब्ल्यूएसएसबी के प्रबंध निदेशक के. अशोक रेड्डी ने दोनों जलाशयों का दौरा कर स्थिति का आकलन किया और अधिकारियों को सतर्क रहने तथा लगातार निगरानी रखने की सलाह दी।

उस्मान सागर (गांडिपेट) के चार गेट 2 फीट ऊंचे करके 920 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जबकि हिमायत सागर में एक गेट 3 फीट ऊंचा करके 1,017 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। एहतियात के तौर पर इन जलाशयों से पानी धीरे-धीरे बढ़ाकर क्रमशः 3,000 और 2,000 क्यूसेक छोड़े जाने की संभावना है।

हैदराबाद में दो चोर गिरफ्तार सोना-चांदी और घड़ियां बरामद

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पहाड़ीशरीफ पुलिस ने चोरी के मामलों में शामिल एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 20 ग्राम सोना, 720 ग्राम चांदी के बर्तन, 36 घड़ियां और अन्य सामान बरामद किया गया। गिरफ्तार लोगों के नाम हबीब मोहम्मद (35) और महजबीन शरीफ (39) बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, ये दोनों बंद घरों को निशाना बनाकर चोरी करते थे। हबीब रात में ताले तोड़कर घरों में घुसता और सामान चुराता था। इसके बाद वह चोरी का माल महजबीन को देता, जो उसे बेचकर दोनों में पैसे बांट लेती थी। डीसीपी एस सुनीता रेड्डी ने बताया कि हबीब पहले से ही 50 संपत्ति अपराधों में शामिल रहा है और कई बार गिरफ्तार हो चुका है, जबकि महजबीन पांच मामलों में पकड़ी जा चुकी है।

अलवाल में दुकानों में आग, लाखों रुपये की संपत्ति जलकर खाक

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अलवाल में शनिवार दोपहर कई दुकानों में आग लगने से लाखों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग सबसे पहले लोतकुंटा स्थित एक साइकिल की दुकान में लगी और जल्दी ही आसपास की छह दुकानों तक फैल गई। दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। अलवल पुलिस ने आग बुझाने में मदद की और इलाके को कुछ समय के लिए घेराबंदी कर दिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी घटनास्थल का दौरा किया।

कवाल टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी फिर से शुरू

भारी बारिश के बाद स्थगित सफारी सेवा की वापसी, शुल्क में वृद्धि

मंचेरियल, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कवाल टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी सेवा (जो जुलाई में भारी बारिश के कारण स्थगित कर दी गई थी) 1 अक्टूबर से फिर से शुरू हो गई है। पर्यटन और प्रकृति प्रेमियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अब नौ सफारी वाहन चलाए जा रहे हैं, जबकि पहले पांच वाहन थे।

सफारी के लिए तीन ट्रैक (प्रत्येक 15 किलोमीटर) तैयार किए गए हैं। प्रति ट्रिप शुल्क 3,000 रुपये से बढ़ाकर 3,500 रुपये कर दिया गया है और सप्ताहांत पर यह 4,000 रुपये है। प्रत्येक ट्रिप में अधिकतम छह लोग जा सकते हैं, अतिरिक्त यात्री के लिए 500 रुपये अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। पर्यटकों को बुकिंग के लिए गोंदगुड़ा गेट नंबर 1 पर स्थित काउंटर पर जाना होगा या 94403 37315 और 73826 19071 पर संपर्क करना होगा। कवाल टाइगर रिजर्व में बाघ, तेंदुए, भेड़िए, जंगली कुत्ते, हिरण, भारतीय गौर, लोमड़ी, नीलगाय, जंगली सूअर, नेवले और 300 से अधिक पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं। वन विभाग ने पक्षी-दर्शन गतिविधियों की भी शुरूआत की है। आवास सुविधाओं में छह गैर-एसी कॉटेज, आठ एसी कॉटेज और एक डॉरमेट्री हॉल शामिल हैं। सप्ताह के दिनों में एसी कॉटेज का किराया 1,890 रुपये और गैर-एसी 1,155 रुपये है। सप्ताहांत में ये दरें क्रमशः 2,100 रुपये और 1,260 रुपये हैं। डॉरमेट्री का किराया सप्ताहांत में 3,000 रुपये है। बुकिंग के लिए 79816 62513 पर संपर्क किया जा सकता है।

चंद्रबाबू नायुडू ने दिया आंध्र प्रदेश के ऑटो चालकों को तोहफा

> जल्द नए राइड बुकिंग ऐप की भी घोषणा

विजयवाड़ा, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने शनिवार को 'ऑटो चालक सेवालो' योजना का शुभारंभ किया, जिसके तहत राज्य के प्रत्येक ऑटो चालक को 15,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने आंध्र प्रदेश में ऑटो चालकों के लिए ओला-उबर जैसे नए सरकारी ऐप की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने विजयवाड़ा में 'ऑटो चालक सेवालो' कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान घोषणा की कि राज्य सरकार रैपिडो और उबर की तरह एक नया राइड बुकिंग ऐप लॉन्च करेगी, जिसका उद्देश्य पूरे आंध्र प्रदेश में ऑटो चालकों को सशक्त बनाना है। ऐप के साथ-साथ उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि उनके अधिकारों की रक्षा के लिए जल्द ही एक ऑटो चालक कल्याण बोर्ड की स्थापना की जाएगी। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने खुद ऑटो में सवारी की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी मौजूद थे, जो ऑटो में बैठकर ही कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे थे। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, गठबंधन सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के तहत हमने एक और योजना शुरू की है। पिछले चुनाव में किए गए वादे के अनुसार, मुझे 'ऑटो चालक सेवा' योजना के माध्यम से प्रत्येक ऑटो चालक के खाते में 15,000 रुपये जमा करते हुए खुशी हो रही है। इस योजना के माध्यम से हमने 2,90,669 ऑटो और कैब चालकों को 436 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा, जनता के आशीर्वाद से पिछले 15 महीनों में कल्याण में कोई कमी नहीं आई है। विकास में कोई रुकावट नहीं आई है।

इससे मुझे बहुत संतुष्टि मिली है। मैं घोषणा करता हू कि हम जनता के आशीर्वाद के साथ राज्य के विकास के लिए और भी अच्छे कार्यक्रम शुरू करने के लिए आगे बढ़ेंगे।"

इस बीच, विजयवाड़ा में 'जन सेना' पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की तस्वीरों का दुग्धाभिषेक किया। 'जन सेना' पार्टी कार्यकर्ताओं ने चंद्रबाबू नायुडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए विजयवाड़ा में एक प्रतीकात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया। यहां दोनों नेताओं की तस्वीरों को दूध से नहलाया गया।

हाइड्रा ने कोंडापुर में 36 एकड़ सरकारी जमीन पुनः प्राप्त की

कड़ी सुरक्षा के बीच अतिक्रमण हटाया, किसानों और स्थानीय लोगों से विवाद

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) की टीमों ने शनिवार को कोंडापुर के भिक्षापति नगर में 36 एकड़ सरकारी जमीन को पुनः प्राप्त किया। किसानों और स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने जमीन पर कोई अतिक्रमण नहीं किया और उनके नाम पर सरकार ने पट्टे जारी किए हैं। इस कारण हाइड्रा टीम और स्थानीय लोग आपस में बहस करते नजर आए और कुछ लोगों ने जेसीबी के काम का विरोध किया। हाइड्रा के अनुसार, कोंडापुर आरटीओ कार्यालय के पास एसवाई संख्या 59 में कुछ लोगों ने सरकारी जमीन पर अस्थायी शेड बनाकर व्यवसाय किया था। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद हाइड्रा ने इन अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की।

स्थायी ढांचे और टिन शेड को ध्वस्त करने के बाद हाइड्रा ने जमीन पर बाड़ लगाई और इसे सरकारी संपत्ति घोषित किया। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि भविष्य में अतिक्रमण करने वालों पर मुकदमा चलेगा। पुनः प्राप्त जमीन की कीमत लगभग 3,600 करोड़ रुपये आंकी गई है।

जुबली हिल्स सीट पर कांग्रेस के टिकट चयन में अंदरूनी कलह

अंजन कुमार यादव ने पोन्नम प्रभाकर को कड़ी चेतावनी दी

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव की पृष्ठभूमि में, कांग्रेस नेताओं के बीच मतभेद चरम पर पहुंच गए हैं। टिकट के लिए प्रयासरत वरिष्ठ नेता अंजन कुमार यादव, हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर को लेकर गंभीर हो गए हैं। अंजन कुमार यादव ने पोन्नम प्रभाकर को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, मैं पोन्नम प्रभाकर से ज्यादा वरिष्ठ हूं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जुबली हिल्स सीट का टिकट कांग्रेस आलाकमान तय करेगा, पोन्नम प्रभाकर नहीं। पूर्व सांसद ने बताया कि कांग्रेस पार्टी में एक ही परिवार से कई लोग विधायक और सांसद बने हैं, जिनमें उत्तम कुमार रेड्डी और उनकी पत्नी पद्मावती, कोमटीरेड्डी बंधु, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और उनके भाई मल्लू रवि (सांसद), मंत्री विवेक और उनके बेटे (सांसद), और उनके भाई (विधायक) शामिल हैं। अंजन कुमार यादव ने सवाल किया, अगर मेरा बेटा सांसद है, तो मुझे विधायक का टिकट क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? और पार्टी से जवाब मांगा।

अब, जुबली हिल्स उपचुनाव के मद्देनजर, अंजन कुमार यादव ने अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है, उन्हें विश्वास है कि उन्हें टिकट जरूर मिलेगा। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में अंजन कुमार के कटआउट लगाए गए हैं। उनके समर्थक घर-घर जाकर अंजन कुमार यादव को उम्मीदवार के रूप में प्रचारित कर रहे हैं।

हैदराबाद और सिकंदराबाद में चलने वाली सभी बसों का किराया बढ़ेगा

नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए टीजीएसआरटीसी को धन की आवश्यकता

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने हैदराबाद में प्रदूषण मुक्त सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसने टीजीएसआरटीसी को शहर के निवासियों को बीमार करने वाले वायु प्रदूषण को कम करने और यातायात की समस्याओं पर नियंत्रण पाने के लिए पर्यावरण-अनुकूल इलेक्ट्रिक बसों का उपयोग करने का निर्देश दिया है।

इसने निर्देश दिया है कि 2027 तक हैदराबाद ओआरआर में डीजल बसों के स्थान पर 2800 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएं। यह निर्णय शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को स्वच्छ और हरित बनाने की दिशा में एक शुभ संकेत है। यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यदि 2800 नई इलेक्ट्रिक बसें पूरी तरह से उपयोग में आ जाती हैं, तो निजी वाहनों की खरीद कम होगी और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ेगा। परिणामस्वरूप, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में कमी आएगी। शहरवासियों में श्वसन संबंधी समस्याओं और हृदय रोगों में कमी आएगी और लोगों की जीवन प्रत्याशा में सुधार होगा। टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने राज्य सरकार के आदेशानुसार 2800 नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए पहले ही कदम उठा लिए हैं। इसने अगले दो वर्षों में चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने की योजना बनाई है। यह इलेक्ट्रिक बसों के अनुरूप बुनियादी ढांचे की सुविधाएं स्थापित कर रहा है। वर्तमान में, ग्रेटर हैदराबाद में 25 डिपो हैं। इनमें से 6 डिपो में 265 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं। इस वर्ष 275 और इलेक्ट्रिक बसें सेवा में आ रही हैं। पूर्ण चार्जिंग के लिए एचटी कनेक्शन टीजीएसपीडीसीएल और ट्रान कंपनी द्वारा प्रत्येक डिपो में 8 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए हैं। कंपनी आगामी 2800 नई इलेक्ट्रिक बसों के लिए 19 डिपो में चार्जिंग के लिए एचटी कनेक्शन स्थापित करेगी। साथ ही, इसने इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से हैदराबाद में सार्वजनिक परिवहन का और विस्तार करने के लिए 10 नए डिपो स्थापित करने का निर्णय लिया है। साथ ही, 10 नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

बीआरएस नेताओं ने रुकी हुई स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए कांग्रेस की आलोचना की

टीआईएमएस अस्पताल का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने शनिवार को पिछले दो वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में आई सुस्ती और राज्य की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में आई गिरावट के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उनके नेतृत्व में, पूर्व मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, स्थानीय विधायक सुधीर रेड्डी, विधायक विवेकानंद और कलेरू वेंकटेश, एमएलसी यादव रेड्डी, पूर्व अध्यक्षों, वरिष्ठ नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं सहित बीआरएस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद के एलबी नगर स्थित तेलंगाना आयुर्विज्ञान संस्थान (टीआईएमएस) अस्पताल में रुकी हुई निर्माण गतिविधियों का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को आगाह किया कि यदि आवश्यक स्वास्थ्य सेवा पहलों में तेजी नहीं लाई गई तो संभावित "जन विद्रोह" हो सकता है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा कोविड महामारी के बाद मजबूत स्वास्थ्य सेवा ढांचा स्थापित करने में दिखाई गई दूरदर्शिता दिखाने में विफल रही। केसीआर ने सौ साल के दृष्टिकोण के साथ हैदराबाद के आसपास चार टीआईएमएस अस्पताल बनाने की योजना बनाई थी। टीआईएमएस के साथ, उन्होंने 2,000 बिस्तरों वाले निम्स अस्पताल की नींव रखी। केसीआर ने लोगों के नजदीक गुणवत्तापूर्ण सुपर-स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए चार टीआईएमएस अस्पताल और वारंगल हेल्थ सिटी का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी धनराशि आवंटित की और काम लगभग पूरा कर लिया। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, काम आगे नहीं बढ़ा।

दो साल में, केवल पांच मंजिलें ही बनी हैं। अगर बीआरएस जारी रहता, तो अस्पताल अब तक बनकर तैयार हो चुका होता और लोगों की सेवा कर रहा होता। हरीश राव ने आगे कहा कि बीआरएस सरकार ने रंगारेड्डी ज़िले के महेश्वरम में एक मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी थी और एक सरकारी आदेश जारी किया था। लेकिन, इस सरकार ने स्वीकृत कॉलेज को रद्द कर दिया है और इसे एलबी नगर टीआईएमएस में मिला दिया है, जिससे गरीबों को सुपर-स्पेशलिटी सेवाएं देने का लक्ष्य ध्वस्त हो गया है। इसी तरह, कुतुबुल्लापुर में एक मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किया गया था, लेकिन उसे टीआईएमएस अलवाल में मिला दिया गया। उन्होंने बताया कि केसीआर ने अलवाल में एक मेडिकल कॉलेज और 500 बिस्तरों वाले अस्पताल की योजना बनाई थी, लेकिन कांग्रेस ने महेश्वरम और कुतुबुल्लापुर के मेडिकल कॉलेज और 500 बिस्तरों वाले अस्पताल छीन लिए हैं। कांग्रेस नेताओं के गलत कार्यों के कारण लोगों को भारी नुकसान हो रहा है। दो साल बाद भी अस्पताल का काम अधूरा है। जान बचाने वाले अस्पतालों के साथ राजनीति मत कीजिए। तारीखें और समय सीमाएं बदलती रहती हैं, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ता। हम रेवंत रेड्डी को चेतावनी दे रहे हैं : इन्हें युद्धस्तर पर पूरा करें, वरना लोगों का विद्रोह अवश्यंभावी है।

बीआरएस नेता ने यह भी कहा कि केसीआर सरकार ने 450 बस्ती दवाखाने शुरू किए थे और केंद्र तथा 15वें वित्त आयोग ने तेलंगाना की प्रशंसा की थी। लेकिन रेवंत की बदौलत बस्ती के डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों और कर्मचारियों को छह महीने से वेतन नहीं मिला है। क्या रेवंत का बस्ती दवाखानों को बंद करने का लक्ष्य केसीआर द्वारा शुरू किया गया है? केसीआर ने अकेले हैदराबाद में 350 बस्ती दवाखाने स्थापित किए। रेवंत रेड्डी, आप जुबली हिल्स के लोगों से क्या कहेंगे?

आप 108 एम्बुलेंस की आधी से भी कम सेवाएं दे रहे हैं। आपने बस्ती दवाखानों को ठप रहने दिया है, हरीश राव ने सवाल किया। उन्होंने कहा, हम बस्ती दवाखानों के कर्मचारियों को तुरंत वेतन देने और वारंगल हेल्थ सिटी तथा टीआईएमएस अस्पतालों का निर्माण तुरंत पूरा करके उन्हें जनता के लिए उपलब्ध कराने की मांग करते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.